वरिष्ठ पत्रकार व सम्पादक
हिंदी सेवी-पर्यावरण प्रेमी
भारत को 'भारत' ही बोला जाए
का आव्हान करने वाला प्रथम भारतीय

बिजय कुमार जैन

कृतित्व एवं व्यक्तित्व

- प्रो. मिश्री लाल मांडोत

प्रकाशन व प्राप्ति स्थान

गेलार्ड पब्लिकेशन्स प्रा. लि.

बी-217, हिंद सौराष्ट्र इंडस्ट्रियल इस्टेट, मरोल, अंधेरी
पूर्व, मुम्बई, महाराष्ट्र, भारत -400 059
दूरध्वनिः 022-2850 9999

विशेष सहयोग

- 'जिनागम' परिवार
- 'मेरा राजस्थान' परिवार
- 'मैं भारत हूँ' परिवार
- 'मैं भारत हूँ' फाउंडेशन

छायांकन

आपणों राजस्थान, जिनागम फाउंडेशन,
हिंदी कल्याण न्यास
जैन साधु-श्रावक एकता मंच
'मैं भारत हूँ' फाउंडेशन

आवृत्ति : प्रथम

वर्ष : 2023

मूल्य : सप्रेम भेंट

सौजन्य

गेलार्ड ग्रुप व जिनागम फाउंडेशन

सर्वाधिकार सुरक्षित
Copy Right Reserved

अन्तरताना : www.bijayjain.com

मेरी माँ

चम्पा देवी कपूर चंद जैन

जिनकी गोद में पलकर आज जिस मुकाम पर पहुंच पाया हूँ
वे बीज संस्कार आपकी ही देन है
आपके चरणों में शत्-शत् वन्दन

-बिजय कुमार जैन

अखिल भारतीय दिगम्बर जैनाचार्य
परम पूजनीय श्रद्धेय विद्यासागर जी म. सा.

आपका मार्गदर्शन और सस्नेह मंगल आशीर्वाद सदैव
मुझे प्रेरित करता रहा, मेरी कृति आपके श्री चरणों में सादर समर्पित

-बिजय कुमार जैन

सुप्रसिद्ध चिंतक एवं महनीय राष्ट्रीय संत
प. पू. स्वामी गोविंददेव गिरि जी महाराज

श्री राम जन्मभूमि अयोध्या तीर्थ क्षेत्र के कोषाध्यक्ष

भारत को 'भारत' बोला जाए 'इण्डिया' नहीं

आपका आशीर्वाद और प्रेरणा सदैव हमें मिलती रहे

-बिजय कुमार जैन

श्री बिजय कुमार गोधा जैन का
संक्षिप्त पारिवारिक विवरण
मारोठ निवासी-कोलकाता-मुंबई प्रवासी

जन्म	:	२९ सितम्बर १९५६ (माँ के बताएनुसार)
शिक्षा	:	बी.कॉम. कोलकाता विश्वविद्यालय
पिता	:	श्री कपुरचंद गोधा सरावगी जैन (स्वर्गीय) सुपुत्र चांदमल गोधा जैन (स्वर्गीय) मारोठ निवासी
माँ	:	श्रीमती चम्पादेवी सरावगी जैन सुपुत्री छोगालाल छाबड़ा जैन (स्वर्गीय)
भाई	:	■ बिजय कुमार गोधा जैन (स्वयं)............१ ■ गज कुमार गोधा जैन (स्वर्गीय)............२ ■ अमित (श्याम सुंदर) कुमार गोधा जैन......३ ■ राज कुमार गोधा जैन (स्वर्गीय)............४
बहन	:	लक्ष्मी (बेला) कमल कुमार सेठी जैन....... १ विवाहित कमल शेखरचंद सेठी जैन (स्वर्गीय) सरिया निवासी-मुंबई प्रवासी

स्वयं का विवाहित परिवार

धर्मपत्नी	:	श्रीमती संतोष बिजय गोधा जैन (पाकुड़ निवासी) सुपुत्री धर्मचंद, माँ मनोरमा (स्व.) कासलीवाल जैन
पुत्री	:	प्रिया जैन विवाहित राहुल बैद जैन, इंदौर निवासी १ पायल जैन विवाहित सौरभ काला जैन, इंदौर निवासी २
पुत्र	:	निहाल बिजय जैन (जन्म १७ दिसम्बर १९९८) १ शिक्षारत कम्प्यूटर इंजीनियरिंग (सी.एस.) न्यूर्याक में कार्यरत

...जारी...

मेरा बाल्यकाल

पिताश्री कपूर चंद जैन (स्व.) मातोश्री चम्पा देवी के साथ
मैं बिजय कुमार जैन, भाई गज कुमार (स्व.),
अमित कुमार, राजकुमार (स्व.)

बहुआयामी व्यक्तित्व के धनी: बिजय कुमार जैन

-प्रो. मिश्री लाल मांडोत

दृढ़ निश्चयी, कठोर परिश्रमी, अर्जुन की आँख की भाँति निरंतर अपने लक्ष्य को भेदने वाले, असफलता मिलने पर भी कभी निराश न होने वाले, साहसी, गतिशील और जीवन में कुछ कर गुजरने का हौसला लिए, सकारात्मक सोच से परिपूर्ण, जैन एकता का आह्वान करने वाले सामाजिक व्यक्तित्व व राजस्थानी भाषा को भारतीय संविधान की आठवीं अनुसूची में दर्ज़ करवाने का प्रयत्न करने हेतु ऐतिहासिक रथ यात्रा का आयोजन करने वाले, हिंदी सेवी, पर्यावरण प्रेमी, वरिष्ठ पत्रकार व संपादक, भारत को 'भारत' ही कहे जाने के लिए आह्वान करने वाले, ऐसे कई-कई अपने निष्पक्ष कार्यों के साथ तमगे लगाए बहुआयामी व्यक्तित्व के धनी हैं-गेलॉर्ड ग्रुप के संस्थापक ईस्ट वेस्ट अंधेरी टाईम्स (हिंदी, अंग्रेजी, गुजराती मराठी भाषाओं में प्रकाशित)

ब्राउन आई न्यूज चैनल (टी.वी.) के सम्पादक 'जिनागम' हिंदी मासिक पत्रिका (जैन एकता के लिए प्रयासरत) 'मेरा राजस्थान' सभी राजस्थानी को जोड़ने वाली व राजस्थान के इतिहास को प्रकाशन करने वाली एकमात्र पत्रिका 'मैं भारत हूँ' (भारत को अपना नाम-सम्मान दिलाने वाली एकमात्र पत्रिका) के संपादक श्री बिजय कुमार जैन का संक्षिप्त परिचय लिखने का मुझे सौभाग्य मिला, जिसके लिए मैं अपने आपको दृढ संकल्पी समझता हूँ, प्रस्तुत है:

श्री बिजय कुमार जैन का जन्म सन् २९ सितम्बर १९५६ को पश्चिम बंगाल में स्थित मुर्शिदाबाद जिले के एक छोटे से गाँव 'जियागंज' में हुआ। आपके पिताजी का नाम श्री कपूरचंद गोधा जैन तथा मातोश्री का नाम चम्पा देवी छाबड़ा गोधा जैन है। पिताश्री आठवीं कक्षा तक पढ़े थे और मातोश्री तीसरी कक्षा तक पढ़ी थी। पिताश्री कपूरचंद जी का कोलकाता में गंजी-बनियान के धागे की दलाली व निर्माण का छोटा सा व्यवसाय था। परिवार में माता-पिता के अतिरिक्त चार भाई एक बहिन है। बिजय कुमार इन सबमें ज्येष्ठ भ्राता हैं। परिवार की आर्थिक स्थिति साधारण थी।

शिक्षा-दीक्षा एवं जीवन संघर्ष की शुरूआत-

चूँकि पिताश्री का व्यवसाय कोलकाता में था, इसलिए श्री बिजय कुमार की प्रारंभिक शिक्षा कोलकाता में हुयी। श्री बिजय कुमार बताते हैं कि-परिवार की कमजोर आर्थिक स्थिति के कारण वे स्वयं पुरानी किताबें खरीदकर पढ़ते थे तथा परीक्षा में उत्तीर्ण होने के बाद उन्हें बेचकर अगली कक्षा के लिए पुरानी किताबें खरीदकर अपनी पढ़ाई जारी रखी।

बचपन में चंचलता तो थी ही, अकारण ही उन्हें माँ की मार भी सहनी पड़ती थी। घर में सबसे ज्येष्ठ पुत्र होने के कारण जब वे ९वीं-१०वीं कक्षा में आ गए तब ग्रीष्मावकाश और दुर्गा पूजा (प.बंगाल) की छुट्टियों में नौकरी कर पढ़ाई जारी रखी। कोलकाता के बड़ाबाजार स्थित 'अमर भारती' स्कूल से उन्होंने अकेले ही दसवीं की परीक्षा 'सी' (एक विषय में अनुत्तीर्ण) में पास की, जबकि उनके अन्य सभी सहपाठी अनुत्तीर्ण हो गए थे।

दसवीं की परीक्षा उत्तीर्ण करने के बाद प्रात: ८ बजे से सायं ४ बजे तक कोलकाता में स्थापित एक कम्पनी रेणुका होजरी में नौकरी प्रारंभ कर दी तथा ११वीं की पढ़ाई के लिए सांध्यकालीन खुदीराम बोस कॉलेज, कोलकाता में प्रवेश ले लिया। ग्यारहवीं कक्षा में उत्तीर्ण होने के बाद कोलकाता में ही हरिसन रोड (महात्मा गांधी रोड) स्थित मोहता स्टोर्स में **₹** १५० मासिक वेतन पर नौकरी शुरू की तथा आगे अध्ययन के लिए उमेश चन्द्र कॉलेज (सीटी कॉलेज) में प्रवेश ले लिया। कॉलेज का समय प्रात:कालीन होने से नौकरी और अध्ययन दोनों में किसी प्रकार का व्यवधान नहीं पड़ा। मोहता स्टोर्स में नौकरी करते समय कुछ राशी की बचत कर कुछ पूंजी एकत्रित की। १९७४ में मोहता स्टोर्स की नौकरी को छोड़ 'क्लीनिंग डिटरजेन्ट' का स्वयं का व्यवसाय प्रारंभ कर दिया। श्री जैन बताते हैं कि उन्होंने कठोर परिश्रम कर अपने व्यापार को आगे बढ़ाया तथा धीरे-धीरे रिकॉर्ड क्लीनर, रिकार्ड एलबम आदि का निर्माण व्यापार कोलकाता में प्रारंभ कर दिया। निरंतर आगे बढ़ते रहने की चाहत ने रंग दिखाया और उनका व्यापार भारत के पूर्वी क्षेत्र-असम, मणिपुर, नागालैण्ड, त्रिपुरा,

मिजोरम, अरूणाचल आदि के साथ-साथ मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, बिहार तक फैल गया। अपने उत्पादित सामान की बिक्री के साथ ही इलेक्ट्रॉनिक पाट्र्स का रीसेल का कार्य भी शुरू कर दिया, जिससे अच्छी आमदनी शुरू हो गई। सन १९७८ में उन्होंने कोलकाता के चांदनी चौक में स्वयं की दुकान खरीद ली तथा अपने सभी छोटे भाइयों को भी अपने व्यापार से जोड़ लिया। श्री जैन ने अपने कॉलेज के समय के साथी श्री पन्नालाल डागा को अपने व्यवसाय में भागीदारी देकर व्यापार को आगे बढ़ाना प्रारंभ किया। व्यापार चल निकला, जिसके कारण प्रतिष्ठा भी बढ़ी। परिणामस्वरूप विवाह के लिए प्रस्ताव आने लगे। १७ फरवरी १९७९ ई. में झारखंड स्थित पाकुड़ निवासी श्री झूमरमल धर्मचंद कासलीवाल जैन परिवार की सुकन्या संतोष कुमारी के साथ आपका विवाह सम्पन्न हुआ। विवाह के कुछ दिनों बाद ही घर में तनाव बढ़ने लगा। ऐसी परिस्थितियों में बाध्य होकर स्वयं की खरीदी हुई दुकान आदि सभी छोड़कर डिमापुर (नागालैण्ड) जा बसे। श्री बिजय कुमार के काकाजी उम्मेदमल जी गोधा उन दिनों डिमापुर में निवासित थे, जिनका वहां आटा-चावल (किराना) का खुदरा व्यापार था। कुछ दिन उनके यहां रहने के बाद 'डिमापुर' में एक किराये का मकान ले लिया तथा रेडियो-रिकॉर्ड (चूड़ी बाजा), टेप रिकार्डर आदि के पाट्र्स का व्यापार शुरू कर दिया। इस व्यवसाय में श्री जैन की अच्छी साख बढी और डिमापुर में भी उनका व्यवसाय चल निकला, किन्तु धर्मपत्नी श्रीमती संतोष को डिमापुर का वातावरण रास नहीं आया और उनकी जिद के वशीभूत डिमापुर छोड़ना पड़ा। उन्होंने अपनी पत्नी को कोलकाता में अपने परिवार के पास छोड़ स्वयं अकेले २३ अप्रैल १९८० को बम्बई आ गए।

श्री जैन ने बताया कि इस माया नगरी बम्बई में आ तो गया किन्तु यहां से मेरे संघर्षपूर्ण जीवन की एक नई कहानी की शुरूआत भी हुई। किसी ने उचित ही कहा है कि 'यदि कोई भी कार्य आपके मन के मुताबिक नहीं होता है तो आप यह न समझें कि आप असफल हो गए हैं।' निराश होने की आवश्यकता नहीं है। आप यह मानकर चलें कि ईश्वर ने आपके लिए कोई अन्य योजना बनायी है। श्री जैन पर यह बात बिल्कुल खरी उतरती है। उनके लिए विधि का विधान ही कुछ और था। वह उनसे कुछ अच्छा करवाना चाहता था, जिसके लिए विधि की ओर से ताना-बाना बुना जा रहा था।

बहरहाल श्री जैन के लिए बम्बई में हर कोई अजनबी था, कोई जान-पहचान नहीं थी, किसी प्रकार का सहारा देने वाला, मार्गदर्शक नहीं था, कोई हमदर्द नहीं था, कोई सहानुभूति प्रकट करने वाला नहीं था। ऐसी परिस्थितियों में भी श्री जैन घबराये नहीं, हिम्मत नहीं हारी, निराशा के भावों को निकट भी नहीं आने दिया। हौंसले बुलन्द थे। कुछ कर गुजरने की तमन्ना जो दिल में थी। वे यह मानते थे कि-

'संघर्ष का नाम ही जीवन है। पानी के बहाव में तो मुर्दे भी बह जाते हैं विपरीत परिस्थितियों में जो संघर्ष कर विजय प्राप्त करे, वही तो सफल इंसान कहा जाता है, उन्होंने ठान लिया था कि-

'हिम्मत से पतवार संभालो, फिर क्या दूर किनारा?'

बम्बई आने के बाद अप्रैल, १९८० में श्री जैन ने यहां भी प्रारंभ में विडियो कैसेट के फ्लेप, हेड क्लिनर आदि का अपना चिर-परिचित व्यवसाय प्रारंभ कर दिया।

इसी दौरान उनकी पत्नी संतोष ने कोलकाता में पुत्री को जन्म दिया, जिसका नाम मन ही मन 'प्रेरणा'

रखा। परिस्थितियों के वशीभूत वे अपनी नवजात पुत्री को देखने भी नहीं जा सके और अपने जन्म के ९ दिन बाद ही उनकी पुत्री 'प्रेरणा' भगवान को प्यारी हो गयी।

श्री जैन के पास मुंबई में रहने के लिए कोई घर नहीं था, पुत्री के अवसाद से ग्रसित पत्नी संतोष को मजबूरन मुंबई लाना पड़ा। उन दिनों धरती बिछौना और आसमाँ उनकी छत थी। कठोर परिस्थितियों से झूझते रहे और कड़ी मेहनत से व्यापार को आगे बढाते रहे, साथ ही फिल्मों में काम करने की इच्छा के वशीभूत पाली हिल्स स्थित रोशन तनेजा फिल्म इन्स्टीट्यूट में प्रवेश लेकर एक्टिंग सीखना प्रारंभ कर दिया।

समय अपनी गति से आगे बढ़ता चला जा रहा था और श्री जैन की जिम्मेदारियां भी बढ़ती जा रही थी। मुंबई में घर लेने की भी इच्छा थी। घर चलाने के लिए व्यापार भी करना जरूरी था, फिल्मों में काम करने की इच्छा भी पूरी करनी थी। ऐसी स्थिति में कई बार तो उन्हें तीन-तीन दिन तक सोने का समय भी नहीं मिलता था। किन्तु परिस्थितियों के वशीभूत यह सब चलता रहा और वे एक के बाद एक कदम आगे बढ़ते रहे।

तत्कालीन समय के प्रसिद्ध शो-मेन राजकपूर की फिल्म 'राम तेरी गंगा मैली' में पहली बार सह निर्देशक के रूप में कुछ काम करने का अवसर मिला। तत्पश्चात बासु चटर्जी के सीरियल में एक एपिसोड में तीन-तीन भूमिकाओं का निर्वहन किया। 'नफरत की जंग' में राज किरण, सदाशिव अमरापुरकर के साथ इन्स्पेक्टर की भूमिका निभायी। 'हम फरिश्ते नहीं' में जतिन कुमार एवं अनीश बज़्मी के साथ सह निर्देशक के रूप में कार्य किया। इस प्रकार फिल्मों में कार्य करने की उनकी हसरत (थोड़ी बहुत) पूरी होती चली गयी।

३० नवम्बर, १९८४ को उनके घर एक पुत्री का जन्म हुआ, जिसका नाम 'प्रिया' रखा गया। प्रिया के जन्म से घर में खुशी का वातावरण पैदा हुआ, घर में लक्ष्मी के आगमन से धनधान्य में भी वृद्धि होने लगी तथा जिम्मेदारियां भी बढ़ती चली गयी।

विडियो लायब्रेरी ऑनर्स एसोसिएशन की स्थापना-

सन १९८७-८८ में विडियो फिल्म का जमाना था और बिजय जी विगत कई वर्षों से इस व्यवसाय से जुड़े हुए थे। अत: उन्होंने विडियो फ्लेप के साथ-साथ विडियो कैसेट भी बेचना प्रांरभ कर दिया तथा मुंबई के अंधेरी पूर्व में स्थित मुकुन्द नगर में 'जैन विडियो सेन्टर' नाम से एक विडियो लायब्रेरी प्रारंभ कर दी। यह लायब्रेरी चल निकली। ग्राहकों की संख्या लगातार बढ़ने लगी और अच्छी आमदनी होने लगी, तत्कालीन विडियो कम्पनियों से गाली-गलौच और धमकियां मिलने लगी। श्री जैन को यह सब अच्छा नहीं लगता था। युवा आत्म-स्वभिमान जाग उठा। उन्होंने सोचा कि इस प्रकार का नारकीय जीवन जीना व्यर्थ है, जहां हर पल तनाव व मौत का साया सिर पर नाचता रहे। उनके मन में विरोध का स्वर जाग उठा और उन्होंने प्रतिकार स्वरूप 'विडियो लायब्रेरी ऑनर्स एसोसिएशन' की स्थापना करने में सफलता हासिल की। यह संगठन इतना शक्तिशाली बन गया जिससे बाध्य होकर टी सिरीज को अपनी निर्मित विडियो फिल्म 'लाल दुपट्टा मलमल का' के प्रदर्शन-वितरण को रोकना पड़ा। इसी दौरान समुद्रा विडियो के मालिक बिन्दा ठाकरे, इस्माइल भाई तथा ललित शाह का भी सामना करना पड़ा, किन्तु शिकस्त नहीं मानी। मुंबई के

खार जिमखाने में विडियो कम्पनियों की एक बड़ी सभा आयोजित की गई जिसमें यह पूछा गया कि- 'ये बिजय जैन कौन है? तो सभा में उपस्थित लोगों में से २५ बिजय जैन खड़े हो गए। सभी आश्चर्य चकित होकर देखने लगे। जब सभी विडियो कम्पनी वालों को विडियो लायब्रेरी मालिकों की कठिनाइयों की जानकारी श्री बिजय जैन ने दी तो सभी ने मन मारकर उनकी बात को स्वीकार कर लिया। इस अवसर पर श्री बिजय जैन को धमकी भी दी गई कि-तुम परिवार वाले हो, यदि तुम हमारा साथ नहीं दोगे तो तुम्हारे परिवार का क्या होगा? कोई भी विडियो लायब्रेरी वाला कठिनाई के समय तुम्हारा साथ देने वाला नहीं है, सभी भाग जायेंगे। किन्तु श्री जैन हिम्मत नहीं हारी और न ही धमकियों के आगे झुके। अन्त में खार स्थित जिमखाने में आयोजित विशाल सभा में विडियो कैसेट की क्वालिटी को भी सुधारने हेतु विडियो कैसेट उत्पादकों को बाध्य किया गया जो कि श्री जैन की एक बड़ी उपलब्धि थी। उन्होंने अपने कुशल नेतृत्व की शक्ति का परिचय दिया था।

श्री जैन ने विडियो लायब्रेरी वालों की कठिनाइयों पर मिडिया का ध्यान आकर्षित करना चाहा, किन्तु किसी भी मिडिया वालों ने उस पर ध्यान नहीं दिया। कारण स्पष्ट था कि मिडिया कर्मियों पर आर्थिक दृष्टि से सम्पन्न विडियो कॉपीराइट होल्डर्स का प्रभाव था।

ऐसी स्थिति को दृष्टिगत रखते हुए श्री बिजय जैन ने आर. वी. वर्मा, सुश्री एन. के. भारती के साथ मिलकर 'विडियो बूम' नामक एक अंग्रेजी मासिक पत्रिका की शुरूआत कर दी, जिसके सदस्यों में श्री अमिताभ बच्चन, लता मंगेशकर, सुभाष घई, रमेश शर्मा आदि-आदि प्रमुख फिल्मी हस्थियां शामिल थी। एक दिन सायंकाल प्रसिद्ध फिल्मकार श्री सुभाष घई ने अपने बान्द्रा (पश्चिम) स्थित निवास स्थान पर बुलाकर श्री जैन से कहा कि वे 'सौदागर' फिल्म का विडियो वितरण विडियो लायब्रेरी एसो. को देना चाहते हैं। इस पर श्री जैन ने कहा- 'हम विडियो लायब्रेरी वाले इतनी बड़ी जिम्मेदारी नहीं उठा सकते हैं।' यह कहकर उनके प्रस्ताव को अस्वीकार कर दिया। श्री रमेश शर्मा की 'हम' फिल्म के प्रदर्शन के समय श्री अमिताभ बच्चन ने अपने बंगले पर निर्माता श्री रमेश शर्मा के साथ साक्षात्कार दिया, जिसे श्री जैन द्वारा सम्पादित 'विडियो बूम' में प्रकाशित किया गया, पर व्यापारिक दृष्टिकोण से यह भेंट वार्ता सफल नहीं रही। 'विडियो बूम' की बढ़ती हुई मांग को देखकर इसका हिंदी संस्करण प्रकाशित करना प्रारंभ किया गया।

इसी दौरान २३ अप्रैल, १९८६ में श्री बिजय जैन के यहां दूसरी पुत्री 'पायल' का जन्म हुआ। उन दिनों वे जे.बी.नगर के 'त्रिमूर्ति' हाऊस में निवास करने लग गए थे। अपनी दूसरी पुत्री के जन्म के साथ ही अपनी बढ़ती जिम्मेदारियों की पूर्ति करने हेतु श्री जैन ने जे.बी.नगर स्थित सेन्ट्रल बैंक ऑफ इण्डिया की शाखा में दोनों बिटियाओं के नाम १५० रू. प्रतिमाह का सावधि जमा खाता शुरू कर दिया ताकि उनके विवाह के समय तक कुछ राशी जमा हो जाए।

राजनैतिक-समाजिक व पत्रकारिता की ओर बढ़े कदम-

श्री बिजय जैन ने आजीविका के लिए पहले हौजरी का व्यवसाय, फिर विडियो कैसेट का कारोबार किया, विडियो लायब्रेरी और विडियो लायब्रेरी ऑनर्स एसोसिएशन की स्थापना आदि कई कार्य

किए। कई प्रकार के संकट भी झेले और कठोर संघर्ष किया, किन्तु नियती तो उनसे कुछ और ही करवाना चाहती थी।

श्री जैन ने स्वयं बताया की पत्रकारिता के क्षेत्र में उन्हें कोई विशेष जानकारी नहीं थी। एक बार वे एक मुस्लिम महिला को उनके परिवार द्वारा दहेज के लिए सताए जाने पर महिला को न्याय दिलाने, उसे सहयोग करने के उद्देश्य से अंधेरी पुलिस ठाणे गए, किन्तु फिल्मी पत्रकार होने के कारण उन्हें तिरस्कार झेलना पड़ा। इस हादसे के कारण उनके मन में पत्रकारिता की एक ऐसी लौ जल उठी कि १५ मई, १९९२ को 'ईस्ट वेस्ट अंधेरी टाइम्स' साप्ताहिक हिंदी पत्र का प्रकाशन प्रारंभ कर दिया। यद्यपि उन दिनों अंधेरी की जनसंख्या अधिक नहीं थी किन्तु 'हर शुक्रवार' को प्रकाशित होने वाले ई. वे. अंधेरी टाइम्स का लोग उत्सुकता से इंतजार करते थे। ई.वे. अंधेरी टाइम्स का हिंदी के साथ अंग्रेजी, मराठी और गुजराती संस्करण भी शुरू कर दिया गया। धीरे-धीरे पत्रकारिता जगत में भी श्री बिजय कुमार जैन ने अपना स्थान बना लिया। इलेक्ट्रॉनिक मिडिया की बढ़ती मांग के कारण बिजय जी ने सन १९९९ में 'ब्राउन आई.टी.वी.न्यूज चैनल' की शुरूआत कर दी। लगभग ३ वर्ष चले टी.वी. चैनल ने प्रसिद्धि तो जरुर दी पर आर्थिक स्थिति कमजोर हो गयी। सर पर कर्ज का भार बढ गया। खुदकशी तक की परिस्थिति आ गई, बिटिया पायल ने प्रोत्साहित किया और हिम्मत बंधायी। कहा- 'जब आपके साथ समाज और राष्ट्र है तो आपको निराश होने की क्या आवश्यकता है?' बिटिया के प्रोत्साहित करने पर आत्मविश्वास बढ़ा। गेलॉर्ड ग्रुप का ही एक प्रकाशन 'जिनागम' जो कि मात्र ८ पन्नों का होता था और दिगम्बर जैन समाज परिवारों तक वितरित किया जाता था। दिगम्बर जैन समाज से तो वे स्वयं जुड़े हुए थे ही, दिल और दिमाग में बात आई कि क्यों न समस्त जैन समाज के लिए कुछ किया जाये। समाज व धर्म के बारे में अध्ययन करना शुरू किया, पता चला कि समाज बुरी तरह विघटन की सीमा को लांघ चुका है। मंदिरों और तीर्थों के लिए विवादित झगड़े चल रहे हैं यहॉ तक की कई-कई तीर्थों के झगड़े तो भारत के सर्वोच्च न्यायालय तक पहुंचे हैं। ये झगड़े कैसे निपटाए जाएं? समाज के लाखों रुपये झगड़े में बरबाद हो रहे हैं। सामाजिक दिग्गजों का समय भी बरबाद हो रहा है। श्री जैन ने सोचा कि ऐसी परिस्थिति में क्या किया जाये ताकि झगड़े समाप्त हों और समाज का विघटन खत्म हो?

श्री जैन ने सन २००३-०४ के समय 'जैन एकता' का बिगुल बजा दिया। 'जिनागम' पत्रिका जो कि ८-१२ पन्नों के साथ प्रकाशित होती थी उसे ६० पन्नों का बना दिया और समस्त जैन पंथ-समाज अर्थात् दिगम्बर, श्वेताम्बर मूर्तिपूजक, स्थानकवासी, तेरापंथी परिवारों के घरों में वितरित करना शुरू कर दिया गया। यहाँ भी समाज के कुछ वरिष्ठ नाराज हुए, पर दिल में कुछ करने की निष्ठा लिए श्री जैन आगे बढ़ते गए। सम्पूर्ण भारत में 'जिनागम' के द्वारा 'जैन एकता' का बिगुल बजा, जो कि जैन समाज ने स्वीकारा, कई-कई जैन संस्थानों द्वारा श्री जैन द्वारा लिखे गए सम्पादकीय की तारीफें की जाने लगी, कहने लगे आप आगे बढ़ें सम्पूर्ण जैन समाज आपके साथ है।

सन २००५-०६ में 'जिनागम' पत्रिका १०० पन्नों की प्रकाशित होने लगी। जैन समाज का भरपूर

सहयोग मिलने लगा, किसी समय ‘ब्लैक एण्ड व्हाइट’ निकलने वाली पत्रिका पूर्णतया रंगीन प्रकाशित होने लगी और समस्त जैन पंथों की एकमात्र ख्यातिलब्ध विश्वस्तरीय पत्रिका ‘जिनागम’ बन गई।

यह तो रही प्रकाशन की बात, श्री बिजय कुमार जैन में सामाजिक स्तर की सोच भी तो कूट-कूट कर भरी थी जो कि उबाले मार रही थी, इसी के तहत श्री जैन ने ‘जैन एकता’ के लिए भव्यातिभव्य कार्यक्रम मुंबई में कर डाला, हुआ यूं कि ‘जैन एकता’ का रंग मुंबई में जमने लगा था, हर कोई ‘जैन’ दिगम्बर-श्वेताम्बर की भावना, जो की मात्र आमनाय है उनमें ‘जैन’ बने रहने की चाहत को बढते देख १४ अप्रैल २०१४ को मुंबई स्थित गोरेगॉव में ‘महावीर जन्म कल्याणक पर्व’ पर चारों सम्प्रदाय को एकमंच पर लाकर दिखा दिया कि यदि कर्मठता स्वरुप कार्य किया जाये तो हर कार्य सफल होता है जिसमें जैन समाज की ११४ वर्षों पुरानी संस्था ‘भारत जैन महामंडल’ का साथ रहा, विदित हो कि महामंडल की स्थापना ही चारों सम्प्रदाय द्वारा ‘जैन एकता’ के नारे के साथ ११४ वर्ष पूर्व की गई थी।

१४ अप्रैल २०१४ को आयोजित ‘महावीर जन्मकल्याणक पर्व’ कार्यक्रम की सफलता के बाद दिल्ली में १७ सितम्बर २०१४ को ‘जैन एकता’ का आह्वान करते हुए जैन साधु सम्मेलन’ का आयोजन कर डाला, जिसमें दिगम्बर मुनि तरुण सागर जी, मूर्तिपूजक संप्रदाय से गच्छाधिपति अभय देव सुरी जी, स्थानकवासी श्रमण संघ आचार्य डॉ. शिवमुनि जी, तेरापंथाचार्य महाश्रमण जी का भरपूर आशीर्वाद प्राप्त किया और भारी संख्या की उपस्थिति में ‘जैन एकता’ की जय-जयकार हुयी।

जिनागम -

‘जिनागम’ का उद्देश्य जैन धर्म के सिद्धान्तों का व्यापक प्रसार करना तो है ही, साथ ही राष्ट्रीय ‘जैन एकता’ का आगाज़ करना भी मुख्य ध्येय बना रहा। श्री जैन कहते हैं कि- ‘मुझे यह देखकर बहुत दुःख होता है कि विश्व में अहिंसा का संदेश फैलाने वाला जैन धर्म टुकड़ों-टुकड़ों में विभाजित क्यों हैं?

वे कहते हैं कि सभी विभिन्न जैन धर्मावलम्बियों को ‘एक’ हो जाना चाहिए। हम क्यों भूल जाते हैं कि ‘संघे शक्तिः कलियुगे।’ जो समाज संगठित रहेगा, वह आगे बढ़ेगा।

जब सभी जैन तीर्थंकर महावीर और णमोकार मंत्र को मानते हैं तो फिर भिन्न-भिन्न मत- मतान्तर क्यों? अहम् को त्यागकर ‘अर्हम’ को क्यों नहीं अपनाते? उन्होंने नारा दिया कि:

‘ना हम दिगम्बर-ना हम श्वेताम्बर’
‘हम सब जैन हैं’
भगवान महावीर के अनुयायी हैं
णमोकार मंत्र हमारा एक है
अहिंसा परमो धर्मः हमारा संदेश है
जीयो और जीने दो हमारा नारा है
‘परस्परोपग्रहो जिवानाम’ हमारा परिवेश है।

'जिनागम' पत्रिका द्वारा इस अभियान को आगे बढ़ाने का आज भी प्रयास जारी है। इस प्रयास के कारण ही 'जिनागम' विश्व के हर जैन धर्मावलम्बी की पठनीय पत्रिका बन चुकी है तथा अपने उद्देश्य में आगे

बढ़ती जा रही है। प्रत्येक माह की १२ तारीख को भारत के कोने-कोने में निवासित जैन परिवारों को एकता का पाठ पढ़ाने को वितरण की जा रही है।

मेरा राजस्थान-

'मेरा राजस्थान' पत्रिका के प्रकाशन का मुख्य उद्देश्य राजस्थानी कला और संस्कृति को जीवन्त बनाए

रखने के साथ-साथ राजस्थान के प्रवासी बन्धुओं को 'राजस्थानी एकता' से जोड़े रखना तथा मायड़ भाषा 'राजस्थानी' को भारतीय संविधान की आठवीं अनुसूची में जोड़कर उसे सम्मान दिलाना व राजस्थान के कस्बों, नगरों, शहरों का इतिहास बताना है।

श्री जैन ने राजस्थान के गांवों, कस्बों और शहरों के इतिहास, परम्पराओं, रीति-रिवाजों, मंदिरों, पर्यटक स्थलों के साथ वहां के राजा-महाराजाओं, प्रमुख समाजसेवी, राजनेता, शिक्षाविदों, इतिहासकार, साहित्यकार, कलाकार, उद्योगपतियों आदि के बारे में विस्तृत और प्रामाणिक जानकारी उपलब्ध कराने के उद्देश्य से 'मेरा राजस्थान' पत्रिका के सन् २०२० तक सौ से अधिक विशेषांक प्रकाशित कर दिए हैं तथा यह अभियान अनवरत रूप से जारी है। साथ ही राजस्थानी प्रवासियों की एकता को बनाए रखने के लिए समय-समय पर 'आपणों राजस्थान' समारोह तथा अन्य कई सांस्कृतिक कार्यक्रमों एवं अन्य समाजोपयोगी

उत्सवों का आयोजन करके राजस्थानी प्रवासियों की एकता को संजोये रखने का भगीरथी प्रयास करते चले जा रहे हैं। राजस्थानी भाषा को आठवीं अनुसूची में स्थान दिलाने के लिए आपने 'अखिल भारतीय राजस्थानी भाषा मान्यता संघर्ष समिति' के माध्यम से

'क्यूं नहीं मिल्यो म्हारी मायड़ भाषा न सनमान'

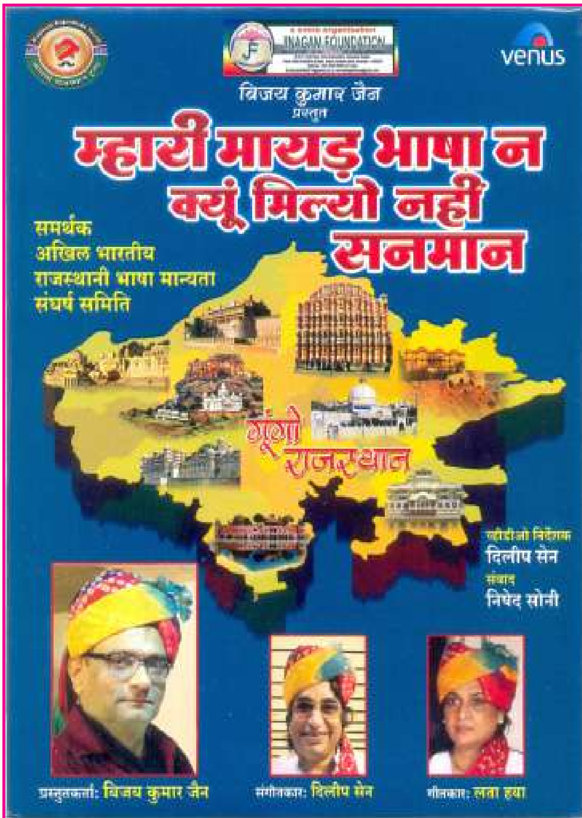

(१००० सीडी का वितरण)

अभियान का शंखनाद किया जो अपने उद्देश्य की परिणिति तक जारी रहेगा। इस हेतु आपने वर्ष २०१५ में राष्ट्रीय स्तर पर अभियान चलाया और 'राजस्थानी भाषा सम्मान रथ यात्रा' निकाली जो मुंबई से गुजरात होते हुए एक कारवां राजस्थान के विभिन्न अंचलों से गुजरते हुए जयपुर पहुँचा तथा तत्कालीन मुख्यमंत्री वसुन्धरा राजे को ज्ञापन दिया गया कि राजस्थान में राजस्थानी भाषा को स्कूलों व कॉलेजों में पढ़ायी जाये, साथ ही राजस्थानी को मातृभाषा का दर्जा मिले, इस हेतु वे राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री माननीय श्री अशोक गहलोत के पास भी गए व कारवां के साथ मिले। राजस्थानी मायड़ भाषा हेतु एक संगीतमय १२.३० मिनटों की प्रसिद्ध संगीतकार दिलीप सेन के निर्देशन में संगीत बद्ध कर विनस कैसेट के द्वारा सीडी का निर्माण करवा कर हजारों की संख्या में मुफ्त वितरण कर मायड़ भाषा सम्मान के लिए जागरूकता उत्पन्न की।

यहाँ पर यह बताना भी उचित होगा कि प्रस्तुत सीडी 'म्हारी मायड़ भाषा न क्यूं मिल्यो नहीं सनमान' में २० फिल्मी गायकों ने स्वरबद्ध किया, उल्लेखनीय यह भी रहा कि हिंदी फिल्म संगीत की दुनिया के संगीतकार व गायक रविंद्र जैन जी के जीवन का अंतिम गीत यह रहा, खुद रविंद्र जैन जी ने मायड़ भाषा के जीत की शुरूआत की। गजल गायक अनूप जलोटा के साथ, दिलीप सेन, अरविंद कुमार, सतीश देहरा, राजा हसन, स्वरूप खान, अली गनी, जतिन कुमार, आदित्य गौर, बिजय कुमार जैन (स्वयं), दीपा नारायण,

रेखा राव, सीमा मिश्रा, भावना पंडित, लता हया, कविता तिवारी, इपशीता होम रॉय आदि का सम्मिलित मधुर कर्णप्रिय राजस्थानी भाषा का गीत बना जो सभी के द्वारा पसंद किया गया, तारीफें मिली।

मैं भारत हूँ-

अखिल भारतीय स्तर पर भारतीय राजनीति की ज्वलन्त समस्याओं पर प्रकाश डालने, उन्हें उजागर करने,

लगातार १४ वर्षो से प्रकाशित

संघ और राज्यों के बीच सम्बन्धों और विवादों का विश्लेषण करने, राज्य विधान सभाओं, सांसदों, केन्द्रीय मंत्रिमंडल, राज्यों के मंत्रिमंडलों, विपक्षी दलों की भूमिकाओं पर बेबाक टिप्पणियां करने, अंतरराष्ट्रीय गतिविधियों पर प्रकाश डालने और तत्सम्बन्धी आलेखों को प्रकाशित करने के साथ-साथ भारत की राष्ट्रीय एकता के लिए 'मैं भारत हूँ' पत्रिका के माध्यम से 'भारतीय भाषा अपनाओ अभियान' के साथ भारत को 'भारत' ही बोला जाए अभियान की शुरूआत कर दी और नारा दिया-

अर्थात, भारत के प्रत्येक राज्य (प्रान्त) अपनी-अपनी मातृभाषा के साथ-साथ 'राष्ट्रभाषा' (जो कि संवैधानिक घोषणा से वंचित है, यह आलेख लिखे जाने तक) हिंदी को भी अपनाए। आपकी सोच है कि जब देश का एक ध्वज, एक राष्ट्रीय चिन्ह, एक मुद्रा, एक विदेश नीति, एक राष्ट्रगान, एक राष्ट्रीय पशु, एक राष्ट्रीय पक्षी है तो एक 'राष्ट्रभाषा' क्यों नहीं होनी चाहिए? श्री जैन स्पष्ट तौर पर कहते हैं कि जिस देश की कोई राष्ट्रभाषा नहीं, वह देश गूंगा और बहरा है। आपने 'राष्ट्रभाषा सम्मान अभियान' का वर्ष २०१६ से आयोजन प्रारम्भ कर दिया। इस हेतु सम्पूर्ण देश के विभिन्न अंचलों में अनेकों सभाओं का आयोजन कर जन-जागृति अभियान शुरू किया और सभी राज्य सरकारों, सांसदों, गृह मंत्रालय जिसके अधीन भाषाओं के सम्मान निर्धारण कार्य होता है। प्रधानमंत्री और महामहिम राष्ट्रपति को ज्ञापन देकर 'हिंदी' को राष्ट्रभाषा का सम्मान दिलाने हेतु पूरजोर शब्दों में अपना पक्ष प्रस्तुत किया।

श्री जैन ने नारा दिया:

भारतीय पत्रकारों का यह है आव्हान
'हिंदी' बने राष्ट्र भाषा यह है अरमान

इस नारे को लेकर श्री जैन मुंबई से उत्तर प्रदेश प्रेस क्लब लखनऊ, कोलकाता प्रेस क्लब, हिंदी भवन व राष्ट्रभाषा प्रचार समिति भोपाल, विश्व वात्सल्य मंच अभियान हैदराबाद, तमिलनाडु हिंदी साहित्य अकादमी चेन्नई, तेरापंथ भवन भुवनेश्वर, हिंदी साहित्य सम्मेलन कार्यालय नई दिल्ली, असम राष्ट्रभाषा प्रचार समिति गुवाहाटी, प्रेस क्लब चण्डीगढ़, राजघाट दिल्ली, मुंबई महानगरपालिका दादर, बगड़का कॉलेज मुंबई, साठे कॉलेज विलेपार्ले, मारवाड़ी सार्वजनिक पुस्तकालय नई दिल्ली, प्रेस क्लब रायपुर, हिंदी भवन व कुंद-कुंद ज्ञानपीठ इंदौर का निर्विवाद दौरा किया, जिसकी प्रशंसा ही नहीं हुई बल्कि बड़े-बड़े दिग्गज पत्रकारों ने श्री जैन की भावना को समझा और अपना समर्थन दिया।

भारतीय भाषा अपनाओ अभियान
भारत की एक राष्ट्रभाषा बने यह है
हम भारतीयों का आव्हान
भारत को 'भारत' ही बोला जाए

सन् २०१८-१९ में श्री जैन ने दिगम्बराचार्य श्री विद्यासागर जी का आशीर्वाद लेकर १८ दिनों की सफलतम (वाहन) यात्रा का आयोजन किया। यह यात्रा मुंबई से पुणे (महाराष्ट्र) - सतारा (महाराष्ट्र) - निपाणी (कर्नाटक) बेलगाम (कर्नाटक) कुमटा (कर्नाटक) मैंगलोर (कर्नाटक) - कन्नूर (केरल) - कोझीकोड (केरल) कोयम्बतूर (तमिलनाडू) - सेलम (तमिलनाडू) - चेन्नई (तमिलनाडू) नेल्लोर (आंध्रप्रदेश) - विजयवाड़ा

(आंध्रप्रदेश) - हैदराबाद (तेलंगाना) - आदिलाबाद (तेलंगाना) - नागपुर (महाराष्ट्र) - नरसिंहपुर (मध्य प्रदेश) - ललितपुर (उत्तर प्रदेश) - ग्वालियर (मध्यप्रदेश) - आगरा (उत्तर प्रदेश) होते हुए दिल्ली पहुंची। ४ जनवरी २०१९ को, जिसका समापन दिल्ली के जंतर-मंतर में हुआ, इसकी प्रशंसा भारत के राष्ट्रपति श्री रामनाथ कोविंद जी द्वारा भी की गयी।

श्री जैन को अंतहृदय से विश्वास भी है कि एक दिन 'हिंदी' भारत की राष्ट्रभाषा बन कर रहेगी क्योंकि श्री जैन के अनुसार भारत के शत-प्रतिशत नागरिक किसी न किसी रूप में 'हिंदी' बोलते व समझते हैं। कहते हैं पक्षी आसमाँ को देखते ही उड़ान भरने लगता है क्योंकि पक्षी के पंख आसमॉ को देखते ही फड़फड़ाने जो लगते हैं।

इसी प्रकार श्री जैन ने सन् २००९ में शुरू किए गए नारे भारत माँ को सम्मान दिलाने हेतु

भारत को 'भारत' ही बोला जाए, विश्वस्तर पर गुंजायमान होने लगा।

श्री जैन ने सन २००९ को ही 'मैं भारत हूँ' पत्रिका 'हिंदी मासिक' का प्रकाशन तो शुरू कर ही दिया था, पर दिल में जब यह बात उतरी कि एक इंसान के नाम २ नहीं हो सकते तो हमारे देश के २ नाम क्यों?

१) भारत २) India

श्री जैन के अनुसार India गुलामी का नाम है, 'भारत' तो हजारों साल पुराना नाम है। भारत की संस्कृति विश्व प्रसिद्ध है, India तो मात्र ३०० वर्ष पुराना है।

यहां यह बताना उचित होगा कि सन् २०२० को विश्व ने कोरोना जैसी महामारी झेली। भारत में राष्ट्रीय स्तर पर २३ मार्च २०२० को सम्पूर्णत: लॉकडाउन, अर्थात् लोगों को कोरोना जैसी महामारी के बचाव के लिए भारत सरकार ने सभी भारतीयों को घर पर ही रहने को कहा, जो जहाँ था वहीं ठहर गया।

सड़कें वीरान हो गयी, काम-काज ठप्प हो गया। श्री जैन को भी घर में रहना पड़ा, परंतु श्री जैन घर पर रहकर भी अपने 'भारत' को सम्मान दिलाने के लिए विचलित रहने लगे और भारत के सभी सांसदों से सम्पर्क करने लगे।

विदित हो कि २६ फरवरी २०२० को भारत के ११ अधिवक्ताओं ने भारत के सर्वोच्च न्यायालय में अपील की, कि 'भारत' देश का नाम एक ही होना चाहिए, भारतीय संविधान में भी देश का नाम एक ही होना चाहिए, भारतीय संविधान के

अनुच्छेद १ में लिखा हुआ है:

India That is Bharat जिसे बदलकर Bharat that is Bharat किया जाये। श्री जैन ने कहा कि India तो भारत में रहना ही नहीं चाहिए। India तो गुलामी का नाम है, श्री जैन के अनुसार Bharat that is Bharat यानी भारत को 'भारत' ही बोला जाना चाहिए।

पर्यावरण रक्षा-

श्री जैन ने पर्यावरण की सुरक्षा हेतु भी एक नारा दिया

नीम लगाओ पर्यावरण बचाओ

इसके तहत मुंबई में जगह-जगह हजारों की संख्या में नीम के पौधे लगाए, विशेषकर भारतीय रेल के प्रांगण में, इसमें साथ दिया महावीर इंटरनेशनल संस्थान ने।

श्री जैन ने भारत सरकार द्वारा पंजीकृत 'जिनागम फाउंडेशन' के तहत 'पर्यावरण रक्षा' के लिए भी अभियान प्रारंभ किया, उन्होंने आगाह किया कि मानवता की रक्षा के लिए 'पर्यावरण रक्षा' अत्यन्त आवश्यक है अन्यथा इसका खामियाज़ा हमें तथा आने वाली पीढ़ी को भोगने के लिए तैयार रहना चाहिए।

संक्षेप में कहा जा सकता है कि श्री बिजय कुमार जैन ने 'गेलॉर्ड ग्रुप पब्लिकेशन्स' के माध्यम से स्वस्थ पत्रकारिता के साथ-साथ सामाजिक और राष्ट्रीय महत्व के विविध पक्षों की प्रतिपूर्ति करना ही अपने जीवन का लक्ष्य निर्धारित कर रखा है।

ईश्वर से विनती है कि श्री जैन को अपने सकारात्मक एवं समाजोपयोगी लक्ष्यों की पूर्ति हेतु सदैव सक्रिय बनाए रखे।

श्री बिजय कुमार जैन के कृतित्व और व्यक्तित्व के सम्बन्ध में कुछ महानुभावों ने तथा उनकी धर्मपत्नी ने प्रतिक्रियाएं/सम्मतियां प्रकट की हैं, उससे भी उनका कृतित्व और व्यक्तित्व उजागर होता है:

प्राप्त प्रतिक्रियाओं/सम्मतियों पर एक नजर-

श्रीमती संतोष जैन (धर्मपत्नी)

श्रीमती संतोष जैन श्री बिजय कुमार जी की धर्मपत्नी हैं। विवाह को ४४ वर्ष पूरे हो चुके हैं। वैसे तो हर पत्नी को अपने पति से किसी न किसी प्रकार की शिकायत अवश्य रहती है, किन्तु अपवाद स्वरूप आप एक ऐसी महिला हैं जिन्हें अपने पति से कोई शिकायत नहीं है। श्रीमती संतोष जैन का कहना है कि वे एक अच्छे इंसान हैं। परिवार, समाज और देश सबके लिए आगे बढ़कर काम करते हैं। थोड़ी-बहुत नोक-झोंक हमारे बीच भले ही हो जाए किन्तु हम दोनों एक-दूसरे को भली प्रकार समझते हैं तथा कुछ ही देर में हम सामान्य हो जाते हैं। वे मेरी और मेरे परिवार के सभी सदस्यों की आवश्यकता का पूरा-पूरा ध्यान रखते हैं।

मुझे मंदिर जाना हो, तीर्थ यात्रा पर जाना हो, भ्रमण के लिए बाहर जाना हो, पूरा-पूरा सहयोग करते हैं। मेरी दोनों बेटियों और एक बेटे को पढ़ाने व उच्च शिक्षा दिलाने में उन्होंने पूरा ध्यान ही नहीं मार्गदर्शन भी दिया। अपने भाई-बहिनों का, अपनी माताजी का भी भरपूर ध्यान रखते हैं। माँ का तो इतना ध्यान रखते हैं कि उन्हें तनिक भी कष्ट इन्हें सहन नहीं होता। हर-दिन फोन करके माँ का (जो कि आज भी कोलकाता रहती हैं) मुंबई से कोलकाता में इस प्रकार ध्यान रखते हैं, जैसे वे अपनी माँ के साथ ही हों। अपनी माँ की आवश्यकताओं की अविलम्ब पूर्ति करते हैं। देश और समाज के कार्यों में भी दिन-रात लगे रहते हैं, जिस कार्य को हाथ में लेते हैं, उसे पूरा करके ही विश्राम करते हैं।

संक्षेप में वे घर-परिवार के लिए मित्रों के लिए, समाज के लिए, देश के लिए एक स्तम्भ की भांति है। उनका जीवन ही सभी को सहयोग देने तथा परोपकार के लिए ही ईश्वर ने सृजित किया है, ऐसी मेरी मान्यता है

प्रिया जैन (सुपुत्री)

श्री बिजय जैन की बड़ी सुपुत्री प्रिया ने साक्षात्कार में जानकारी दी कि मेरे पापा ने जीवन में सदैव संघर्ष किया, उनके जीवन में कई उतार-चढ़ाव आये और उन्हें समस्याएं विकराल रूप में देखने को मिली, किंतु उन्होंने हार नहीं मानी। उनकी दृढ़ मान्यता थी कि एक या दो हार जिंदगी नहीं होती, मनुष्य को अजेय बनने का प्रयास करना चाहिए। उनकी सोच सदा सकारात्मक रही। उन्होंने पसीने की स्याही से अपने इरादे लिखे और उन्होंने उसे पूरा किया। वे जटिल परिस्थितियों में भी कभी निराश नहीं हुए, कठोर परिश्रम उनके जीवन का ध्येय रहा। उनके हृदय में इस देश के लिए भी एक जज्बा है, जुनून है कि मैं इस देश के लिए कुछ करूं। 'भारत को 'भारत' ही बोला जाए' इंडिया नहीं, इस मुहिम को वे विगत १५ वर्षों से चला रहे हैं। जी-जान से इसमें जुटे हुए हैं। मुझे पूरा यकीन है कि वे इस पुनीत कार्य में अवश्य सफल होंगे। आवश्यकता होने पर वे लोगों की सदैव मदद को तैयार रहते हैं। उनमें हमने परोपकार की भावना को देखा और समझा है तथा मैंने भी अपने जीवन में उतारने की कोशिश की है, सही अर्थों में वे भाग्यशाली होते हैं जो दूसरों के आंसू पोछने में अग्रणी रहते हैं। मेरे पापा सदैव मेरे प्रेरक रहे हैं। आज मैं जिस मुकाम पर पहुँची हूँ उसमें मेरे पापा का बहुत बड़ा योगदान है।

पायल जैन (सुपुत्री)

पायल श्री बिजय कुमार जैन की दूसरी बिटिया है। उसने मुझे भेंट वार्ता में जानकारी दी कि मेरे पापा बाल्यकाल से ही मेरे प्रेरणास्त्रोत रहे हैं। वैसे तो बहुत सी बातें हैं जिन्होंने मेरे जीवन को प्रभावित किया है, किंतु पापा के जीवन की दो बातों ने मुझे सदैव प्रेरित किया और मेरे जीवन को एक नया मोड़ भी दिया। प्रथम बात यह है कि मेरे पापा अपने कार्य के प्रति अत्यंत समर्पित रहे हैं। उन्होंने आलस्यवश या व्यस्तता के कारण अपने कार्य को कल पर नहीं डाला। आज का काम आज और आज का काम अभी की नीति अपनाई। उनकी यह बात मेरे जहन में घर कर गई और मैं भी अपनी कामयाबी के लिए सदैव यही प्रयास करती हूं कि जो काम मेरे सामने है उसे पूरा करके ही विश्राम करुं, क्योंकि जो वक्त चला गया वह पुनः कभी लौट कर नहीं आता। दूसरी बात यह कि उन्होंने कभी भी अपनी इच्छा हम बच्चों पर थोपने की कोशिश नहीं की। वे सदैव यही कहते हैं कि जो तुम लोगों की इच्छा है, जिसमें तुम्हारी रुचि है, वैसा ही करो। इस कारण हमें अपने व्यक्तित्व के विकास का भरपूर अवसर मिला तथा परिजनों के बीच सामंजस्य और निकटता का वातावरण बना रहा। उन्होंने मेरे साथ एक बेटी से बढ़कर अच्छे

मित्र के रूप में व्यवहार किया तथा सदैव नेक सलाहकार की भूमिका का निर्वहन किया, परिणाम स्वरूप आज मैं अपने वैयक्तिक जीवन में बहुत सुखी हूँ। सदैव कुछ अच्छा करने की जिज्ञासा पापा की बदौलत मेरे जीवन में आ सकी है।

निहाल जैन (सुपुत्र)

निहाल जी श्री बिजय कुमार जैन के सुपुत्र हैं तथा वर्तमान में न्यूयॉर्क में अमेजॉन में एप्लाइड साइंस में कंप्यूटर इंजीनियर के पद पर कार्यरत हैं। निहाल जी ने वार्ता के दौरान मुझे जानकारी दी कि मेरे पिताजी अपने जीवन में बहुत ही मेहनती रहे हैं, अपने कार्य के प्रति सदैव समर्पित रहते हैं। उन्हीं से यह गुण मैंने सीखा तथा मैं भी बहुत मेहनत करता हूं, मेहनत के बलबूते पर आज मैं सफलता की सीढ़ियों को पार करने में कामयाब हो रहा हूं। मेरे पिताजी के जीवन में कभी-कभार कुछ भी ऊंचा-नीचा हो जाता हैं तो वे हताश नहीं होते, बहुत शीघ्र ही उस स्थिति से उभर जाते हैं तथा कुछ नया करने की सोच लेते हैं। उन्होंने सदैव आगे कदम दर कदम बढ़ाने की कोशिश की। वे यह मानते है कि जो बीत गया, सो बात गया। उन्होंने कभी भी पीछे मुड़कर नहीं देखा। मैं भी उनके नक्शे कदम पर चलने की कोशिश कर रहा हूं। वे मेरे जीवन के आदर्श एवं प्रेरणा स्रोत हैं। मेरे पिताजी हर समय किसी न किसी कार्य में व्यस्त रहते है, फिर भी बाल्यकाल में मुझे बहुत समय दिया, मेरी हर जरूरत को पूरा किया। प्रारंभ में हमारे घर की आर्थिक स्थिति सुदृढ नहीं थी, किंतु उन्होंने मुझे मुंबई के अच्छे स्कूल में पढ़ाया, वे सदैव मेरे सहयोगी रहे, बाधक कभी नहीं बनें। मेरी इच्छा अमेरिका में पढ़ने की थी तो उन्होंने इसके लिए ना नहीं किया। वे सदैव कहते कि जो तुम्हारी इच्छा हो पूरी करो, उन्होंने मुझे स्वायत्तता दी, जिससे मेरा स्वाभाविक विकास संभव हो सका। एक विशेष बात जिसे मैं यहां उल्लेखित करना चाहूंगा कि मेरी दादी मां कोलकाता रहती हैं और पिताजी मुंबई रहते हैं, अपनी अत्यधिक व्यस्तताओं के बावजूद वे दादी मां का बहुत ध्यान रखते हैं, उनकी हर सुख-सुविधा का ध्यान रखते हैं। पिताजी की भांति मैं भी अपनी मां का पूरा ध्यान रखूंगा, मेरे जीवन को आकार देने में मेरे पिताजी का अविस्मरणीय योगदान रहा, मैं सदैव उनका ऋणी रहूंगा।

श्री अमित जैन (अनुज)

श्री अमित जैन श्री बिजय कुमार जी के लघु भ्राता हैं। उन्होंने मेरे साथ साक्षात्कार में जानकारी दी कि हम राजस्थान में मारोठ, कुचामन सिटी के मूल निवासी है। मेरे बड़े भाई बिजय जी के साथ ही हमारी पढ़ाई-लिखाई कोलकाता में हुई। कालांतर में काम के सिलसिले में दोनों भाई मुंबई आ गए तथा विगत कई वर्षों से मुंबई में ही निवास कर रहे हैं। श्री बिजय जी ने अपने जीवन में कई बड़े-बड़े काम किए हैं जिसकी हमें बड़ी खुशी है। वर्तमान में 'जिनागम', 'मेरा राजस्थान' और 'मैं भारत हूं' पत्रिका के

साथ-साथ ईस्ट-वेस्ट 'अंधेरी टाइम्स' का भी प्रकाशन कर रहे हैं। सामाजिक सेवा कार्यों में भी काफी अग्रणी हैं। सकल जैन समाज में भी उनकी बहुत प्रतिष्ठा हैं। वे अत्यंत मिलनसार व्यक्ति हैं। हमारे पिताजी नहीं है, भाई साहब ने हमारी माताजी और हमारी बहन और हमारे परिवार की देखभाल बहुत अच्छे तरीके से की है, उनके अच्छे कार्यों की वजह से हम उन्हें बहुत सम्मान की दृष्टि से देखते हैं।

बेला जैन (बहन)

श्री बिजय जैन की बहन बेला जी ने साक्षात्कार में बताया कि मेरे पापा नहीं है, बिजय जी मेरे बड़े भाई ही नहीं पापा की जगह है। जब भी मुझे कोई तकलीफ होती है, वे तुरंत आकर खड़े हो जाते हैं, ढाढस बंधाते हैं कि मैं हूं ना, चिंता की कोई बात नहीं। मेरी माँ कोलकाता रहती है, भैया प्रतिदिन माँ से बात करते रहते हैं, माँ को जरा सी भी तकलीफ होती है तुरंत विमान पकड़कर मुंबई से कोलकाता माँ के पास पहुंच जाते हैं। केवल मां और बहन का ही नहीं, वे हमारे परिवार के सभी सदस्यों का पूरा-पूरा ध्यान रखते हैं। उनकी ओर से हम सबको बड़ा सहारा है, भगवान करे सभी को ऐसा अच्छा भाई मिले। मैं तो भगवान से यही प्रार्थना करती हूं कि अगले जन्म में भी मुझे ऐसा ही भाई मिले, भाभी भी बहुत अच्छी हैं।

मेरे भैया बहुत अच्छे इंसान भी हैं। 'भारत को 'भारत' ही बोला जाए' अभियान उन्होंने कई वर्षों से चला रखा है, अभियान की सफलता के लिए उनकी दिल्ली भागम-भाग बनी रहती है, कभी-कभी भाभी भी उनसे नाराज हो जाती हैं, किंतु वे देश के काम में पूरे मनोयोग से लगे हुए हैं, देश के लिए उन्होंने दिन-रात एक कर दिया। बिजय जी बड़े मेहनती, ईमानदार, कर्मठ समाजसेवी तथा हर विषय में अच्छे हैं, इंसानियत का जज्बा उनमें कूट-कूट कर भरा हुआ है।

श्री राहुल जैन (दामाद)

श्री राहुल जैन श्री बिजय कुमार जी जैन के दामाद हैं। श्री राहुल जी ने अपने ससुर के बारे में साक्षात्कार के बीच यह जानकारी दी कि वे अत्यंत सहज और सेवाभावी इंसान हैं। कठोर मेहनत करना, उनके जीवन का अभिन्न हिस्सा है। वे जिस कार्य को हाथ में लेते हैं, उसे पूरा किए बिना नहीं छोड़ते। मैंने उनके चेहरे पर कभी भी हताशा या निराशा का भाव नहीं देखा। पराजित होकर मैदान छोड़ देना उनको कदापि मंजूर नहीं है। वे सदैव कुछ नया करने की सोचते रहते हैं। देश प्रेम का जज्बा भी उनमें देखने को मिलता है। वर्तमान में 'भारत को 'भारत' बोला जाए' मुहिम में राष्ट्रीय स्तर पर कार्य कर रहे हैं और अब ऐसा लगने लगा है कि उनका यह अभियान सफल होगा। वे लोगों की भलाई करने का कार्य भी बराबर करते रहते हैं। जैन समाज की एकता के लिए भी वे सदैव प्रयत्नशील रहे हैं। मुझे गर्व है कि मुझे जीवन में ऐसे ससुर मिले जो मुझे पुत्र के समान प्यार करते हैं।

श्रीमती शोभा सादानी (कोलकाता)

श्रीमती शोभा सादानी वर्तमान में 'मैं भारत हूँ फाउंडेशन' की राष्ट्रीय महामंत्री हैं। श्री बिजय जी के साथ 'भारत को 'भारत' बोला जाए' मुहिम में राष्ट्रीय स्तर पर जुड़ी हुई हैं। पूर्व में आप अखिल भारतीय माहेश्वरी महिला संगठन की राष्ट्रीय अध्यक्ष रह चुकी हैं। आप एक विदुषी और सामाजिक क्षेत्र में सक्रिय रूप से भागीदारी निभाने वाली सशक्त महिला हैं।

आपने मुझे भेंट वार्ता में जानकारी दी कि श्री बिजय जी अत्यंत सहज, सरल व्यक्तित्व के इंसान हैं। उनमें ऊर्जा, उमंग और झुझारूपन भरपूर है। वे किसी भी काम को पकड़ते हैं उसे पूरा करके ही दम लेते हैं। उनकी नेतृत्व क्षमता निराली है और काम करने का अंदाज भी बहुत अलग है। उनके वैयक्तिक गुणों के कारण ही 'जीरो से हीरो' बन सके हैं। इस युग में मासिक तीन-तीन पत्रिकाओं- जिनागम, मैं भारत हूं और मेरा राजस्थान को चला पाना, उनका संपादन करना, आसान खेल नहीं है, किंतु वे कर रहे हैं।

श्रीमती शोभा जी ने बताया कि जब मैं अखिल भारतीय माहेश्वरी महिला संगठन की राष्ट्रीय अध्यक्ष पद से निवृत्ति हुई, तब मैं भारत हूं फाउंडेशन से जुड़ी और विगत ७-८ वर्षों से इस संगठन में सक्रिय रूप से कार्य कर रही हूं। श्री बिजय जी के साथ इस संगठन में कार्य करते हुए उनके कृतित्व और व्यक्तित्व को निकटता से परखने का अवसर मिला। वे स्वयं जिस कार्य को हाथ में लेते हैं, उसे पूरा किए बिना विश्राम नहीं लेते। वे पीछे मुड़कर नहीं देखते, हार नहीं मानते, निराश नहीं होते, उनका उत्साह गजब का है। वे अत्यंत नेकदिल इंसान हैं। बहुत से लोगों ने उनकी भल मंसाहत का भी लाभ उठाया हैं किंतु वे अपनी सदाशयता का त्याग नहीं करते। मैं श्री बिजय जी को उनके अभियान की सफलता के लिए शुभकामनाएं प्रेषित करती हूं। मुझे पूर्ण विश्वास है कि 'भारत को 'भारत' ही बोला जाए' इंडिया नहीं उनका सपना शीघ्र मूर्त रूप लेगा। जय भारत!

श्रीमती निशा लड्ढा (कोलकाता)

श्रीमती निशा लड्ढा वर्तमान में 'मैं भारत हूँ फाउंडेशन' की राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष हैं। एक शख्सियत, जिसने समाज में जागरूकता लाई, समाज को एक नई राह दिखाई, खुद शुरुआत की और दूसरों को भी प्रेरित किया, आपका मानना है कि बिना मेहनत के हासिल तख्तो-ताज़ नहीं मिलते,

ढूंढ ही लेते हैं अंधेरों में अपनी मंजिलें, जुगनू कभी रोशनी के मोहताज नहीं होते।

ऐसी ही चमकती जुगनू सी शख्सियत हैं 'मैं भारत हूं फाउंडेशन' के कर्ता-धर्ता एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष मुंबई निवासी श्री बिजय जी जैन। आप विगत ४० वर्षों से हिंदी पत्रकारिता के माध्यम से देश, धर्म एवं समाज और राजनीति की सेवा में समर्पित हैं। आप वर्तमान में तीन पत्रिकाओं का संपादन भी कर रहे हैं। आपने अपनी विशिष्ट पहचान वरिष्ठ पत्रकार एवं संपादक के रूप में बनाई

है। आपका मानना है कि हमारे महान राष्ट्र का गौरव, अस्तित्व, परंपराएं एवं वैश्विक समरसता सिर्फ और सिर्फ 'भारत' नाम में ही प्रतिबिंबित होती है। आपके लिए समाज कल्याण सर्वोपरि है। समाज से राष्ट्र तक विरले ही पहुंच पाते हैं, तभी तो लाखों की भीड़ में अपनी एक अलग छवि बना पाते हैं। आपके विश्वास एवं सैद्धान्तिक विचारों ने 'मैं भारत हूं फाउंडेशन' को नया दृष्टिकोण दिखाया, आपके विचार एवं भावनाएं उच्च कोटि के राष्ट्रप्रेम को भी दर्शाती है। आज आपका अभियान एक ही है कि हमारे देश का नाम 'एक' ही रहना चाहिए केवल 'भारत'।

आपने अपने वक्तव्य में हमेशा कहा है कि जब किसी इंसान के नाम संवैधानिक दो नहीं हो सकते तो हमारे देश के नाम दो क्यों 'भारत और इंडिया'?

सुनकर कर दे अनसुना आपकी ऐसी आवाज़ नहीं
मिलकर भूल जाए कोई ऐसे आपके अल्फाज़ नहीं
किसी महफ़िल में छुप जाए ऐसे आपके अंदाज़ नहीं
सूरज से दमकते हैं आप, किसी परिचय के मोहताज़ नहीं

संपूर्ण भारतवासियों के दिल में 'जय भारत' की गूंज होनी चाहिए, इसी गूंज को जागृत करने के लिए बिजय जी जैन ने लगाया है पूरा जोर,
बनाना है इस दुनिया में 'भारत' को सिरमौर।
इरादा हर भारतीय का जो करे देश से प्यार,
बिजय जी जैन को विश्वास है
होगी 'मैं भारत हूं फाउंडेशन' की नई भोर।

श्री रवि जैन (मुंबई)

श्री रवि जैन, पार्श्वगायक, संगीतकार एवं भारतीय फिल्म उद्योग में कार्यरत हैं। आपश्री ने साक्षात्कार के दौरान जानकारी दी कि श्री बिजय जैन के साथ कई वर्षों पूर्व 'आपणों राजस्थान' कार्यक्रम के माध्यम से जुड़ाव हुआ और धीरे-धीरे प्रगाढ़ मैत्रीपूर्ण सम्बन्ध स्थापित हो गए। आज तो वे मेरे बड़े भाई और पिता तुल्य हैं।

उनके सम्बन्ध में कहना चाहूंगा-
'नाम बिजय जो विजय पथ पर चल पड़े हैं,
श्री बिजय जैन गुण रत्नों की खान हैं।'

हमारा एक-दूसरे के प्रति समर्पण भाव है, आत्मीय जुड़ाव है।

'आपणों राजस्थान' कार्यक्रम सफलतापूर्वक आयोजित करने के बाद तो एक-के-बाद एक लगातार अनेक कार्यक्रम श्री बिजय जी के साथ मैंने किए जिसमें 'जैन एकता' को लेकर भी ऐतिहासिक कार्यक्रम आयोजित किया गया।

श्री बिजय जैन का संकल्प है कि 'भारत को 'भारत' बोला जाए', इण्डिया नहीं, अपने आपमें बहुत

महत्वपूर्ण है। मैं सोचता हूँ कि यह केवल मात्र श्री बिजय जी का नहीं बल्कि हर भारतीय का कर्त्तव्य है कि वे इस संकल्प से जुड़ें। मैं भी उनके इस संकल्प के साथ तहेदिल से जुड़ गया तथा वर्तमान में 'मैं भारत हूँ फाउंडेशन' का राष्ट्रीय सांस्कृतिक मंत्री मनोनीत किया गया हूँ। इसका पहला गीत मेरे द्वारा ही रचित किया गया, इस अभियान में मैंने लता मंगेशकर (स्व.), रविन्द्र जैन (स्व.) अनूप जलोटा, मनोज कुमार, हास्य कलाकार राजू श्रीवास्तव आदि अनेक नाम चिन्ह विभूतियों को जोड़ा, अपनी बात उनके सामने रखी, उन्होंने इसे सराहा तथा उन्होंने इसके समर्थन में अपनी बात कहीं। दिल्ली में हमने एक विशाल क्रान्तिकारी आन्दोलन 'अगस्त क्रान्ति' आयोजित किया तथा लोकसभा अध्यक्ष माननीय ओम बिरला, भारत की महामहिम राष्ट्रपति, माननीय प्रधानमंत्री तक अपनी बात पहुंचाई कि भारत को 'इण्डिया' कहना हमारी गुलामी का प्रतीक है। राष्ट्रीय अस्मिता एवं भारतीय संस्कृति को दृष्टिगत रखते हुए हमारे देश को केवल 'भारत' नाम से सम्बोधित किया जाना चाहिए। मुझे कहते हुए हर्ष है कि आज माननीय प्रधानमंत्री और महामहिम राष्ट्रपति 'भारत' को केवल 'भारत' नाम से सम्बोधित किया जाए के पक्षधर बन गए हैं। वह दिन दूर नहीं जब भारतीय संविधान में वांछित संशोधन किया जाए ताकि इस देश को 'भारत' नाम से सम्बोधित किया जाएगा।

मैं पूर्ण विश्वास के साथ कहना चाहता हूँ कि श्री बिजय जैन जो भी संकल्प करते हैं, उसे पूरा करने की उनमें दृढ़ इच्छा शक्ति रहती है। वे जो कुछ भी करना चाहते है, मुझसे भी सलाह मशविरा करते रहते हैं।

कोविड काल में भी उन्होंने जूम मिटिंग (विडियो) के माध्यम से 'भारत' को भारत ही बोला जाए, अभियान को आगे बढाया। मुझे अत्यन्त हर्ष है कि 'मैं भारत हूँ फाउण्डेशन' के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री बिजय जैन के साथ मैं भी कन्धे से कन्धा लगाकर जुड़ा हुआ हूँ और एक संकल्प के साथ मातृभूमि की सेवा में रत हूँ। जय भारत!

श्री पन्नालाल डागा (कोलकाता)

श्री पन्नालाल डागा, श्री बिजय कुमार जैन से विगत् पैतालिस वर्षों से चिर-परिचित हैं। वे कॉलेज की पढ़ाई के समय से उनके साथ अध्ययनरत थे। उसके बाद श्री जैन के साथ उन्होंने व्यापार में भी साथ दिया था। इसी संदर्भ में श्री डागा ने बताया कि श्री बिजय कुमार बहुत ही मेहनती और ईमानदार व्यक्ति हैं। मैं उनकी दुकान का कार्यभार देखता था। सारी पूँजी बिजय कुमार जैन ने लगायी थी। वे महीने में लगभग २०-२२ दिन आस-पास के क्षेत्रों तथा देश के अन्य भागों में अपने व्यवसाय के सिलसिले में यात्रा पर रहते थे। आर्डर लाते थे। उनमें अपने काम के प्रति बहुत लगन थी। मुझे लाभ का ५० प्रतिशत भागीदारी के रूप में देते थे। हिसाब में कभी भी गड़बड़ी नहीं की। मुझे मित्र और भाई दोनों स्वरूप में उनका प्यार मिला। मैंने यह भी देखा कि वे अपनी माँ का बहुत ध्यान रखते हैं। लोगों का भला करने के लिए भी वे सदैव तत्पर रहते हैं। एक ही लाईन में

अपनी बात कहूँ तो श्री बिजय कुमार जैन एक नेकदिल इंसान हैं। जय भारत!

श्री अशोक जैन (कोलकाता)

श्री अशोक जैन श्री बिजय कुमार जी को निकट से जानते हैं। श्री जैन ने श्री बिजयजी के बारे में बताया कि वे बचपन से ही बहुत मेहनती रहे हैं। उन्होंने कोलकाता में इलेक्ट्रोनिक्स का काम किया। कैसेट का व्यवसाय किया। रिकार्ड एलबम का निर्माण किया। स्थान-स्थान पर घूम-घूमकर अपने व्यवसाय को बड़ी मेहनत से आगे बढ़ाया। अपने साथ-साथ अपने भाइयों को, अपने परिवार को भी आगे बढ़ाया। वे एक भले इंसान हैं तथा सभी के साथ सद्व्यवहार रखते हैं।

उन्होंने परोपकार के कार्यों में भी बहुत समय दिया। गरीबों और असहायों की मदद में सदैव अग्रणी रहे। जैन समाज में भी उन्होंने अच्छा काम करके प्रतिष्ठा अर्जित की। मुझे कहते हुए बड़ी खुशी है कि उन्होंने मेहनत के बल पर अपने आपको प्रतिष्ठित किया। ऐसे व्यक्ति पर देश और समाज को गर्व है। (रिश्ते में भाई भी हैं) जय भारत!

श्री पदम जैन (कोलकाता)

श्री पदम जैन श्री बिजय कुमार जैन के बचपन के साथी हैं। बचपन में साथ खेले-कूदे, खूब पतंगबाजी की। जन्माष्टमी के त्योहार पर पूरी रात साथ रहकर धूम-धाम के साथ जन्माष्टमी का त्योहार मनाते, आनंद लेते थे। साथ में लम्बे समय तक क्रिकेट भी खेले। स्कूल में भी सभी प्रकार की गतिविधियों में भी बिजय कुमार बढ़-चढ़कर भाग लेते थे।

श्री जैन के चार भाई थे। उन्होंने बड़ी मेहनत करके अपने सभी भाइयों को आगे बढ़ाया। बहिन की शादी में भी पूर्ण आर्थिक सहयोग दिया। विवाह के बाद श्री जैन मुंबई चले गए। माँ कोलकाता में रहती हैं, किन्तु मुंबई में रहते हुए भी वे अपनी माँ का बहुत ध्यान रखते हैं, उनकी सुख-सुविधाओं में किसी प्रकार की कमी नहीं आने देते। अपने मित्रों का भी पूरा ध्यान रखते हैं। आवश्यकता होने पर उनका भरपूर सहयोग करते हैं। श्री जैन में दिखावा नहीं है। वे समाजसेवा कार्यों में सदैव अग्रणी रहे हैं। हमें ऐसे मित्र पर नाज है। उनके बारे में मैं कहना चाहूंगा-

रिश्ते कभी जिन्दगी के साथ-साथ नहीं चलते।
रिश्ते एक बार बनते हैं, फिर जिन्दगी रिश्तों के साथ-साथ चलती है।
जो इंसान खुद के लिए जीता है, उसका एक दिन मरण होता है,
पर जो इंसान दूसरों के लिए जीता है, उसका सदैव संस्मरण रहता है।

हम श्री बिजय जी को किसी-न-किसी प्रसंगवश हफ्ते दस दिन में अवश्य स्मरण कर लेते हैं। जय भारत!

जेठालाल धनजी भाई सुथार उर्फ मुरलीभाई (मुंबई)

श्री जेठालाल धनजी भाई उर्फ मुरलीभाई आशीष केबल डिस्ट्रीब्यूटर के मालिक है तथा जे.बी.नगर अंधेरी में श्री बिजय जैन के निकट ही रहते हैं। श्री मुरली भाई से जब श्री बिजय जैन के बारे में बात की गई तो उन्होंने बताया कि १९८४ से १९८७ तक मैं विडियो कैसेट का डिस्ट्रीब्यूर था तथा श्री बिजय जैन विडियो कैसेट की लाइब्रेरी के मालिक थे। इस कारण हमारा बहुत निकटतम सम्बन्ध रहा। श्री बिजय जैन ने विडियो कैसेट वालों की एक एसोसिएशन भी बनायी। इस एसोसिएशन के माध्यम से विडियो कम्पनी वालों के मनमानी दरों पर अंकुश लगवाया, विडियो कैसेट लाइब्रेरी वालों के हितों की रक्षा की। उन्होंने इस क्षेत्र में बहुत अच्छा काम किया। वे हमारे मार्गदर्शन और अग्रणी नेता थे। उनका हमें बड़ा सहारा था। वे अन्याय का प्रतिकार करने और उचित अधिकार दिलाने में सदैव आगे रहे। कभी भी धमकियों से नहीं हारे। किसी प्रकार के प्रलोभन में नहीं आए। उन्होंने 'अंधेरी टाईम्स' अखबार के माध्यम से भी अच्छा काम किया, जन लोकप्रियता प्राप्त की। समय की गति के साथ-साथ वे आगे बढते गए। अब वे पत्रकारिता तथा समाज सेवा कार्यों में रत हैं। अब भी वे देश और समाज के लिए अच्छा कार्य कर रहे हैं। गरीबों और असहायों की सेवा में सदैव लगे रहते हैं। कुल मिलाकर बहुत सी मधुर यादें जुड़ी हुई हैं। भगवान ऐसे मित्र सभी को दें, हमें बड़ा गर्व है कि बिजय जी हमारे दोस्त हैं तथा पत्रकारिता के क्षेत्र में कार्यरत रहते हुए देश सेवा में भी बढ़-चढ़कर कार्य कर रहे हैं, ईश्वर उन्हें दीर्घायु रखे। जय भारत!

डॉ. जगन्नाथ श्यामराव चव्हाण (मुंबई)

डॉ. जगन्नाथ श्यामराव चव्हाण मुम्बई में मेडिकल प्रेक्टीशनर है। लगभग २५ वर्षों से श्री बिजय कुमार जैन के निकट सम्पर्क में हैं।

जब डॉ. चव्हाण से श्री बिजयजी के बारे में जानकारी चाही तो उन्होंने बताया कि श्री जैन के साथ मैं राष्ट्रवादी काँग्रेस पार्टी, मुंबई में उनके साथ सक्रिय कार्यकर्ता के रूप में जुड़ा हुआ था। श्री जैन बहुत ही अच्छे सामाजिक कार्यकर्ता और संगठक हैं। बहुत वर्षों पूर्व मुंबई स्थित हवाई अड्डे के निकट सहार गांव में झोपड़पट्टियां थी, वहां झोपड़पट्टी में रहने वाले लगभग ४-५ हजार परिवारों के पुनर्वास के लिए श्री जैन ने एक जबरदस्त आंदोलन चलाया, बड़ी कामयाबी मिली तथा गरीब असहायों को अच्छे रहवास उपलब्ध कराए गए।

उन्होंने बताया कि श्री जैन 'मैं भारत हूँ' पत्रिका द्वारा भारत की एकता, अखण्डता और भारत माता की अस्मिता की रक्षा के लिए जबरदस्त कार्य कर रहे हैं, इतना ही नहीं वे विगत २५-३० वर्षों से 'हिंदी' को राष्ट्रभाषा का दर्ज़ा दिलाने के लिए सतत प्रयत्नशील हैं तथा इस हेतु उन्होंने

राष्ट्रव्यापी मुहिम छेड़ रखी है।

इतना ही नहीं उन्होंने 'अंधेरी टाईम्स' के माध्यम से अंधेरी की समस्याओं को उजागर किया तथा उनके समाधान हेतु प्रयास किए, जिसे बड़ी सीमा तक सफलता भी मिली, उनकी लोकप्रियता भी बढी, वे आज गेलॉर्ड पब्लिकेशन्स के अन्तर्गत अंधेरी टाईम्स, मेरा राजस्थान, मैं भारत हूँ, जिनागम आदि पत्र-पत्रिकाओं के माध्यम से 'भारत' के नाम के सम्मान का प्रयास कर रहे हैं। आज देश को ऐसे ही कर्मठ लोगों की अवश्यकता है, ईश्वर उन्हें स्वस्थ एवं शतायु बनाए। जय भारत!

अनुपमा शर्मा (दाधीच) मुंबई

मुंबई के राजस्थानी परिवार में जन्मी, शिक्षा के साथ-साथ मुंबई की कई पत्र-पत्रिकाओं में आपके लेख प्रकाशित हुए हैं। विगत ३० वर्षों से मुंबई के गेलॉर्ड पब्लिकेशन्स से प्रकाशित तीन पत्रिकाओं- जिनागम, मेरा राजस्थान, मैं भारत हूँ पत्रिका में कार्यकारी संपादक के पद पर रहते हुए, मुंबई में राजस्थानी माटी से जुड़े हुए प्रवासियों को एकत्रित कर ४ बार 'आपणों राजस्थान' कार्यक्रम का भव्य संयोजन किया। 'मैं भारत हूँ' पत्रिका के माध्यम से विगत १४ वर्षों से भारत को 'भारत' ही बोला जाए ना कि इंडिया, अभियान को भारत के कोने-कोने की आवाज बनाने के लिए मैं भारत हूँ फाउंडेशन जिसके राष्ट्रीय अध्यक्ष बिजय कुमार जैन के साथ मिलकर कई कार्यक्रमों का सफल आयोजन किया। आज 'भारत को 'भारत' ही बोला जाए' अभियान सफलता की ओर अग्रसर है। बहुत शीघ्र ही माननीय बिजय जी का सपना सच होगा। जय भारत!

व्यक्ति जो कुछ अपने मुंह से बोलता है, उससे भी महत्वपूर्ण उसके कार्य कलाप होते हैं जो अनकहे ही उसके कृतित्व और व्यक्तित्व को उजागर कर देते हैं। सही कहा गया है-

‘Your Actions Are Much Louder Than Your Words’

आईये, देखते हैं-सार्वजनिक क्षेत्र में श्री बिजय कुमार जैन द्वारा निष्पादित विविध कार्यों की झलक चित्रों के माध्यम से

बिजय की विजय यात्रा

राजस्थानी भाषा मान्यता यात्रा २०१५

जे.बी.नगर, अंधेरी पूर्व स्थित स्वामी लक्ष्मीनारायण मंदिर में
भाषा मान्यता के लिए यज्ञ का आयोजन 11 पंडितों द्वारा

यात्रा के आयोजक बिजय कुमार जैन व नितीन पुजारी

बिजय कुमार जैन द्वारा
भारतीय भाषा अपनाओ अभियान के लिये ली गयी सभाएं

पहली सभा

दूसरीसभा

तीसरी सभा

चौथी सभा

'हिन्दी को मिले राष्ट्रभाषा का सम्मान' संगोष्ठी लखनऊ में संपन्न

पांचवीं सभा

हिन्दी को राष्ट्रभाषा की संवैधानिक मान्यता दिलाने हेतु शनिवार, 17 सितम्बर 2016 को कलकत्ता में आयोजित एक बैठक में प्रेस क्लब के अध्यक्ष देवाशीष भट्टाचार्य, वरिष्ठ पत्रकार एवं हिन्दी वेलफेयर ट्रस्ट के अध्यक्ष बिजय कुमार जैन, कलकत्ता विश्वविद्यालय के प्रो. डॉ. अमरनाथ, छपते-छपते के सम्पादक विश्वम्भर नेवर एवं पूर्व संवाददाता सीताराम अग्रवाल

छठवीं सभा

नयी दिल्ली

दीपाली जैन, महेशचंद्र शर्मा, पानाचंद जैन के साथ बिजय कुमार जैन

डॉ. वेद प्रताप वैदिक के साथ मै भारत हूँ के सम्पादक बिजय कुमार जैन

सातवीं सभा भोपाल

तारिख ज़फर, बृज किशोर कुठियाल, बिजय कुमार जैन, डॉ. वेद प्रताप वैदिक व पवन तिवारी

दिगम्बराचार्य विद्यासागर जी से आदेश सुनते हुए डॉ. वेद प्रताप वैदिक, बिजय कुमार जैन के साथ भाषा प्रेमी

आठवीं सभा हैदराबाद

नवीं सभा चैन्नई

तमिलनाडु हिंदी साहित्य अकादमी
भारती इळैञर् संघ
आथर्स गिल्ड आफ़ इंडिया
11 दिसंबर 2016

भारती इळैञर् संघ
आथर्स गिल्ड आफ़ इंडिया
तमिल राष्ट्रीय महाकवि सुब्रमण्य भारतियार जन्मदिवस
भारतीय मातृभाषा अपनाओ
11 दिसंबर 2016
हिंदी को राष्ट्रभाषा बनाओ
चेन्नई की सहभागी संस्थाएँ : राजस्थान एसोसिएशन, जैन संघ, तेरापंथ महिला मंडल, पंजाब एसोसिएशन,
उत्तर प्रदेश एसोसिएशन, बिहार एसोसिएशन, ब्रह्मवृक्षण, राम भक्त महिला मंडली, वैष्णवी सेवा समिति, श्रीकृष्ण प्रणामी संस्था

दसवीं सभा भुवनेश्वर

ग्यारहवीं सभा

बारहवीं सभा

तेरहवीं सभा

४ मार्च २०१७ बगड़का कॉलेज मुंबई

चौदहवीं सभा

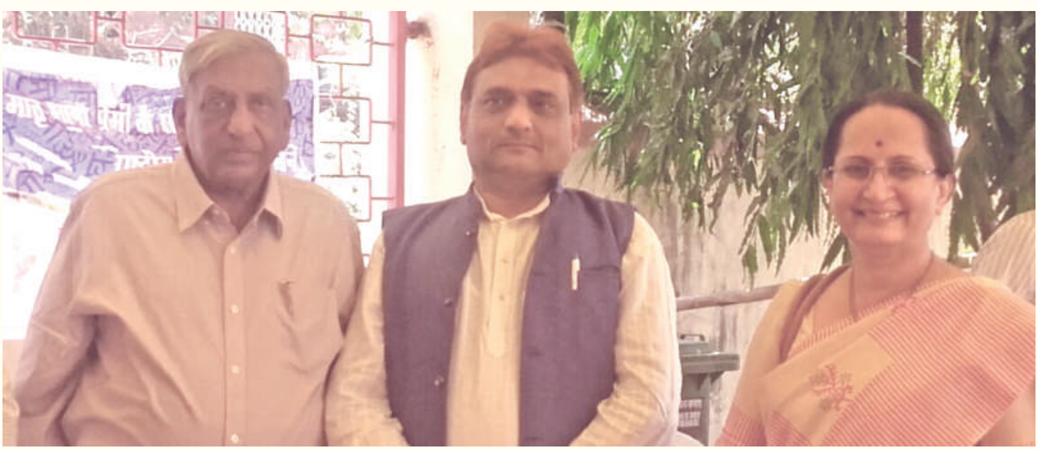

पंद्रहवीं सभा

सोलहवीं सभा

५ दिवसीय भारतीय भाषायी संवर्धन पुस्तक मेला, २४ भारतीय भाषाओं के साथ
२६ सितंबर २०१७ से ३०सितंबर २०१७ तक

उद्घाटक सुश्री मृदुला सिन्हा राज्यपाल गोवा राज्य

गोवा राज्य के राज्यपाल सुश्री मृदुला सिन्हा

भाषायी संवर्धन कार्यों की विस्तृत झलकियाँ

KHADI AND GRAMODYOG AYOG MUMBAI

२६-३० सितम्बर
हिन्दी

पानी वाली बाई के नाम से सम्मानित सुश्री अमला रुईया

बिजय कुमार जैन ने समस्त भारतीय भाषाओं को एकमंच पर प्रस्तुत किया

अंतर्राष्ट्रीय भाषा दिवस १०-११ जनवरी २०१९

पाली

उर्दू सेवी

असमिया सेवी

सिंधी सेवी

मराठी सेवी
भारतीय

भारतीय भाषा सम्मान यात्रा पर निकले भाषायी सैनिकों का भव्य स्वागत

२५ दिसम्बर २०१८ से ६ जनवरी २०१९ तक

कलीकट, कोझीकोड
२८ दिसंबर २०१८

सातारा
महाराष्ट्र

कुमटा

कोयंबटूर

मैंगलुरू

बेलगाम

श्री बाहुबली विद्यापीठातर्फे संचालित
कर्नाटक, निपानी

नागपुर

हैदराबाद

नरसिंहपुर

चैन्नई

ललीतपुर
०२ जनवरी २०१९
भारतीय भाषा अपनाओ अभियान
दिगम्बराचार्य विद्यासागर जी को ज्ञापन देते हुए

नई दिल्ली
०४ जनवरी २०१९

ग्वालियर
०३ जनवरी २०१९

हिंदी को कब मिलेगा राष्ट्रभाषा का सम्मान

चिंतित हिंदी सेवी बिजय कुमार जैन, नंदकिशोर नौटियाल (स्व), कानबिहारी अग्रवाल, एम.एल.गुप्ता, मुंबई में

भारतीय भाषा सम्मान यात्रा

३० दिसंबर को सभी ग्वालियर से आगरा पहुंचे

३० दिसंबर को सभी आचार्य श्री विद्यासागर जी के दर्शन कर ललितपुर से ग्वालियर पहुँचे

१ जनवरी २०१९ को सभी दिल्ली से जयपुर पहुंचे

छपते-छपते

पहले मातृभाषा (हिंदी) फिर राष्ट्रभाषा

भारतीय भाषा सम्मान यात्रा

आज हम सभी मुंबई विद्यापीठ में पहुंचे वहां, हिंदी भाषा के अध्यक्ष प्रो. करुणा शंकर जी उपाध्याय से मुलाकात हुई उन्होंने मुंबई विद्यापीठ के सभी छात्रों को बुलाया और उनसे कहा कि जिस प्रकार महात्मा गांधी ने आजादी की लड़ाई लड़ी है उसी प्रकार बिजय कुमार जी हिंदी भाषा को सम्मान दिलाने के लिए भारत की पूर्ण आजादी के लिए लड़ाई लड़ रहे हैं तुम लोगों को चाहिए कि यदि इसमें शामिल होना है तो तुम लोग 25 दिसंबर को अपने परिवार से संपर्क कर अनुमति लेकर यात्रा में शामिल होवें, बस इतना ही कह सकता हूं यह लड़ाई भारत की पूर्ण आजादी की है बस शामिल होने के लिए सुश्री अनुपमा शर्मा से भ्रमणध्वनि क्र. 9702205252 जी से जल्द से जल्द संपर्क करो, हम सभी प्रो.करुणा शंकर जी को धन्यवाद देकर प्रस्थान कर लिए। मेरे साथ प्रोफेसर मंडोत, विरू जैन, आकाश कुम्भार व सुश्री अनुपमा शर्मा जी थी।

जय भारत - जय भारतीय संस्कृति

बिजय कुमार जैन 'हिंदी सेवी' - 9322307908

भारतीय भाषा अपनाओ अभियान 'हिंदी' बने राष्ट्रभाषा ये हे हमारा आव्हान

दिल्ली में भारतीय भाषा सम्मान यात्रा का हुआ समापन ४ जनवरी २०१९ को

६ जनवरी २०१९ को जयपुर से भीलवाड़ा पहुंचे

भाषा सिपाही भीलवाड़ा से बांसवाड़ा पहुंचे
आम सभा हुयी ६ जनवरी २०१९ को बांसवाड़ा में

सूरत में भी भारतीय भाषा सम्मान यात्री ६ जनवरी २०१९ को

सूरत से मुंबई पहुंचे ६ जनवरी २०१९ रात्रि ९.३० बजे
सफलतम यात्रा की संपन्नता पर हुआ सम्मान

भारतीय भाषा सम्मान यात्रा के बारे में समाचार जगत ने यह लिखा

पत्रिका 4 जनवरी 2019

दिल्ली में राष्ट्रपति व प्रधानमंत्री को देंगे ज्ञापन

इंडिया नहीं, भारत कहने की मांग को लेकर मुंबई से आई यात्रा

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

ग्वालियर. जैन समाज का एक समूह मुंबई से चलकर गुरुवार को ग्वालियर आया। यात्रा में शामिल सदस्यों का स्वागत माधव डिस्पेंसरी के पास स्थित जैन छात्रावास पर किया गया।

यात्रा के प्रमुख विजय कुमार जैन ने इस दौरान कहा कि हम लोग राष्ट्रपति एवं प्रधानमंत्री को दिल्ली पहुंचकर ज्ञापन देंगे। हमारी मांग है देश की राष्ट्रभाषा हिंदी हो और इंडिया न कहकर भारत कहा जाए। यह यात्रा आगरा होकर 4 जनवरी को दिल्ली पहुंचेगी। उन्होंने बताया कि दिल्ली में राष्ट्रपति एवं प्रधानमंत्री को ज्ञापन देंगे। इस अवसर पर जैन छात्रावास के सचिव मुकेश जैन, जैन मिलन के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष बालचन्द्र जैन, जैन मिलन के अध्यक्ष अमित जैन, स्वर्ण जैन मंदिर के अध्यक्ष निर्मल कुमार पाटनी, रमेशचन्द्र जैन, संजीव अजमेरा आदि मौजूद थे।

ललित जैन "भारती" (प्रवक्ता जैन समाज ग्वालियर)

भारतीय भाषा सम्मान यात्रा के आयोजन के बारे में पत्रकार-वार्ता में जानकारी देते हुए डॉ. कल्याण गंगवाल और रमेश ओसवाल.

हिंदी को राष्ट्रभाषा का दर्जा दिलाने आज भारतीय भाषा सम्मान यात्रा निकलेगी

अभियान के मुख्य संगठक डॉ. कल्याण गंगवाल और रमेश ओसवाल ने पत्रकार-वार्ता में जानकारी दी

पुणे, 24 दिसंबर (आ.प्र.)
हिंदी को संवैधानिक रूप से राष्ट्र भाषा के तौर पर घोषित करने के लिए भारतीय सम्मान यात्रा का आयोजन किया गया है. 25 दिसंबर से 4 जनवरी तक यह यात्रा निकाली जाएगी. पुणे में इस अभियान के मुख्य संगठक डॉ. कल्याण गंगवाल और रमेश ओसवाल ने पत्रकार-वार्ता में यह जानकारी दी.

उन्होंने कहा कि हिंदी को संवैधानिक राष्ट्रीय भाषा के तौर पर घोषित करने के साथ ही इंडिया के बजाए भारत बोलकर संबोधित किया जाए. यह मांग सरकार के समक्ष रखी जाएगी. इस अभियान के अंतर्गत 500 भारतीयों का प्रतिनिधिमंडल पूरे देश में घूमकर राष्ट्रभाषा-जागृति के लिए प्रयास करेगा.

इस सम्मान-यात्रा की शुरुआत मुं से होगी. 25 दिसंबर की दोपहर 12 बजे पुणे के महावीर प्रतिष्ठान में यह य पहुंचेगी. यहां एक सभा का आयोजन कि गया है. महाराष्ट्र के बाद यह यात्रा दि भारत से होकर दिल्ली पहुंचेगी. हिंदी दिवस के अवसर पर 4 जनवरी को यह प्रतिनिधिमंडल राष्ट्रपति रामनाथ को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, लोकसभा अ सुमित्रा महाजन से मिलकर अपनी का ज्ञापन सौंपेगा.

'BHARATIYA BHASHA SAMMAN YATRA'

'In India, people are embarrased to speak Hindi now'

Pune: "English has been so glorified in India that people are embarrassed to speak Hindi now. We need to embrace our mother tongue if we want to be a developed country," said senior journalist and editor, Vijaykumar Jain on Tuesday.

Jain was speaking at the 'Bharatiya Bhasha Samman Yatra' summit held in Pune under the 'Accept Indian Language' campaign which comprises a delegation of 500 members. The tour has been organised to press for the demand for a constitutional national language, to declare Hindi and regional languages as state languages, and to recognise India as 'Bharat'.

The tour will conclude on January 4 - Hindi Divas.

According to Jain, if India has a national bird, animal and currency, then it should also have a national language. "Gandhi said that the nation which does not have a national language, is a silent nation. Today we are mere slaves of English language, wasting most of our time in perfecting English. Instead of embracing our mother tongues, we are looking down on people who cannot speak English," he added.

The tour will conclude at Jantar Mantar where President Ram Nath Kovind, Prime Minister Narendra Modi and Lok Sabha Speaker Sumitra Mahajan are expected to be present. **ENS**

The 'Accept Indian Language' tour has been organised to press for the demand for a constitutional national language, to declare Hindi and regional languages as state languages, and to recognise India as 'Bharat'. *Express*

ग्वालियर **स्वदेश** Powered By : Swadesh Digital 4 जनवरी 2019

हमारे देश को इंडिया नहीं, भारत कहा जाए

मुम्बई से ग्वालियर पहुंची यात्रा

ग्वालियर, न.सं.। जैन समाज का एक समूह मुम्बई से यात्रा के रूप में दिल्ली के लिए प्रस्थान करते हुए गुरुवार को ग्वालियर पहुंचा, जहां जैन छात्रावास में आयोजित सभा में सभी का स्वागत किया गया। इस अवसर पर रैली के प्रमुख विजय कुमार जैन ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि हम राष्ट्रपति एवं प्रधानमंत्री को ज्ञापन देंगे कि हमारे देश की राष्ट्रभाषा हिन्दी हो और हमारे देश को इंडिया नहीं, भारत कहा जाए। यह यात्रा मुम्बई से चलकर पुणे, सतारा, निपाणी, बेलगाम, कुमटा, मैंगलोर, कन्नूर, कोयम्बतूर, चैन्नई, विजयबाड़ा, हैदराबाद, नागपुर, ललितपुर, ग्वालियर, आगरा होती हुई चार जनवरी शुक्रवार को दिल्ली पहुंचेगी।

पुढारी

संस्कृती, भाषा यांचे संवर्धन होणे आवश्यक

एम. एल. गुप्ता यांचे मत

पुणे : प्रतिनिधी

भाषा संपल्या तर देश संपतो, त्यामुळे आपली संस्कृती व भाषा यांचे संवर्धन होणे आवश्यक आहे. इंग्रजीचे भूत आपल्या मानगुटीवर बसले आहे. त्यामुळे मातृभाषेला आणि स्थानिक भाषांना आपण प्राधान्य दिले पाहिजे, असे मत राष्ट्रीय भाषा समितीचे प्रमुख एम. एल. गुप्ता यांनी व्यक्त केले.

भारतीय भाषा अपनाओ अभियानांतर्गत मुंबई येथून सुरू झालेली भारतीय सन्मान यात्रा मंगळवारी दुपारी पुण्यात आली. त्यावेळी ते बोलत होते. या वेळी अभियानाचे प्रमुख व ज्येष्ठ पत्रकार विजयकुमार जैन, संयोजक विजय भंडारी, महावीर प्रतिष्ठानचे विजयकांत कोठारी, डॉ. कल्याण गंगवाल, पोपटलाल ओस्तवाल, अरुण सिंघवी उपस्थित होते.

भारताची संविधानिक राष्ट्रभाषा जाहीर व्हावी, हिंदीला राष्ट्रभाषेचा व प्रांतीय भाषांना राज्यभाषेचा दर्जा प्राप्त व्हावा, अशी मागणी या वेळी ज्येष्ठ पत्रकार विजयकुमार जैन यांनी केली. ४ जानेवारीला ही सन्मान यात्रा सातारा मार्गे, बेळगाव, कर्नाटक, केरळ, आंध्र प्रदेश, उत्तर प्रदेशमार्गे दिल्ली येथे पोहोचणार आहे.

My Pune Edition
26 Dec, 2018 Page No. 1
Powered by : erelego.com

नवभारत

आतंकवाद से अधिक खौफ अंग्रेजी का

भारतीय भाषा सम्मान-यात्रा पुणे पहुंची

संवाददाता

पुणे. किसी देश को खत्म करने के लिए उसकी भाषा को ही खत्म करना काफी होता है. भाषा खत्म होने के बाद संस्कृति को कैसे बचाओगे? आज भारत में आतंकवाद से ज्यादा खौफ अंग्रेजी का है. यह राय एम.एल. गुप्ता (राष्ट्रीय भाषा समिति, राष्ट्रभाषा विभाग) ने व्यक्त की. मुंबई से निकली भारतीय भाषा सम्मान-यात्रा मंगलवार को पुणे पहुंची.महावीर प्रतिष्ठान में पुणेवासियों ने यात्रा का स्वागत किया.

मोदी, राष्ट्रपति को देंगे ज्ञापन

महावीर प्रतिष्ठान में आयोजित पत्रकार-वार्ता में उन्होंने ये बातें कहीं. वरिष्ठ पत्रकार विजयकुमार जैन ने सवाल किया कि हमारे देश में राष्ट्रीय प्राणी, राष्ट्रीय पक्षी और राष्ट्रीय मुद्रा भी है, तो फिर राष्ट्रीय भाषा क्यों घोषित नहीं की जाती? उन्होंने सरकार से हिंदी को जल्द से जल्द आधिकारिक रूप से राष्ट्रभाषा घोषित करने की मांग की.

विजय भंडारी ने कहा कि यह मुद्दा बहुत अहम है और इसकी मांग पूरे देशवासियों के जरिए होनी चाहिए. जीतो के माध्यम से हम इस मुद्दे को ज्यादा से ज्यादा लोगों तक जरूर पहुंचाएंगे. इस दौरान डॉ. कल्याण गंगवाल भी पत्रकारों से रूबरू हुए. बता दें कि पहले मातृभाषा फिर 'राष्ट्रभाषा' का संदेश लेकर मुंबई से निकली यह यात्रा पुणे से आगे दक्षिण भारत, मध्य प्रदेश और आगरा होते हुए दिल्ली पहुंचेगी.

- वहां हिंदी भाषा दिवस के अवसर पर 4 जनवरी, 2019 को यह प्रतिनिधिमंडल राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व लोकसभा अध्यक्ष सुमित्रा महाजन से मिलेगा और अपनी मांगों को लेकर ज्ञापन देगा.
- पत्रकार-वार्ता में डॉ. कल्याण गंगवाल, इस अभियान के मुख्य संगठक और 'जीतो के पूर्व अध्यक्ष विजय भंडारी, महावीर प्रतिष्ठान के विजयकांत कोठारी, कांतिलाल ओसवाल, पूना मर्चेंट चेंबर के पोपटलाल ओस्तवाल, रमेश ओसवाल, अजीत सेटिया, अरुण शिंगवी आदि उपस्थित थे.

लोकमत

'इंडिया' नव्हे, तर 'भारत' संबोधावे

विजयकुमार जैन : भाषा सन्मान यात्रेचे शहरात स्वागत

लोकमत न्यूज नेटवर्क

पुणे : महात्मा गांधी म्हणत, ज्या देशाला राष्ट्रभाषा नाही, तो देश मुका असतो. भारत विविधतेने नटलेला देश आहे. या देशात अनेक भाषा बोलल्या जातात. देशाचा राष्ट्रीय प्राणी, पक्षी आणि मुद्राही आहे. मग आपल्या देशाला राष्ट्रभाषा का असू नये? त्यामुळे भारताची संवैधानिक राष्ट्रभाषा जाहीर व्हावी, हिंदीला राष्ट्रभाषेचा, तसेच प्रांतीय भाषांना राज्यभाषेचा दर्जा द्यावा आणि भारताला इंडिया नव्हे, तर भारत म्हणूनच संबोधावे, अशी मागणी अभियानाचे प्रमुख ज्येष्ठ पत्रकार व संपादक विजयकुमार जैन यांनी केली.

राष्ट्रभाषेच्या सन्मानासाठी 'भारतीय भाषा अपनाओ अभियान' अंतर्गत वरिष्ठ पत्रकार व संपादक विजयकुमार जैन यांच्या पुढाकारातून मुंबई येथून ही भाषा सन्मान यात्रा मंगळवारी सकाळी ६ वाजता निघाली. दि. ४ जानेवारीपर्यंत ही 'भारतीय भाषा सन्मान यात्रा' काढण्यात येणार आहे. भारतीय भाषा अपनाओ अभियानांतर्गत ५०० भारतीयांचे शिष्टमंडळ देशभर फिरून राष्ट्रभाषेसाठी जागृती करणार आहे. हे शिष्टमंडळ पुण्यात आले होते. त्या वेळी त्यांनी पुण्यातील नागरिक आणि पत्रकारांशी संवाद साधला.

> हिंदी दिवसाच्या पार्श्वभूमीवर ४ जानेवारी २०१९ रोजी हे शिष्टमंडळ राष्ट्रपती रामनाथ कोविंद, पंतप्रधान नरेंद्र मोदी, लोकसभा अध्यक्षा सुमित्रा महाजन यांना निवेदन देणार आहे. भारतीय भाषांचा सन्मान वाढवावा, भारताची राष्ट्रभाषा असावी व भारताला इंडिया नव्हे, तर भारत संबोधावे, या मागण्यांचा समावेश आहे.
>
> \- डॉ. कल्याण गंगवाल

या वेळी राष्ट्रीय भाषा समितीचे एम. एल. गुप्ता, अभियानाचे मुख्य संयोजक व 'जितो'चे माजी अध्यक्ष विजय भंडारी, महावीर प्रतिष्ठानचे विजयकांत कोठारी, अभियानाचे समन्वयक डॉ. कल्याण गंगवाल, रमेश ओसवाल, 'जितो'चे अध्यक्ष कांतिलाल ओसवाल, पूना मर्चंट चेंबरचे पोपटलाल ओस्तवाल, अरुण सिंघवी व अभय सेठिया, जितो व महावीर प्रतिष्ठानचे विश्वस्त यांच्यासह इतर मान्यवर उपस्थित होते.

'भारतीय भाषा सन्मान यात्रा' आज पुण्यात दाखल

।पुणे प्रतिनिधी।

भारताची संविधानिक राष्ट्रभाषा जाहीर व्हावी, हिंदीला राष्ट्रभाषेचा तसेच प्रांतीय भाषांना राज्यभाषेचा दर्जा द्यावा आणि भारताला इंडिया नव्हे, तर भारत म्हणूनच संबोधावे, या मागणीसाठी २५ डिसेंबर ते ४ जानेवारी या कालावधीत 'भारतीय भाषा सन्मान यात्रा' काढण्यात येत आहे. भारतीय भाषा अपनाओ अभियानांतर्गत ५०० भारतीयांचे शिष्टमंडळ देशभर फिरून राष्ट्रभाषेसाठी जागृती करणार असल्याची माहिती डॉ. कल्याण गंगवाल व रमेश ओसवाल यांनी पत्रकार परिषदेत दिली.

या भारतीय भाषा सन्मान यात्रेची सुरुवात वरिष्ठ पत्रकार व संपादक विजयकुमार जैन यांच्या पुढाकारातून मुंबई येथून सकाळी ६ वाजता होणार असून, मंगळवारी (दि.२५) दुपारी १२.३० वाजता महावीर प्रतिष्ठान येथे ही यात्रा येणार आहे. सभा घेऊन या अभियानाचा उद्देश लोकांपर्यंत पोहोचवला जाईल. 'पहले मातृभाषा फिर राष्ट्रभाषा' हा संदेश घेऊन या यात्रा मुंबई-पुणे-सातारामार्गे कर्नाटकातील निपाणी, बेळगाव, मंगळुरू, कुमटा, केरळातील कन्नूर, कोझिकोड, तामिळनाडूतील कोईम्तूर, सेलम, चेन्नई, आंध्रप्रदेशातील नेल्लोर, विजयवाडा, तेलंगणातील हैदराबाद, अदिलाबाद, महाराष्ट्रातील नागपूर, मध्यप्रदेशातील ग्वाल्हेर, नरसिंहपूर, उत्तप्रदेशातील ललितपूर, आग्रामार्गे दिल्लीत जाणार आहे.

हिंदी दिवसाच्या पार्श्वभूमीवर ४ जानेवारीला हे शिष्टमंडळ राष्ट्रपती रामनाथ कोविंद, पंतप्रधान नरेंद्र मोदी, लोकसभा अध्यक्षा सुमित्रा महाजन यांना निवेदन देणार आहे. त्यामध्ये सर्व भारतीय भाषांचा सन्मान वाढवावा, भारताची एकच राष्ट्रभाषा असावी व भारताला इंडिया नव्हे, तर भारत म्हणून संबोधावे, या प्रमुख तीन मागण्यांचा समावेश आहे. या मागण्यांचा प्रस्ताव संसदेत मांडावा, असे आवाहनही या निवेदनाद्वारे केले जाणार आहे. या माध्यमातून हिंदीला राष्ट्रभाषा म्हणून मान्यता देण्याबाबत जनजागृती करण्यात येणार आहे.

ARPATTA

नवभारत

राष्ट्रभाषा के आदर के लिए

'भारतीय भाषा सम्मान यात्रा'

संवाददाता

पुणे. संवैधानिक राष्ट्रीय भाषा, हिंदी और प्रांतीय भाषा राज्य राज्य के रूप में घोषित करने के लिए, तथा भारत को इंडिया के बजाए, इसे मांग 'भारत' ही कहा जाना चाहिए. इस तरह की मांग को पूरी करने के लिए 25 दिसंबर, से 4 जनवरी 2019 तक 'भारतीय भाषा सम्मान यात्रा' निकाली जाएगी. भारतीय भाषा अपनाओ, यह अभियान के अंतर्गत 500 भारतीयों का प्रतिनिधिमंडल पूरे देशमें घूम के राष्ट्रभाषा जागृति के लिए प्रयास करेगा. यह सम्मान यात्रा की शुरुआत मुंबई में सुबह 6 बजे वरिष्ठ पत्रकार और संपादक बिजयकुमार जैन के नेतृत्व में होगी. यह यात्रा मंगलवार 25 दिसंबर को दोपहर 12.30 बजे पुणे के महावीर प्रतिष्ठान पहुंचेगी. यहां सभा का आयोजन कर के लोगों तक इस अभियान का उद्देश्य पहुंचाया जाएगा.

4 जनवरी तक होगा कार्यक्रम

'पहले मातृभाषा फिर राष्ट्रभाषा' यह संदेश लेकर यह यात्रा मुंबई-पुणे-सातारा होते हुए कर्नाटक के निपानी, बेलगांव, मंगलूर, कुमटा, कन्नूर, कोजहीखोडे, तमिलनाडु में कोयम्बटूर, सेलम, चेन्नई, अंधरप्रदेश में नेल्लोर, विजयवाडा, तेलंगाना में हैदराबाद, अदिलाबाद,महाराष्ट्र में नागपूर, मध्यप्रदेश में ग्वालियर, नरसिंहपुर, उत्तप्रदेश में ललितपूर, और आग्रा होते हुए दिल्ली पहुंचेगी. हिंदी भाषा दिन के अवसर पर, 4 जनवरी, 2019 को यह प्रतिनिधिमंडल राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, लोकसभा अध्यक्ष सुमित्रा महाजन को अपनी मांगों को परा करने का निवेदन देगी.

Navabharat Pune Edition
25 Dec, 2018 Page No. 3

राष्ट्रभाषा सन्मान यात्रेस सुरुवात

पुणे : 'पहले मातृभाषा फिर राष्ट्रभाषा' हा संदेश घेऊन राष्ट्रभाषा सन्मान यात्रेस आज मंगळवार मुंबई येथून प्रारंभ झाला. यात देशाची संविधानिक राष्ट्रभाषा, हिंदीला राष्ट्रभाषेचा, तसेच प्रांतीय भाषांना राज्यभाषेचा दर्जा द्यावा आणि भारताला इंडिया नव्हे, तर भारत म्हणूनच संबोधावे,' अशी मागणी विजयकुमार जैन यांनी केली. यावेळी एम. एल. गुप्ता, विजय भंडारी, विजयकांत कोठारी, डॉ. कल्याण गंगवाल, रमेश ओसवाल, कांतिलाल ओसवाल, पोपटलाल ओस्तवाल, अरुण सिंघवी व अभय सेठिया उपस्थित होते.

BHARATIYA BHASHA SAMMAN YATRA ORGANISED TO PROTECT LANGUAGES

PUNE: Bharatiya Bhasha Samman Yatra has been organised from December 25, 2018 till January 4, 2019. Under this campaign, a delegation of 500 Indians will make an effort across the country to create awareness about protecting their mother tongue. The yatra started from Mumbai at 600 am and reached Mahavir Pratishthan, Pune on Tuesday at 12 30 pm. ML Gupta, from the National language department of the Indian government said, "After two generations, children will not be speaking their mother tongue. It is said that if you wish to destroy a country then its language should be destroyed. How will you define a culture without your language?"

हिन्दी महाविद्यालय में सभा आयोजित

हैदराबाद, 1 जनवरी-(मिलाप ब्यूरो) नल्लाकुंटा स्थित हिन्दी महाविद्यालय के प्रांगण में 'पहले मातृभाषा फिर राष्ट्रभाषा अपनाओ' सभा का आयोजन किया गया।

आज यहाँ जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, 'हिन्दी हैं हम विश्व मैत्री मंच' के बिजय कुमार जैन के नेतृत्व में महाराष्ट्र से प्रारंभ हुई भारतीय भाषा सम्मान यात्रा का स्वागत हिन्दी महाविद्यालय के अध्यक्ष सुरेन्द्र लूणिया ने किया। सभा की अध्यक्षता मंच के संस्थापक डॉ. रियाजुल अंसारी ने की। उन्होंने कहा की देश को आजाद हुए 72 साल हो चुके हैं। अज तक हम अपनी राष्ट्रभाषा निर्धारित नहीं कर पाए, जबकि राष्ट्रगान, राष्ट्रगीत, राष्ट्रध्वज, राष्ट्रीय मुद्रा, राष्ट्रीय पशु-पक्षी सभी हैं, पर राष्ट्रभाषा नहीं है। विश्व के सभी राष्ट्रों की स्वभाषा है, क्योंकि राष्ट्रभाषा से ही राष्ट्र का निर्माण संभव है।

मंच के महासचिव डॉ. विद्याधर ने कहा कि सभी को अपनी मातृभाषा प्रिय होती है। यदि हर राज्य अपनी राज्यभाषा घोषित करेंगे, तो राष्ट्रभाषा अपने आप बन जाएगी। मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित हैदराबाद स्थित केन्द्रीय हिन्दी संस्थान की अध्यक्ष डॉ. अनीता गांगुली ने कहा कि 'हिन्दी बने राष्ट्रभाषा' अभियान को आंदोलन में बदला जाना चाहिए। अभियान के संस्थापक व वरिष्ठ पत्रकार बिजय कुमार जैन ने कहा कि जिस तरह हर इंसान पहले अपनी मातृभाषा को प्यार करता है, वैसे ही हर एक को अपनी राष्ट्रभाषा से प्यार करना चाहिए। भारत के किसी भी कोने में जाकर हम राष्ट्रभाषा द्वारा रोज़ी-रोटी कमा सकते हैं। उनका नारा है कि पहले मातृभाषा फिर राष्ट्रभाषा, इंडिया को भारत के नाम से संबोधित किया जाए और इंडिया गेट को भारत द्वार लिखा जाए। हिन्दी महाविद्यालय की हिन्दी विभागाध्यक्ष डॉ. राजिनी धारी ने आभार व्यक्त किया।

ललित जैन "भारती" (प्रवक्ता जैन समाज ग्वालियर)

सकाळ

'संस्कृती, भाषेचे संवर्धन आवश्यक'

पुणे : ''देशातील अनेक भाषा लुप्त होत आहेत. भाषा संपल्या तर देश संपतो. त्यामुळे आपली संस्कृती आणि भाषा यांचे संवर्धन होणे गरजेचे आहे,'' असे मत राष्ट्रीय भाषा समितीचे एम. एल. गुप्ता यांनी व्यक्त केले. 'भारतीय भाषा अपनाओ अभियान'तर्फे काढण्यात आलेल्या देशव्यापी 'भारतीय भाषा सन्मान यात्रा' यात्रेचे मंगळवारी शहरात आगमन झाले. या वेळी आयोजित कार्यक्रमात गुप्ता बोलत होते. डॉ. कल्याण गंगवाल, विजयकांत कोठारी, विजय भंडारी आदी उपस्थित होते.

Pune, Main
26/12/2018 Page No. 2

हर कोई कहता है
मैं भारत हूँ
१० फरवरी २०२१ से १४ फरवरी २०२१ तक

नयी दिल्ली

भारत को 'भारत' ही बोला जाए
दिल्ली में १० भारतीय
मुंबई-कर्नाटका-राजस्थान से

समस्त जैन समाज को एकजुट करने वाली एकमात्र पत्रिका
जिनागम
व भारत जैन महामंडल द्वारा आयोजित
२६१३ वाँ
भगवान महावीर जन्मकल्याणक महोत्सव
क्रांतिवीर मुनि श्री १०८ प्रतिकसागरजी म.सा.
गणिवर्य श्री नयपद्मसागरजी म.सा. आदी ठाणा
तपागच्छाधिपति आचार्य श्री प्रेमसूरीश्वरजी म.सा. के आज्ञानुवर्ती आचार्य श्री कुलचंद्रसूरीश्वरजी (के.सी.) म.सा. आदी ठाणा
राष्ट्रसंत पूज्य गुरुदेव श्री नम्रमुनिजी म.सा.
महातपस्वी आचार्य श्री महाश्रमणजी के आज्ञानुवर्ती मुनि श्री संजयकुमारजी, मुनि श्री प्रसन्नकुमारजी म.सा. आदी ठाणा
प्रवर्तक रूपमुनि ''रजत'' के आज्ञानुवर्ती श्री रितेशमुनिजी म.सा. आदी ठाणा
छपते-छपते

छपते-छपते
समस्त जैन समाज को एकजुट करने वाली एकमात्र पत्रिका
जिनागम
व भारत जैन महामंडल द्वारा आयोजित
२६१३ वाँ
भगवान महावीर जन्मकल्याणक महोत्सव
क्रांतिवीर मुनि श्री १०८ प्रतिकसागरजी म.सा.
गणिवर्य श्री नयपद्मसागरजी म.सा. आदी ठाणा
तपागच्छाधिपति आचार्य श्री प्रेमसूरीश्वरजी म.सा. के
आज्ञानुवर्ती आचार्य श्री कुलचंद्रसूरीश्वरजी (के.सी.) म.सा. आदी ठाणा
राष्ट्रसंत पूज्य गुरुदेव श्री नम्रमुनिजी म.सा.
महातपस्वी आचार्य श्री महाश्रमणजी के आज्ञानुवर्ती
मुनि श्री संजयकुमारजी, मुनि श्री प्रसन्नकुमारजी म.सा. आदी ठाणा
प्रर्वतक रूपमुनि "रजत" के आज्ञानुवर्ती
श्री रितेशमुनिजी म.सा. आदी ठाणा

समस्त जैन समाज को एकजुट करने वाली एकमात्र पत्रिका
जिनागम
द्वारा आयोजित

दिगम्बराचार्य विद्यासागर जी से जैन एकता के लिए आशीर्वाद लेते हुए जैन श्रावक

☞ आप सब आगे बढें, 'जैन एकता वर्ष २०१४' मिल कर मनायें -आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज साहेब

समस्त जैन समाज को एकजुट करने वाली एकमात्र पत्रिका
जिनागम
द्वारा आयोजित

गच्छाधिपति अभय देव सुरि जी, मुनिश्री तरूणसागर जी, तेरापंथाचार्य महाश्रमण जी,
स्थानकवासी श्रमणाचार्य डॉ. श्री शिवमुनि जी

तीर्थंकर महावीर एक हैं,
इसलिए हम-सब गुरुवर
एक समान - एक पाट पर बैठेंगे

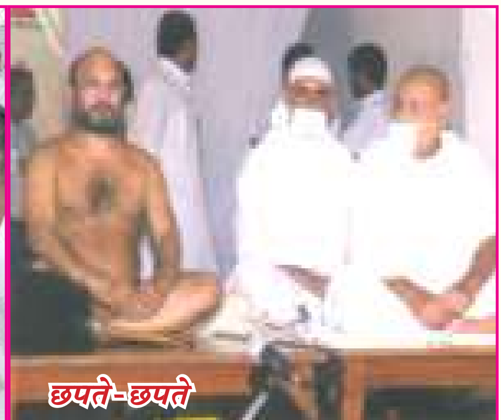

मुनि श्री जय कीर्ति जी के साथ
आनंद ऋषि जी महाराज साहेब के परम शिष्य कुंदन ऋषि ने दिया आशीर्वाद
जैन समाज एकत्र हो

बिजय कुमार जैन को
तीर्थंकर महावीर के साथ
हम सभी गुरुवर का भी आशीर्वाद है
जैन समाज में एकता हो
यही हम सबके भाव हैं

जिनागम फाउंडेशन

जैन एकता के साथ सामाजिक कार्य हेतु प्रतिबद्ध

जिनागम फाउंडेशन

बी-२१७, हिंद सौराष्ट्र इंडस्ट्रियल इस्टेट, मरोल, अंधेरी पूर्व,
मुम्बई, महाराष्ट्र, भारत-४०० ०५९ दूरभाष-०२२ २८५०९९९९
Website : www.jinagamfoundation.org, email: mailgaylordgroup@gmail.com

११ अगस्त २०१४ को स्थापित, जिनागम फाउंडेशन, जिसका मुख्य उद्देश्य समाज के सभी वर्गों के लिए काम करना है, पर्यावरण की सुरक्षा के 'नीम' के माध्यम से, जरूरतमंद बच्चों को मुफ्त शिक्षा, महिला रोजगार, दवाएं, वृदाश्रम आदि-आदि का कार्य करना है।

वृक्षारोपणः

पर्यावरण हेतु सम्पूर्ण भारत के जगह जगह पेड़-पौधों का रोपण करना एक प्रमुख उद्देश्य है, 'जिनागम फाउंडेशन' मुफ्त शिक्षा, रोजगार, पर्यावरण के लिए कार्यरत है, मुंबई स्थित पाली हिल, आरे कॉलोनी, वेस्टर्न रेलवे, बृहन्मुंबई महानगर पालिका के प्रांगण में जगह-जगह महाराष्ट्र सरकार के साथ मिलकर फल-फूल-सब्जियां, नीम आयुर्वेदिक आदि-आदि के पौधेरोपण आदि का कार्य कर रहे हैं।

जिनागम फाउंडेशन को मिला महाराष्ट्र सरकार से सम्मान

महाराष्ट्र शासन
वन विभाग
'महाराष्ट्र हरितसेना' सदस्यत्व प्रमाणपत्र
प्रमाणित करण्यात येते की,

श्री. / श्रीमती : Jinagam Foundation
रा. : Marol Naka
तालुका : Mumbai City जिल्हा : Mumbai City

यांना 'महाराष्ट्र हरितसेना' चे सदस्यत्व प्रदान करण्यात येत आहे.

लोकहिताच्या कार्यात सहभागी झाल्याबद्दल
हार्दिक शुभेच्छांसह !

नोंदणी क्रमांक : /2019/Org/159088

दिनांक महिना वर्ष
08 07 2019

प्रधान मुख्य वनसंरक्षक
सामाजिक वनीकरण,
महाराष्ट्र राज्य,
पुणे

पर्यावरण वाहन का उद्घाटन

महाराष्ट्र राज्य के पर्यावरण मंत्री श्री सुधीर मुंगटीवार द्वारा

संलग्नः अनावरण चित्र

महाराष्ट्र राज्य के मंत्रालय का प्रांगण

नीम लगाओ
पर्यावरण बचाओ

हर्षोल्लास से लगाए गए नीम के पेड़ जे. बी. नगर, अंधरी पूर्व, मुंबई में

नीम लगाओ
पर्यावरण बचाओ

नीम लगाओ
पर्यावरण बचाओ

जैन एकता के साथ सामाजिक कार्य हेतु प्रतिबद्ध

जिनागम फाउंडेशन

भारत सरकार द्वारा पंजीकृत ८०G धारा के अनुसार
पंजीकरण E 30569 Mumbai

बी-२१७, हिंद सौराष्ट्र इंडस्ट्रियल इस्टेट, मरोल, अंधेरी पूर्व,
मुम्बई, महाराष्ट्र, भारत-४०० ०५९ दूरभाष-०२२ २८५०९९९९
Website : www.jinagamfoundation.org, email: mailgaylordgroup@gmail.com

पहले मातृभाषा फिर राष्ट्रभाषा

५ जून विश्व पर्यावरण दिवस पर मुंबई महापौर के निवास पर नीम का पौधा लगाकर वृक्षारोपण करते हुए पत्रकार संपादक बिजय कुमार जैन 'हिंदी सेवी' व महापौर प्रि. विश्वनाथ महाडेश्वर व अन्य सहकर्मि

जिनागम फाउंडेशन

जि. फा.

जैन एकता के साथ सामाजिक कार्य हेतु प्रतिबद्ध

जिनागम फाउंडेशन

भारत सरकार द्वारा पंजीकृत ८०G धारा के अनुसार
पंजीकरण E 30569 Mumbai

बी-२१७, हिंद सौराष्ट्र इंडस्ट्रियल इस्टेट, मरोल, अंधेरी पूर्व,
मुम्बई, महाराष्ट्र, भारत-४०० ०५९ दूरभाष-०२२ २८५०९९९९
Website : www.jinagamfoundation.org, email: mailgaylordgroup@gmail.com

आज के समय में बिजय जैन जैसा व्यक्ति मिलना बहुत ही मुश्किल है

बिजय कुमार जैन के साथ दिलिप लांडे नगरसेवक व संचालक संदिप तिवारी

मुफ्त शिक्षा प्राप्त करते हुए भारतीय छात्र

सम्मानित करते हुए हितेन दोशी (राज कम्प्यूटर)

अंचल यादव

मुंबई: पिछले कई वर्षों से बिजय कुमार जी जैन को मैं स्वयं निजी रूप से पहचानता हूँ चाहे पत्रकारिता क्षेत्र हो या सामाजिक कार्यक्षेत्र, हर जगह इनके निस्वार्थ कार्य को देखते हुए मेरा मन बिजय जी के प्रति वरबस नमन हो जाता है।

आज बिजय जी! मुंबई जैसे महंगे शहर में ३०० बच्चों को मुफ्त में कम्प्यूटर की शिक्षा दिला रहे हैं, देश के स्वर्णिम भविष्य का निर्माण कर रहे हैं, बहुत ही प्रणम्य कार्य कर रहे हैं, बस इतना ही कहूंगा मेरे जीवन काल में बिजय कुमार जैन जैसा व्यक्ति मैंने नहीं देखा।

आप बच्चों की तकदीर बहुत ही अच्छी है कि आपको मेरे प्रिय दोस्त बिजय जैन जैसा व्यक्तित्व मिला, इनकी भावना का लाभ लो, खूब पढो, क्योंकि कम्प्यूटर आज की जरूरत है और उसकी शिक्षा मुफ्त में, मैं तो बिजय जी को इतना ही कहूंगा कि मेरे लायक कोई भी सेवा हो तो मैं हर पल आपके साथ हूँ।

२५ मई २०१९ को 'जी डीजी वर्ल्ड' मुंबई स्थित पवई के प्रांगण में करीब १५० छात्रों के बीच ५ बच्चों को Icon Test पारितोषिक से सम्मानित किया गया, हर बच्चों को Montex के खूबसूरत पेन (कलम) उपहार स्वरूप दिया ताकि वे अच्छी लेखनी द्वारा लिख सकें और अपना जीवन संवार सके।

खदीजा सइद अली

फैजान सैयद

सुमित मराठे

सुरज यादव

उद्घाटन समारोह
30 अप्रैल 2019
मुफ्त कम्प्यूटर शिक्षा
भारत हूँ

उद्घाटन समारोह
12 मई 2019

उद्घाटन समारोह
13 मई 2019
हिंदी बने राष्ट्रभाषा ये है हमारा आह्वान
असमिया उड़िया बांगला गुजराती
कश्मीरी
मलयालम

२००९ को हुयी शुरूआत, सड़क पर उतरा

भारत को केवल 'भारत' ही बोला जाए
Remove INDIA Name From Constitution

नई दिल्ली: ९ अगस्त २०२१ का दिन एक बार फिर से इतिहास लिखने को आतुर हो गया है, हम सभी जानते भी हैं कि ९ अगस्त १९४२ में हमारे स्वतंत्रता सेनानियों ने Remove India का नारा दिया था और ९ अगस्त २०२१ को हम भारतीयों ने Remove **INDIA** From Constitution नारे की उद्घोषणा की गई। बता दें कि 'मैं भारत हूँ' ने सर्वप्रथम ३ जून २०२० को एक नारे की घोषणा की थी कि 'भारत को केवल 'भारत' ही बोला जाए' अभियान की सफलता के लिए विश्व में रहने वाले प्रवासी भारतीयों के साथ भारत के सभी राज्यों से भारत माँ को समर्पित भारतीयों ने जूम वेबीनार के माध्यम से लगभग ७५ वर्चुअल सभाएं की और सभी भारतवासियों के मार्गदर्शनानुसार एक

बार फिर से अगस्त क्रांति का उद्घोष कर दिया।

भारत के विभिन्न राज्यों से कई भारतीय ६ अगस्त २०२१ को दिल्ली पहुंचे, विशेषकर राष्ट्रीय अध्यक्ष बिजय कुमार जैन मुंबई, महामंत्री शोभा सादानी, कोषाध्यक्ष निशा लड्ढा कोलकाता, राष्ट्रीय कार्यालय प्रभारी व सह कोषाध्यक्ष अनुपमा शर्मा, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष बाबूलाल सांखला (सैनी) जोरहाट आसाम, युवा सोशल मीडिया प्रभारी अर्जुन शर्मा मुंबई, प्रसिद्ध संगीतकार व गीतकार रवी जैन, मुंबई निवासी सतीश सुराणा आदि-आदि रहे।

भारत की राजधानी दिल्ली से यशपाल गुप्ता, राष्ट्रप्रकाश जी, सुलेख जैन, श्रीमती सुनीता काला जैन आदि-आदि की उपस्थिति रही। सर्वोच्च जैन साध्वी भारत गौरव, दिव्य शक्ति, गणिनी प्रमुख श्री ज्ञानमती माताजी, प्रज्ञाश्रमणी आर्यिका श्री चंदनामती माताजी, कर्मयोगी पीठाधीश स्वस्तिश्री रविंद्र कीर्ति स्वामी जी के सानिध्य में दिल्ली निवासियों ने कनॉट प्लेस में ३१ फुट उत्तुंग चक्रवर्ती सम्राट भरत जी की मूर्ति दिल्ली निवासियों के सहयोग से स्थापित की, जिसकी चर्चा पूरे देश-विदेशों में हो रही है। परंपराचार्य प्रज्ञसागर मुनि, सौभाग्य सागर जी के दर्शन किए और आशीर्वचन प्राप्त किया।

६ अगस्त २०२१ को दिल्ली स्थित 'प्रेस क्लब' में पत्रकारों को संबोधित गया किया और प्रतिवेदन वितरित किया जो कि 'मैं भारत हूँ' परिवार द्वारा बनाया गया और पूर्व न्यायाधीश राजस्थान से पानाचंद जी जैन व अलवर निवासी अधिवक्ता खिल्लीमल जी का मार्गदर्शन प्राप्त हुआ। ७ अगस्त २०२१ को इंडियन विमेन प्रेस क्लब में सभा कर पत्रकारों को संबोधित किया और कई सांसदों से मिले। पुलिस आयुक्त कार्यालय में भी गए, कारण यह रहा कि हमें ९ अगस्त २०२१ को जंतर-मंतर में Remove **INDIA** From Constitution अभियान की घोषणा जो करनी थी। दिल्ली पुलिस के सहयोग से सफलता भी मिली और कहा कि अब भारतीय संविधान से 'इंडिया' नाम को हटा दिया जाना चाहिए जिस पर भारी संख्या में समर्थन भी मिला, विभिन्न समुदाय, जातियों के साथ दिल्ली पुलिस, केंद्रीय सुरक्षा बल के सैनिकों से भी हमें सहयोग प्राप्त हुआ। नागपुर महाराष्ट्र के राज्यसभा सांसद की उपस्थिति भी रही। दिल्ली पुलिस ने भारत के राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, गृहमंत्री को प्रतिवेदन देने में सहयोग किया और भारत सरकार कार्यालय से प्राप्त प्रति उपलब्ध कराई। हम सभी लगातार भारत के कई सांसदों यानी भाजपा, कांग्रेस, शिवसेना आदि-आदि राजनीतिक दलों के साथ जनप्रतिनिधियों, भारतीय हॉकी कोच अनीता जी से भी मिले और 'भारत को 'भारत' बोला जाए' अभियान के बारे में बताया और समर्थन प्राप्त किया। सभी ने कहा कि यह ऐतिहासिक कार्य है, बीते ७४ सालों में क्यों किसी ने यह नहीं सोचा कि हमारे देश के २ नाम 'भारत और इंडिया' है जो कि आश्चर्य की बात है, क्योंकि नाम का अनुवाद होता ही नहीं है, सभी ने कहा कि देश का नाम १ ही होना चाहिए केवल 'भारत'।

१२ अगस्त २०२१ को भारतीय लोकसभा संसद के अध्यक्ष ओम बिरला जी के निवास पर गए और उन्हें प्रतिवेदन दिया, उन्होंने कहा कि आपके द्वारा दिए गए प्रतिवेदन पर कार्रवाई की जाएगी। माननीय लोकसभा अध्यक्ष से संपर्क करवाने के लिए कोटा निवासी राकेश जी जैन व मैं भारत हूँ के वरिष्ठ उपाध्यक्ष श्री गोविंद जी माहेश्वरी का विशेष सहयोग रहा।

हम भारत मां के बच्चे कहां चुप और शांत बैठने वाले थे, हमने १३ अगस्त २०२१ को दिल्ली के उप राज्यपाल अनिल बैजल, मुख्यमंत्री केजरीवाल, समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव, सांसद चिराग पासवान से भी मिलने का भी प्रयास किया, लेकिन मुलाकात नहीं हो पाई, हां उनके कार्यालय में प्रतिवेदन दे दिया गया।

अनंतोगत्वा इतना ही कहा जाएगा कि 'भारत को 'भारत' ही बोला जाए' अभियान इस समय मात्र अंगड़ाई है जिसकी सफलता के लिए लगातार प्रयास करते रहना होगा जो कि जारी रहेगा। बिजय जी को पूरा विश्वास है कि १३५ करोड़ भारतीयों का जिस दिन सहयोग मिलेगा, उसी दिन विश्व का गरिमामई भारतीय संविधान से इंडिया नाम विपुप्त होकर केवल 'भारत' रह जाएगा।

चला है बिजय कारवां लेकर भारत को 'भारत' का नाम सम्मान दिलाने विजयपथ की ओर भारतवासियों का साथ मिलने से सजीव हो उठा बिजय का आत्मविश्वास

भारत को 'भारत' ही बोला जाए

Remove 'INDIA' Name From The Constitution

भारत का हो संवैधानिक एक ही नाम
'इंडिया नहीं भारत ही है असली पहचान'
मैं भारत हूँ फाउंडेशन ने आयोजित किया भव्यातिभव्य कार्यक्रम
'भारतीय प्रतिबिम्ब कल-आज और कल'

नई दिल्ली: 'मैं भारत हूं फाउंडेशन' व 'नमह भारत फाउंडेशन' द्वारा रविवार ७ अगस्त २०२२ को नई दिल्ली स्थित डॉ. आम्बेडकर इंटनेशनल सेंटर में 'भारतीय प्रतिबिम्ब कल-आज और कल' नामक कार्यक्रम का आयोजन किया गया, इस दौरान सभी आगंतुकों ने देश के ऐतिहासिक, सांस्कृतिक, धार्मिक, राजनैतिक व सामाजिक महत्व का जिक्र करते हुए देश का एक ही नाम 'भारत' ही रहे इसकी मांग की। परम श्रद्धेय प्रातः पूजनीय गोविंद देव गिरी जी (कोषाध्यक्ष श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट) ने वीडियो कांफ्रेंस के द्वारा सभा को संबोधित कर कार्यक्रम की सफलता के लिए आशीर्वाद ही नहीं दिया बल्कि यह भी कहा कि एक दिन विश्व में मां भारती जरूर कहेगी कि 'मैं भारत हूँ' केवल भारत!

आजादी के ७५वें वर्ष पर देश भर में मनाये जा रहे 'अमृत महोत्सव' के उपलक्ष्य पर देश के गौरवशाली इतिहास की जानकारी देते हुए अपनी बात रखी, इस दौरान दैनिक 'पंजाब केसरी' की निर्देशक व वरिष्ठ नागरिक श्रीमती किरण चोपड़ा ने कहा कि यहां कोई मुम्बई से आया और कोई गुजरात से, लेकिन मैं 'भारत' से हूं, उन्होंने कहा कि जिस परिवार से मैं हूं उसके मायने ही 'भारत' है। अपने देश के लिए मर मिटना 'भारत' है। समर्पण, त्याग व बलिदान 'भारत' है। आज ऋषियों

के कारण ही हमारी संस्कृति संरक्षित है। अंग्रेजों ने तो देश को खूब लूटा लेकिन ऋषियों ने देश की संस्कृति को पुर्नस्थापित किया, उन्होंने कहा कि मोदी जी के नेतृत्व में देश आत्मनिर्भर और सशक्त हो रहा है, यह सिलसिला आगे बढ़ता जायेगा, वहीं वरिष्ठ भाजपा नेता व दिल्ली के पूर्व प्रभारी श्याम जाजू ने कहा कि हमें राजनीति से ऊपर उठकर इस मुद्दे पर विचार करना चाहिए कि भारत को केवल 'भारत' ही बोला जा सके।

'मैं भारत हूं फाउंडेशन' के राष्ट्रीय अध्यक्ष बिजय कुमार जैन ने कहा कि जब १७वीं शताब्दी में ईस्ट इंडिया कंपनी भारत में आई तो अंग्रेजों ने 'भारत' का नाम इंडिया कर दिया, लेकिन हमारी मांग है कि देश का केवल एक ही नाम 'भारत' रहे, इस मुददे पर हम सभी साझा प्रयास कर रहे हैं, इसके लिए आप सभी को मैं धन्यवाद भी देता हूं। देश के वरिष्ठ पत्रकार व राजनैतिक विश्लेषक डॉ. वेद प्रताप वैदिक ने भी इस विषय पर प्रकाश डाला, इस दौरान मैं भारत हूँ फाउंडेशन के राष्ट्रीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष डॉ. गोविंद माहेश्वरी कोटा, महामंत्री शोभा सादानी कोलकाता, कोषाध्यक्ष निशा लड्ढा सफलतम मंच संचालिका कोलकाता, विदेश संयोजक अरूण मुंधड़ा, राजस्थान प्रदेश संयोजक श्रेयांस बैद, उपाध्यक्ष चेन्नई से सज्जनराज मेहता, जोधपुर से जयप्रकाश शर्मा के अथक प्रयास से कार्यक्रम को सफल बनाया जा सका। विशेष सहयोग दिल्ली तेरापंथ सभा के अध्यक्ष सुखराज सेठीया, कन्हैयालाल पटवारी (के.एल. जैन) व सुशिला भीकमचंद पुगलिया कोलकाता, रामेश्वर लाल काबरा मुंबई, संजय जोधराज लड्ढा कोलकाता, सतीश काबरा कोलकाता, दिल्ली निवासी प्रसिद्ध समाजसेवी अवधेश गुप्ता व ध्रुव फाउंडेशन के ट्रस्टी ध्रुव अग्रवाल का भी विशेष सहयोग रहा। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में महंत स्वामी श्री समानंद गिरि जी, भाजपा विधायक अजय महावर व अभय वर्मा, राष्ट्रवादी कांग्रेसी नेता योगानंद शास्त्री के साथ भारी संख्या में भारतीय गणमान्य उपस्थित थे।

......एक और कार्यक्रम हरियाणा के रेवाड़ी में

'भारत को केवल 'भारत' ही बोला जाए' अभियान की सफलता के लिए भारत सरकार के आयकर अधिनियम के ८०जी व १२ए के अंतर्गत पंजीकृत अंतरराष्ट्रीय संस्थान के पदाधिकारी १८ सितंबर २०२२ को दिल्ली से हरियाणा स्थित रेवाड़ी पहुंचे, जहां पर स्थित सोमानी कॉलेज में दीप प्रज्वलन के साथ स्वतंत्रता सेनानी आरडी सोमानी को श्रद्धांजलि प्रस्तुत किया गया। आयोजित कार्यक्रम में उपस्थित भारतीयों ने एक ही बात कही कि आज से,अभी से हम अपने देश को केवल 'भारत' के नाम से ही पुकारेंगे, प्राचीनतम नाम भारत को केवल 'भारत' ही बोलेंगे और जब भी किसी का अभिवादन करेंगे 'जय भारत' से ही करेंगे।

कार्यक्रम की सफलता के लिए विशेष सहयोग रहा जननेता राष्ट्रीय संयोजक राष्ट्रीय चेतना मंच के रेवाड़ी प्रवासी विजय सोमाणी, श्रीमती मंजू सोमाणी, परिवर्तन सोमाणी, विशाल सोमाणी के साथ विकास जैन आदि का रहा। आयोजित कार्यक्रम के मध्य मुंबई से पधारे 'मैं भारत हूँ फाउंडेशन' के राष्ट्रीय अध्यक्ष, वरिष्ठ पत्रकार व संपादक, हिंदी सेवी, पर्यावरण प्रेमी बिजय कुमार जैन व कोलकाता से पधारीं प्रसिद्ध समाजसेविका राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष श्रीमती निशा जी लड्ढा का उपस्थित जनसमूह ने करतल ध्वनि के साथ पुरजोर स्वागत किया गया। आज के कार्यक्रम में दिए गए टी-शर्ट व नोटबुक के प्रदाता कोलकाता निवासी सूरज देवी जोधराज लड्ढा थे। रेवाड़ी स्थित अखिल भारतवर्षिय माहेश्वरी

'भारत को 'भारत' ही बोला जाए' अभियान के प्रणेता वरिष्ठ पत्रकार, संपादक व राष्ट्रीय अध्यक्ष बिजय कुमार जैन द्वारा वरिष्ठ शिक्षाविद एवम् सुप्रसिद्ध लेखक प्रो. मिश्री लाल मांडोत एवम् डी. पी. एस. जिंदानी का स्वागत करते हुए

महासभा के राष्ट्रीय पदाधिकारी, व्यवसाई व प्रमुख समाज सेवी अशोक सोमाणी,आकाश सोमाणी ने भी समर्थन देते हुए कहा कि 'जय भारत' बहुत बड़ा अभियान है, एक न एक दिन सफलता जरुर मिलेगी, जब हम सब मिलकर सामूहिक प्रयास करेंगे।

संध्या ४:०० बजे राष्ट्रीय अध्यक्ष बिजय कुमार जैन, राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष श्रीमती निशा लड्ढा गुरुग्राम से पधारीं श्रीमती सोनल कौशिक व जुझारू पत्रकार यूट्यूब में प्रख्यात पवन जुनेजा ने प्रस्थान दिल्ली की ओर कर दिया।

मैं भारत हूँ फाउंडेशन के बढ़ते कदम 'भारत' नाम सम्मान की ओर...

मैं भारत हूँ फाउंडेशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष बिजय कुमार जैन वक्तव्य देते हुए 'भारत को केवल 'भारत' ही बोलें', इंडिया कब से भारत का नाम हुआ? साथ हैं राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष निशा लड्ढा, उत्तरांचल उपसभापति मंजू सोमाणी, मीडिया प्रभारी परिवर्तन सोमाणी के साथ स्थानीय रेवाड़ी निवासी

दिल्ली स्थित कृष्णा नगर में स्थापित सर्वोदय बाल विद्यालय के प्रांगण में छात्रों को संबोधित किया 'भारत को केवल 'भारत' ही बोलेंगे' इंडिया नहीं। राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष निशा लड्ढा, राष्ट्रीय अध्यक्ष बिजय कुमार जैन साथ में है अर्थशास्त्र प्रो. रविंद्र कुमार गुप्ता, विद्यालय के उपप्रधानाध्यापक डॉ. राजवीर सिंह व स्थानीय प्रवासी

आगरा में स्थापित 'एक पहल' में स्कूल के छात्र-छात्राओं को संबोधित करते हुए भारत को 'भारत' ही क्यों बोले? मंच पर बैठे है बांये से शिवानी जैन, मधु बंसल, 'मैं भारत हूँ फाउंडेशन' की उत्तरांचल उपाध्यक्षा कांता माहेश्वरी (गगरानी), राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष निशा लड्ढा, राष्ट्रीय अध्यक्ष बिजय कुमार जैन, दिल्ली स्थित लक्ष्मी नगर प्रभारी अवधेश गुप्ता के साथ मीडिया प्रभारी परिवर्तन सोमाणी रेवाड़ी हरियाणा साथ हैं 'एक पहल' स्कूल के प्रबंधक मनीष राय, छात्र-छात्रा व शिक्षकों ने स्कूल के प्रांगण को गुंजायमान कर दिया कि आज से 'भारत को केवल 'भारत' ही बोलेंगे' इंडिया नहीं। जय भारत!

दिल्ली स्थित आर. के. पुरम सेक्टर नंबर ५ सर्वोदय विद्यालय के छात्र-छात्राएं 'जय भारत-जय भारत' का नारा लगाते हुए।

आगरा बिचपुरी रोड में स्थित जी. डी. गोयंका विद्यालय के प्रांगण में 'भारत को 'भारत' ही बोला जाए' अभियान की सफलता के लिए चर्चा में उपस्थित मैं भारत हूँ फाउंडेशन के पदाधिकारी उत्तरांचल उपसभापति श्रीमती कांता माहेश्वरी (गगरानी), कोषाध्यक्ष निशा लड्डा, मीडिया प्रभारी परिवर्तन सोमाणी, दिल्ली लक्ष्मी नगर प्रभारी अवधेश गुप्ता, उत्तरांचल उपसभापति पूरण डाबर, बिजनेस वर्ल्ड के सहसंपादक अभिषेक मेहरोत्रा, राष्ट्रीय अध्यक्ष बिजय कुमार जैन के साथ विद्यालय के प्रधानाध्यापक पुनीत वशिष्ठ

दैनिक भास्कर

भारत का नाम भारत ही हो ना कि इंडिया : विजय जैन

आगरा। एमडी जैन हरी पर्वत नारायण भवन में एक मीटिंग का आयोजन किया गया, जिसमें में भारत हूं फाउंडेशन के मुंबई से पधारे विजय जैन की उपस्थिति रही, जिसकी अध्यक्षता शिक्षा समिति के अध्यक्ष प्रदीप जैन पीएनसी के द्वारा की गई। विजय जैन ने भारत को इंडिया बोलने पर अपना व्याख्यान दिया। कहा कि भारत का नाम भारत ही हो ना कि इंडिया हो। मीटिंग का संचालन मनोज जैन बाकलीवाल द्वारा किया गया। अखिल भारतवर्षीय जयसवाल जैन महासभा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सुबोध कुमार जैन कमला नगर ने यह जानकारी दी। इस अवसर पर प्रमुख उद्योगपति पूरन डाबर युक्ति कंस्ट्रक्शन से संतोष शर्मा शिक्षा समिति के महामंत्री जितेंद्र, जैन परिषद के अध्यक्ष जगदीश चंद जैन महामंत्री सुनील जैन ठेकेदार अर्थमंत्री राकेश जैन पर्दे वाले पूर्व अध्यक्ष अशोक कुमार जैन एडवोकेट, अनंत जैन, राकेश जैन, राकेश जैन पार्षद, पुष्पेंद्र जैन, सुनील जैन सिंघई आदि की उपस्थिति रही।

आगरा के सर्किट हाउस में हुई मुलाकात डीएम कार्यालय के अधिकारी सर्वश्री मानस गौतम, विजय शर्मा के साथ 'मैं भारत हूँ फाउंडेशन' की राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष श्रीमती निशा लड्डा, दिल्ली के लक्ष्मी नगर प्रभारी अवधेश गुप्ता, सचिन सिंह के साथ राष्ट्रीय अध्यक्ष बिजय कुमार जैन

आगरा निवासी उद्योगपति प्रख्यात समाजसेवी पूरण डाबर ने कहा कि मैं भी 'भारत' नाम सम्मान अभियान से जुड़कर इंडिया से मां भारती को आजादी दिलाना चाहता हूं, उन्होंने स्वीकार किया कि मैं संपूर्ण उत्तरांचल में कार्य करूंगा और उत्तरांचल उप सभापति के पद को सहर्ष स्वीकार कर लिया। उपस्थित हैं 'मैं भारत हूं फाउंडेशन' के दिल्ली लक्ष्मी नगर प्रभारी अवधेश गुप्ता, समाजसेवी पूरण डाबर, राष्ट्रीय अध्यक्ष बिजय कुमार जैन, राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष निशा लड्डा व कांता माहेश्वरी (गगरानी) उत्तरांचल उपाध्यक्ष, जय भारत!

लक्ष्मी नगर दिल्ली में स्थापित सामाजिक संस्था 'बढ़ते कदम उन्नति की ओर' की राष्ट्रीय महामंत्री मंजू सिन्हा, मुस्कान अरोड़ा 'मैं भारत हूँ फाउंडेशन' की राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष श्रीमती निशा लड्डा, राष्ट्रीय अध्यक्ष बिजय कुमार जैन, आकाश विहार इंफ्राटेक प्रा. लि. के सीईओ ए.के. विश्नोई, लक्ष्मी नगर प्रभारी अवधेश गुप्ता के साथ स्थानीय रहवासी। जय भारत!

मैं भारत हूँ फाउंडेशन ने इतिहास रचा
सर्वोच्च अदालत के अधिवक्ता आए एकमंच पर

नयी दिल्ली: भारत की सर्वोच्च अदालत के अधिवक्ता जब १६ नवंबर २०२२ को सुप्रीम कोर्ट के ही प्रांगण में स्थित 'द इंडियन सोसायटी ऑफ इंटरनेशनल लॉ' के सभागार में एकमंच पर उपस्थित हुए और एक ही नारा गूंजा कि आज से हम अपने प्राचीनतम भारत को 'भारत' ही बोलेंगे, इंडिया नहीं, इंडिया तो ब्रिटिशर्स ने हम पर थोपा था, आज ब्रिटिशर्स भारत छोड़ गए हैं, अब हम अपने देश को भारत ही बोलेंगे, लिखेंगे, यह नारा तब लगा जब सुप्रिम कोर्ट के वरिष्ठ अधिवक्ता प्रवीण एच. पारेख प्रधानवक्ता के रूप में उपस्थित मंचासिन थे, जिनका साथ दे रहे थे न्यायाधीश नरेंद्र जैन, अधिवक्ता डॉ. आदीश अग्रवाल, सुशील कुमार जैन, जया राखेचा के साथ आगरा से 'मैं भारत हूँ फाउंडेशन' के उत्तरांचल उपसभापति पूरण डावर, पूर्वांचल उपसभापति सुशीला पुगलिया कोलकाता, उत्तरांचल उप संयुक्तमंत्री कांता माहेश्वरी आगरा, पश्चिमांचल उप सभापति सुभाष चंद्र काबरा अजमेर, पश्चिमांचल उप सभापति आनंद राठी कोटा, राजरानी काबरा कोलकाता मार्गदर्शक आदि-आदि के साथ कई-कई अधिवक्ता ने कहा कि

अकेला चला बिजय तू एक दिन सारा जहाँ तेरे साथ होगा
तेरी इच्छा का मनोबल बढेगा और विश्व
भारत को BHARAT ही कहेगा...

ऐतिहासिक कार्यक्रम की संरचना 'मैं भारत हूँ फाउंडेशन' के राष्ट्रीय अध्यक्ष बिजय कुमार जैन मुंबई ने की, साथ दिया

राष्ट्रीय महामंत्री शोभा सादानी कोलकाता, राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष निशा लड्ढा कोलकाता, अरूण काबरा जयपुर, अधिवक्ता अजीत जैन, नवनीत दुगड़, पूर्वी दिल्ली प्रभारी अवधेश गुप्ता, रोहिणी प्रभारी जिनेश जैन, आर के पूरम प्रभारी सरला जैन, सतीश काबरा कोलकाता, शांतिलाल पटावरी अध्यक्ष अणुव्रत ट्रस्ट दिल्ली, रिठाला प्रभारी योगी माथुर, पत्रकार पवन जुनेजा, भारत माँ का मंदिर दिल्ली में निर्माणकर्ता अरविंद गुप्ता, अधिवक्ता समाजसेवी रवि शर्मा, समाज सेविका राजकुमारी हुड्डा, तेरापंथ महिला मंडल दिल्ली की पदाधिकारी महिलाओं आदि-आदि ने मिलकर 'जय भारत' के नारे से सभागार गुंजायमान कर दिया।

भाजपा कोषाध्यक्षों ने कहा कि

भारत को केवल भारत ही बोलना चाहिए India हम क्यों बोलें?

नयी दिल्ली: भारतीय जनता पार्टी दिल्ली स्थित राष्ट्रीय कार्यालय में राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष रमेश अग्रवाला के निर्देशन में भारत के सभी प्रांतों के कोषाध्यक्ष व सह कोषाध्यक्ष की सभा हुई और सामूहिक भोजन का भी आयोजन किया गया था। सामूहिक भोजन के मध्य 'मैं भारत हूँ फाउंडेशन' की टीम ने कई कोषाध्यक्षों से शिष्टाचार मुलाकात की और पूछा कि चल रहे अभियान 'भारत को २ संवेधानिक नामों से क्यों पुकारा जाता है भारत और INDIA, उपस्थित सभी भारत माँ के लाडलों ने कहा कि हम तो बिल्कुल नहीं चाहते कि हमारे देश का नाम INDIA रहे। हमारे देश का नाम तो प्राचीन काल से 'भारत' ही था और BHARAT ही रहना चाहिए। बातचीत व समन्वय के बीच जम्मू-कश्मीर के कोषाध्यक्ष प्रभात सिंग जामवाल, गुजरात से सुरिंदर पटेल, तामिलनाडु से एस.आर. शेखर, सिक्कीम से दिलाप जैसवाल आदि-आदि ने राष्ट्रीय अभियान की सफलता के लिए शुभकामनाएं दी।

मैं भारत हूँ फाउंडेशन की राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष निशा लड्डा, दिल्ली आर.के. पूरम प्रभारी सरला व राष्ट्रीय अध्यक्ष बिजय कुमार जैन द्वारा महाराष्ट्र सांसद बालूभाऊ सुरेश नारायण धानोरकर को संसद के शून्य काल में लगायी जाने वाली याचिका भारत को BHARAT ही बोला जाए INDIA नहीं

भारत का एक राज्य महाराष्ट्र के सांसद भारतीय कांग्रेसी सांसद बालूभाऊ सुरेश नारायण धानोरकर से उनके निवास स्थल दिल्ली स्थित साउथ एवेन्यु में दिए गए समयानुसार १५ दिसंबर २०२२ को ही सुबह १० बजे शिष्टाचार मुलाकात हुयी, तो उन्होंने अभियान के बारे में बहुत ही शांति से सुना और कहा कि BHARAT और INDIA दो नाम, जब किसी इंसान के नाम २ नहीं होते तो हमारे देश को हम २ नामों से क्यों पुकारें BHARAT और INDIA.आपलोगों की बहुत ही अच्छी सोच है, विश्वास दिलाता हूँ आप सभी एक दिन जरूर सफल होंगे, आखिरकार होंगे भी क्यों नहीं, कौन चाहेगा कि उसके माँ के नाम २ हों, 'भारत' तो १३० करोड़ की माता है, बहुत ही अच्छी सोच को साथ लेकर आप लोग चल पड़े हैं।

'भारत को BHARAT ही बोला जाए INDIA नहीं' अभियान जरूर सफल होगा, संविधान से INDIA नाम विलुप्त हो कर रहेगा। आपलोगों के द्वारा दी गई याचिका को सोमवार यानी १९ दिसम्बर २०२२ को जरूर लगेगी, साथ ही आप सभी का महाराष्ट्र की पावन भूमि मेरे संसदीय क्षेत्र चंद्रपूर, महाराष्ट्र के नागरिकों की तरफ से हार्दिक अभिनंदन करता हूँ और भारत माँ से भी निवेदन करता हूँ आपलोगों को इतनी शक्ति प्रदान करे ताकि विश्व के मानचित्र (Globe) में INDIA की जगह BHARAT लिखा जा सके। जय भारत!

भारत का एक राज्य राजस्थान का एक जिला 'राजसमंद' के सांसद दिया कुमारी जी के दिए गए समयानुसार हम दिल्ली स्थित उनके कार्यालय रविंद्र नगर पहुंचे, पर चल रहे संसद की कुछ जिम्मेदारी के कारण दिया कुमारी जी से साक्षात मुलाकात तो नहीं हो सकी पर उनके सहयोगी श्रेयांस शर्मा जी ने कहा कि हम माफी चाहते हैं कि अकस्मात सांसद महोदया दिया जी को संसदीय कार्य के लिए निकलना पड़ा, पर कोई बात नहीं आपके द्वारा दी गई याचिका को उन्हें जरूर दे दूंगा, साथ ही आपने जो बातें मुझे कही हैं वह भी उन्हें बता दूंगा, बाकी अभियान अच्छा है। जय भारत!

नई दिल्ली- ओडिशा का एक संसदीय क्षेत्र से भाजपा सांसद बसंता कुमार पांडा ने १५ दिसम्बर २०२२ को हुयी उनके निवास स्थल साउथ एवेन्यु में शिष्टाचार मुलाकात में उन्होंने कहा कि बिजय जी! एक-दो दिनों में ही लोकसभा के शुन्यकाल में आपके द्वारा दी गयी याचिका को हम लगा रहे हैं। बहुत ही अच्छी सोच व अभियान है यह कि 'भारत को BHARAT ही बोला जाना चाहिए INDIA नाम तो गुलामी का प्रतिक है, भारत के पंत प्रधान नरेंद्र मोदी जी भी अपने भाषण की शुरूआत में 'भारत माता की जय' ही बोलते हैं। विश्वास दिलाते हैं 'मैं भारत हूँ फाउंडेशन' का यह अभियान 'भारत को केवल BHARAT ही बोला जाए' जरूर सफल होगा और एक दिन विश्व के मानचित्र (Globe) में जहाँ INDIA लिखा हुआ है वहाँ BHARAT ही लिखा जाएगा। जय भारत!

मैं भारत हूँ फाउंडेशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष बिजय कुमार जैन, राष्ट्रीय कोषाध्यक्षा निशा लड्ढा कोलकाता निवासी के साथ दिल्ली के आर.के. पुरम प्रभारी सरला जैन सांसद जुगल किशोर जी को याचिका सौपते हुए जो कि संसदीय शीतकालीन सत्र में शून्य काल में लगायी जाये।

भारत का एक राज्य अतिसुंदर प्राकृतिकता की धनी जम्मू-काश्मीर के सांसद जुगल किशोर शर्मा से उनके दिल्ली स्थित निवास स्थल पर १५ दिसम्बर २०२२ पर उनके दिए गए समयानुसार मुलाकात हुयी, वैसे कुछ देर भी हो गयी थी, आदरणीय सांसद जुगल जी को शीत कालीन संसद सत्र में जो जाना था, फिर भी उन्होंने हमें समय दिया, सारे अभियान को समझा और कहा कि आपलोगों के द्वारा दी गयी याचिका तो आज-कल में ही लग जाएगी, लेकिन यह बताएं आप लोग कितने वर्षों से अभियान चला रहे है?

सांसद जुगल जी को हमने बताया कि १३ वर्षों पहले एक पत्रिका 'मैं भारत हूँ' प्रकाशन के साथ शुरू हुआ था यह अभियान, जो आज वटवृक्ष का रूप ले चुका है, सफलता अब जरूर मिलेगी, क्योंकि भारतीय जनता पार्टी जम्मू-काश्मीर से सांसद जुगल जी का समर्थन जो इस राष्ट्रीय अभियान को प्राप्त हो गया है। सांसद जुगल जी ने बड़े ही जोश भरे स्वर में कहा कि मैं क्या एक दिन पूरा देश आपके साथ होगा, पिछे नहीं हटना आपलोग, सफलता मिलकर ही रहेगी।

सांसद जुगल जी के साथ हमने कश्मीरी चाय व स्वाद भरे कश्मीरी लड्डू का लुफ्त भी उठाया। सांसद जुगल जी ने कहा कि बहुत ही जल्द जम्मू काश्मीर में एक विशाल कार्यक्रम का आयोजन किया जाये, ताकि जम्मू काश्मीर की माटी से उठी आवाज से १३० करोड़ भारतीय जागृत होंगे ताकि विश्व एक न एक दिन हमारे देश को केवल BHARAT ही बोले। जय भारत!

भारत का एक राज्य राजस्थान का एक जिला 'झुंझुनूं' के झूंझारु भारतीय जनता पार्टी के सांसद से उनके नयी दिल्ली निवास स्थल पर १५ दिसम्बर २०२२ की सुबह १० बजे मुलाकात हुयी तो सांसद नरेंद्र जी ने कहा कि 'भारत' नाम बोलने से ही सीना गर्व से भर जाता है INDIA नाम तो पूरी तरह से गुलामी का ही प्रतीक है।

राजस्थान की माटी शौर्य व प्रतापों की भूमि है, जब हमारे पूर्वजों ने हमारी माटी की सुरक्षा के लिए जॉ की बाज़ी तक लगा दी, भारत मॉ की आजादी के लिए लाखों लोग अंग्रेजों के दानवी व्यवहार के शिकार भी हुए फिर आज हम अंग्रेजों द्वारा थोपा गया नाम INDIA को क्यों बोले, सुनें या लिखें।

मैं भारत हूँ फाउंडेशन के दिल्ली आर.के. पूरम प्रभारी सरला जैन, राष्ट्रीय अध्यक्ष बिजय कुमार जैन, राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष निशा लड्ढा राजस्थान स्थित झुंझुनूं के सांसद नरेंद्र कुमार जी से शीतकालीन सत्र में याचिका लगाने हेतु निवेदन ताकि भारत को केवल BHARAT ही बोला जाए INDIA नहीं

मुझे २ दिन का समय दिजिए, आप लोगों के द्वारा दी गई याचिका शुन्य-काल में लगेगी, आप लोगों से निवेदन करता हूँ कि और भी सांसदों से मिलें ताकि संसद में सभी का समर्थन मिले और विश्व के मानचित्र (Globe) में जहॉ INDIA लिखा हुआ है वहॉ पर हमारे देश का नाम 'भारत' लिखा जाए। मैं आप सभी का मेरे संसदीय क्षेत्र के निवासियों की तरफ अभिनंदन करता हूँ, बहुत ही अच्छी सोच व अच्छा कार्य है। जय भारत!

भारत का एक राज्य मध्य प्रदेश की आर्थिक राजधानी इंदौर से भारतीय जनता पार्टी के झुझारू सांसद शंकर लालवानी जी के दिल्ली निवास स्थल हुमायूं रोड पर जब हम यानी मैं बिजय कुमार जैन वरिष्ठ पत्रकार व संपादक राष्ट्रीय अध्यक्ष 'मैं भारत हूँ फाउंडेशन', राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष निशा लड्ढा कोलकाता निवासी व दिल्ली से आर के पुरम प्रभारी सरला जैन के साथ १४ दिसंबर २०२२ की दोपहर २:०० बजे एक शिष्टाचार मुलाकात में सांसद शंकर लालवानी जी ने पूछा कि बिजय जी! हमारे देश का नाम हिंदुस्तान, इंडिया के बारे में मुझे संक्षिप्त में बताइए, साथ ही हमारे देश का नाम 'भारत' ही क्यों होना चाहिए,जब उन्हें समुचित जानकारी मैंने दी तो श्री लालवानी जी ने कहा कि सुंदर सोच है, आज भारत को कहना पड़ रहा है कि 'मैं भारत हूँ' २ दिनों में ही लोकसभा में याचिका लग जाएगी जो आप लोगों ने मुझे प्रत्यक्ष रूप में दी है। मैं समर्थन करता हूं कि 'भारत को केवल BHARAT ही बोला जाना चाहिए INDIA तो कदापि नहीं'। बहुत ही ऐतिहासिक कार्य कर रहे हैं आपलोग, मेरी तरफ से आपलोगों का बहुत-बहुत हार्दिक अभिनंदन। जय भारत!

भारत का एक राज्य उड़ीसा का एक संसदीय क्षेत्र 'बालासोर' के सुलझे हुए कर्मठ सांसद प्रताप चंद्र षाड़ंगी ने अपने निवास स्थल हुमायूं रोड में १४ दिसंबर २०२२ की दोपहर २:३० बजे एक शिष्टाचार मुलाकात में कहा कि बिजय कुमार जी! मैं तो इस अभियान को जानता भी हूं, और समर्थक भी हूं। आप मुझे याचिका दे दीजिए, मैं १-२ दिन में ही लोकसभा की शून्य काल में लगाने का प्रयास करूंगा। शिष्टाचार मुलाकात में मेरे साथ 'मैं भारत हूँ फाउंडेशन' की राष्ट्रीय कोषाध्यक्षा निशा लड्ढा कोलकाता निवासी के साथ दिल्ली आर के पुरम प्रभारी सरला जैन भी उपस्थित थी। जय भारत!

भारत का एक राज्य झारखंड का एक संसदीय क्षेत्र गिरिडीह के सांसद चंद्र प्रकाश चौधरी, जो कि एकमात्र सांसद ऑल झारखंड स्टूडेंट्स यूनियन राजनीतिक दल से हैं, जब हम सभी यानी मेरे साथ (बिजय कुमार जैन, वरिष्ठ पत्रकार व संपादक, राष्ट्रीय अध्यक्ष 'मैं भारत हूँ फाउंडेशन' मुंबई निवासी) राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष श्रीमती निशा लड्ढा कोलकाता निवासी मिलकर सांसद महोदय के निवास स्थल नॉर्थ एवेन्यू में १३ दिसंबर २०२२ को संध्या ६:०० बजे, उनके दिए गए समय के अनुसार मिलने गए तो सांसद चंद्रप्रकाश चौधरी जी ने कहा कि मेरी आपसे कई बार बात हुई है, इस विषय में कि 'भारत को केवल BHARAT ही बोला जाए INDIA नहीं', बहुत ही अच्छा लगा, मेरी पार्टी से मैं पूरे भारतवर्ष में अकेला सांसद हूं और विश्वास भी दिलाता हूं कि जल्द ही संसद में इस अभियान को शून्य काल में उठाऊंगा और मुझे विश्वास भी है कि इस राष्ट्रीय अभियान का कोई विरोध नहीं करेगा, क्योंकि १३० करोड़ की मां भारत भी चाहती है कि मुझे केवल 'भारत' ही कहा जाए और आने वाले समय में विश्व के मानचित्र में जहां पर INDIA लिखा हुआ है वहां पर केवल BHARAT लिखा जाएगा। मैं आपलोगों का हार्दिक अभिनंदन भी करता हूं साथ ही धन्यवाद भी देता हूं और माँ भारती से निवेदन करता हूं कि आप सभी का सपना पूरा हो और भारत को केवल BHARAT ही कहा जा सके। जय भारत!

तीर्थंकर महावीर विश्वविद्यालय में 'जय भारत' का नारा गूंजा

मोरादाबादः कहते हैं जब-जब जो-जो होता है, तब-तब सो-सो होता है। १२ दिसंबर २०२२ वार सोमवार को जब हम (बिजय कुमार जैन वरिष्ठ पत्रकार व संपादक, राष्ट्रीय अध्यक्ष मैं भारत हूँ फाउंडेशन, राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष निशा लड्ढा कोलकाता निवासी, जिनेश जैन दिल्ली रोहिणी प्रभारी, सरला जैन आर.के. पूरम प्रभारी मिलकर सुबह १०.३० बजे दिल्ली एयरपोर्ट टर्मिनल २ से रवाना हुए और ठीक दोपहर १.३० बजे भारत का एक राज्य उत्तर प्रदेश का एक संसदीय क्षेत्र मुरादाबाद पहुंच गए, कारण यह था कि दोपहर २ बजे तीर्थंकर महावीर युनिवर्सिटी (TMU) संस्थान के चैयरमेन व कुलाधिपति भारत माँ के लाडले सुरेश जैन ने विश्वविद्यालय के छात्र-छात्राओं के साथ प्रांगण में ही स्थापित विशाल सभागार में 'भारत को Bharat ही बोला जाए India नहीं' चर्चा परिचर्चा कार्यक्रम का आयोजन किया था, हम-सबके साथ मुरादाबाद निवासी प्रसिद्ध साहित्यकर महेश दिवाकर के साथ विश्वविद्यालय के रवि जैन भी मंचासीन थे।

कार्यक्रम में जब छात्र-छात्राओं को 'भारत' के इतिहास की संक्षिप्त जानकारी प्रस्तुत की गयी तो तालियों की गड़गड़ाहट से 'जय भारत' के नारे से सभागार गुंजायमान हो गया।

उपस्थित सभी छात्र-छात्राओं ने कार्यक्रम के अंतिम में प्रतिज्ञा ली, कि आज व अभी से हम जब भी किसी का अभिवादन करेंगे 'जय भारत' से ही करेंगे और अपने मित्रों व परिवार के सगे-संबंधियों से भी निवेदन करेंगे कि वे भी 'जय भारत' ही बोलें। **- गेलॉर्ड ग्रुप**

राजस्थान उदयपुर से भारतीय जनता पार्टी के सांसद अर्जुन लाल मीणा चुनाव लड़ कर अपने प्रतिद्वंदी को हरा कर भारतीय लोकसभा के सदस्य बनकर अपने कार्यकाल में अपने क्षेत्र के कई मुद्दों को संसद में उठाया और लोगों को राहत दिलाई।

दिनांक १३ दिसंबर २०२२ को जब मैं, राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष 'मैं भारत हूँ फाउंडेशन' के श्रीमती निशा लड्ढा कोलकाता निवासी व दिल्ली रोहिणी प्रभारी जिनेश जैन के साथ उनके निवास स्थान दिल्ली स्थित १०२, नर्मदा अपार्टमेंट में हम पहुंचे तो उन्होंने कहा कि बिजय जी! मैं तो इस अभियान 'भारत को केवल BHARAT ही बोला जाए INDIA नहीं' को लोकसभा में उठाऊंगा ही, साथ ही अपने दोस्तों (लोकसभा सदस्यों) को भी निवेदन करूंगा ताकि वे सभी इस अभियान को लोकसभा में उठाएं ताकि विश्व को हमारी माँ भारती कह सके कि 'मैं भारत हूँ'।

बिजय जी! आपलोग बहुत ही अच्छा कार्य कर रहे हैं जिसके लिए मेरे द्वारा व मेरे क्षेत्र लोकसभा के मतदाताओं की तरफ से आप लोगों का हार्दिक अभिनंदन! जय भारत!

डॉ किरोड़ी लाल मीणा भारतीय जनता पार्टी से भारतीय राज्यसभा के सांसद से १३ दिसंबर २०२२ को उनके पंडारा निवास में हम सभी यानी मेरे साथ राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष मैं भारत हूँ फाउंडेशन की श्रीमती निशा लड्ढा कोलकाता निवासी, दिल्ली रोहिणी प्रभारी जिनेश जैन दिए गए समय के अनुसार उनसे मिलने गए तो उन्होंने कहा कि 'भारत को केवल BHARAT ही बोला जाए INDIA नहीं', यह मात्र अभियान नहीं 'भारत' का सम्मान है, यह होना ही चाहिए INDIA नाम का मतलब ही क्या है? मुझे संपूर्ण विवरण बताइए कि INDIA का नाम कब से, क्यों पड़ा, हिंदुस्तान नाम कहां से आया? जब सभी जानकारियां आदरणीय सांसद मीणा जी को बताई गई तो उन्होंने कहा कि आप मेरे सहयोगी सतीश गुप्ता को संपूर्ण जानकारी लिखित में दे दें, ताकि मैं राज्यसभा में इस अभियान की चर्चा कर सकूं और सभी सांसदों के सहयोग से भारत माँ को विश्व में सम्मान दिला सकूं साथ ही विश्व के मानचित्र में जहां इंडिया लिखा गया है उसकी जगह BHARAT लिखवा सकूं। मैं आप सभी लोगों का हार्दिक अभिनंदन करता हूं और आप सभी से कहता हूं कि आप सभी राष्ट्रहित कार्य कर रहे हैं,वर्तमान की सरकार भी यही चाहती है कि 'भारत को केवल BHARAT ही बोला जाए', 'One Nation One Name'!

Principal Conclave का आयोजन जल्द ही शिक्षा की देवी अहिल्या नगरी इंदौर में

भारतः भारत व भारतीय संस्कृति को बढावा देने हेतु 'मैं भारत हूँ फाउंडेशन' के विश्व में फैले पदाधिकारी व कार्यकर्ता कटिबद्ध हैं, इसकी सफलता के लिए भारतीय युवाओं तक पहुंचने के लिए दिल्ली, मुंबई, कोलकाता, चैन्नई, झांसी आदि-आदि क्षेत्रों में Principal Conclave कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है।

श्रृंखलाबद्ध कार्यक्रम में दिनांक ८ मार्च २०२३ को 'महिला दिवस' पर भारत का एक राज्य मध्यप्रदेश की आर्थिक राजधानी इंदौर में डॉ. प्रोफेसर रेणु जैन व उनकी मातुश्री क्रांतिकारी विचारों की धनी व इतिहास की पैरोमकार कुसुमलता जैन से उनके निवास स्थल पर एक शिष्टाचार भेंट के साथ 'मैं भारत हूँ फाउंडेशन' के राष्ट्रीय अध्यक्ष बिजय कुमार जैन व युवा राहुल जैन ने निवेदन किया कि एक कार्यक्रम युवा छात्रों के साथ 'भारत व भारतीय संस्कृति का बढावा' इंदौर में किया जाना चाहिए। प्रो. रेणु जैन ने कहा कि यह होना ही चाहिए, आज के छात्रों को भारतीय संस्कृति व भारतीयता के बारे में जानकारी दी ही जानी चाहिए। इतिहासवक्ता कुसुमलता जैन ने कहा कि हमारे प्राचीन इतिहास की जानकारी हमारे युवा छात्रों को दी जानी चाहिए। प्रो. रेणु जैन ने कहा कि २५ मार्च २०२३ के बाद हम इंदौर में एक विशाल कार्यक्रम छात्रों के साथ 'भारत व भारतीय संस्कृति का बढावा कार्यक्रम' इंदौर में करेगें, उसके पहले एक सभा का आयोजन इंदौर के Principals के साथ Conclave के माध्यम से करेगें, जिसके लिए मैं प्रो. राजीव दिक्षित से निवेदन करुंगी कि वे Principal Conclave कार्यक्रम को सफल बनाने में अपनी भूमिका निभाएं। इसी दिन ८ मार्च २०२३ को संध्या ५.३० बजे एक सभा का आयोजन इंदौर के आर.एन.टी. मार्ग में मधु मिलन चौराहा में स्थापित (प्रस्तुत चित्र के अनुसार) इंदौर के प्रसिद्ध समाजसेवी माँ भारती के लाडले सांवरमल जोशी दाधीच, समाजसेवी बालकन्त राठी (माहेश्वरी) अधिवक्ता अनिल त्रिवेदी, इंदौर के प्रख्यात समाजसेवी हंसमुख गांधी, मैं भारत हूँ फाउंडेशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष बिजय कुमार जैन, प्रो. राजीव दिक्षित, शिक्षाविद डॉ. संगीता विनायका,

मोटिवेटर युवा उन्नित झांझरी, महर्षि दाधीच के सेवक शंकरलाल शर्मा पलोड, युवा सुशील दाधीच के साथ हैं युवा राहुल जैन।

करीब २ घंटे चली सभा में आपसी परिचय के साथ निश्चय लिया गया कि जल्द Principal Conclave का आयोजन निश्चित दिन के साथ निर्धारित कर लिया जायेगा, जिसमें इंदौर के करीब ३५० Principal उपस्थित होंगे, तत्पश्चात युवा छात्रों को 'भारत व भारतीय संस्कृति का बढावा' कार्यक्रम से जोड़ा जाएगा। जय भारत!

९ अप्रैल २०२३ **इंदौर वासियों ने जम कर सराहा और कहा** ९ अप्रैल २०२३

भारत को 'भारत' ही बोलेंगे INDIA नहीं, बिजय जी आप आगे बढें इंदौर वासी आपके साथ हैं

भारतीय जनता पार्टी के सांसद चुन्नीलाल साहू भारत का एक राज्य छत्तीसगढ़ के एक लोकसभा क्षेत्र में अपने निकटतम प्रत्याशी को हराकर भारत के लोकसभा में पहुंचे। सांसद चुन्नीलाल जी से उनके दिए गए समय के अनुसार हमारी जब मुलाकात हुई तो उन्होंने कहा बिजय जी! मेरा सबसे बड़ा उद्देश्य है कि मैं अपने क्षेत्र के रहवासियों को सारी सुविधाएं प्रदान कर सकूं क्योंकि भारत का सबसे बड़ा लोकसभा संसदीय क्षेत्र मेरा है, छत्तीसगढ़ और उड़ीसा राज्यों के बीच में मेरा क्षेत्रफल ३५० किलोमीटर में फैला है। सांसद चुन्नीलाल जी ने कहा कि आप लोग जिस अभियान को लेकर चल पड़े हैं 'भारत को केवल BHARAT ही बोला जाए INDIA नहीं' यह अभियान मात्र अभियान नहीं है बल्कि यह पूरे विश्व में हमारे भारत को सम्मान दिलाएगा,बस इतना ही कह सकता हूं की आप सभी को हमारी पार्टी भाजपा के वरिष्ठ अधिकारी, मंत्रीगण से भी संपर्क करना चाहिए। आपलोगों को सफलता जरूर मिलेगी, क्योंकि 'भारत को केवल BHARAT ही बोला जाए INDIA नहीं' यह हर भारतीयों का स्वप्न है जो एक दिन जरूर पूरा होगा।

सांसद चुन्नीलाल साहू जी से मिलने मैं, बिजय कुमार जैन वरिष्ठ पत्रकार व संपादक राष्ट्रीय अध्यक्ष मैं भारत हूँ फाउंडेशन मुंबई निवासी, राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष श्रीमती निशा लड्ढा कोलकाता निवासी, दिनेश जैन दिल्ली रोहिणी प्रभारी मिलने गए सांसद महोदय से 'जय भारत' कहते हुए धन्यवाद भी दिया, साथ ही निवेदन भी किया कि हम सभी को विश्वास है कि जल्द ही आपके द्वारा प्रस्तुत याचिका लोकसभा में चल रहे शीत सत्र के शून्यकाल में जरुर लगेगी और भारत के सभी सांसदों का सहयोग भी मिलेगा ताकि विश्व के मानचित्र में जहां आज INDIA लिखा है वहां BHARAT लिखा जा सकेगा। जय भारत!

!! जय भारत !! !! जय भारत !! !! जय भारत !!

युवा बोलेगा तो देश बोलेगा 'जय भारत'

- बिजय कुमार जैन राष्ट्रीय अध्यक्ष- मैं भारत हूँ फाउंडेशन

श्रीमती निशा लड्डा, कोलकाता
राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष - मैं भारत हूँ फाउंडेशन

इंदौर: भारत के हर शहर में 'मैं भारत हूँ' की आवाज गूंज रही है, क्योंकि 'भारत' नाम ही हमारी पहचान है, हम सभी भारतीय किसी न किसी रूप में राष्ट्र की सेवा जरूर करते हैं। 'मैं भारत हूँ फाउंडेशन' ने 'भारत को 'भारत' ही बोला जाए' इंडिया नहीं, अभियान की शुरुआत विगत १४ वर्षों पूर्व की थी, इसी श्रृंखला को आगे बढ़ाते हुए 'इंदौर' शहर की सर्वश्रेष्ठ यूनिवर्सिटी देवी अहिल्या विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ कंप्यूटर साइंस में १ अप्रैल २०२३ को यहाँ के सभागार में प्राचार्य कॉन्क्लेव (**PRINCIPAL CONCLAVE)** का आयोजन किया गया। कार्यक्रम अपराह्न ३ बजे से शुरू हुआ। मुख्य अतिथि यूनिवर्सिटी की कुलपति डॉ. रेणु जैन उपस्थित थी। सम्माननीय अतिथि वरिष्ठ समाजसेवी रामवतार जाजू उपस्थित थे, उन्होंने कहा कि मैं तो हमेशा से अपने देश को 'भारत' ही बोलता हूँ। डॉ. रेणु जैन ने 'मैं भारत हूं' अभियान की तारीफ करते हुए कहा कि 'भारत को केवल 'भारत' ही बोला जाना चाहिए' अन्य नाम या उपाधि की हमारे देश को क्या जरूरत है इसके लिए 'मैं भारत हूँ फाउंडेशन' द्वारा किये जा रहे अभियान का मैं पूर्णरूपेण समर्थन करती हूँ। 'भारत' नाम मात्र सम्मान ही नहीं भारतीय संस्कृति का परिचायक भी है, जिससे समस्त भारतीयों को जुड़ना चाहिए और युवा वर्ग को भी प्रेरित करना चाहिए, क्योंकि युवा 'जय भारत' बोलेगा तो ही देश 'जय भारत' बोलेगा और भारत सरकार भी इस पर विचार करेगी।

देवी अहिल्या विश्वविद्यालय के रजिष्ट्रार अजय वर्मा ने कहा कि मैं तो हमेशा ही 'जय भारत' का ही उल्लेख करता हूँ।

प्रसिद्ध समाजसेवी व व्यवसायी हसमुख गांधी जैन ने कहा कि 'भारत' तो भारत ही रहना चाहिए, इसे २ नामों की क्या आवश्यकता है?

प्रसिद्ध शिक्षाविद् डॉ अनुपम जैन ने कहा कि आचार्य विद्यासागर जी तो कहते ही हैं कि INDIA नहीं भारत बोलो।

प्रसिद्ध नाटयकार मंच संचालिका साधना मादावत ने 'मैं भारत हूँ फाउंडेशन' के राष्ट्रीय अध्यक्ष वरिष्ठ पत्रकार व संपादक बिजय कुमार जैन मुंबई व राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष श्रीमती निशा लड्डा कोलकाता का परिचय देते हुए यह भी कहा कि यह अभियान विगत १४ वर्षों से निरंतर जारी है।

'भारत को केवल 'भारत' ही बोला जाए' अभियान की सफलता के लिए डॉ. संगीता विनायका, इलायशा मादावत, प्रो. राजीव दिक्षित, मुकेश असावा, शंकरलाल पलोड, उन्नित झांझारी आदि ने कार्यक्रम की सफलता के लिए अथक परिश्रम किया।

बतादें कि बहुत ही जल्द इंदौर के प्रांगण में छात्र-छात्राओं के साथ विशाल कार्यक्रम का आयोजन किया जायेगा, क्योंकि कहावत भी है कि युवा बोलेगा तो ही देश बोलेगा

'जय भारत'!

!! जय भारत !! !! जय भारत !! !! जय भारत !!

भारत का एक राज्य मध्यप्रदेश की आर्थिक राजधानी शिक्षा की देवी अहिल्या नगरी इंदौर में आयोजित

९ अप्रैल २०२३

Principal's Conclave

९ अप्रैल २०२३

भारत सरकार द्वारा पंजीकृत क्र. U80300MH2021NPL369101

मैं भारत हूँ फाउंडेशन

भारतीय संस्कृति की ओर अग्रसर

जय भारत! जय भारत! जय भारत!

मैं भारत हूँ फाउंडेशन का अभियान भारत को केवल भारत ही बोला जाए इंडिया नहीं को मिली आंशिक सफलता

मैं चला था जानिब-ए-मंजिल अकेला, कारवां बनता चला गया- बिजय कुमार जैन

वरिष्ठ पत्रकार व संपादक

इंदौरः मैं भारत हूं फाउंडेशन परिवार का विश्वव्यापी 'भारत नाम सम्मान' की सफलता के लिए विभिन्न रूपों द्वारा कार्यक्रम करता चला आ रहा है। विश्व में फैले हर भारतीयों के बीच यह चर्चित रहा कि हम अपने देश को भारत बोलें या **INDIA**, कई बार इस मुद्दे पर बहस भी हुई।

भारत के राष्ट्रपति महामहीम द्रौपदी मुर्मू जी ने **G-20** अंतर्राष्ट्रीय कार्यक्रम में उपस्थित होने के लिए विश्व के राष्ट्राध्यक्षों को **THE PRESIDENT OF BHARAT** द्वारा निवेदन भेजा तो पूरे देश के भारतवासियों के चेहरे की चमक बढ़ गई और यह चमक तब और बढ़ी, जब भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी ने **G-20** के चर्चा सम्मेलन में अपने आगे **BHARAT** लिखा।

बता दें कि मैं भारत हूं फाउंडेशन परिवार पिछले 14 सालों से लगातार प्रयास करते चला आ रहा है कि देश को दो नाम की क्या जरूरत है? जबकि 'भारत' नाम ही सर्वशक्तिमान है।

'मैं भारत हूँ फाउंडेशन' परिवार ने देवी अहिल्या विश्व विद्यालय में कुलपति डॉ. रेणु जैन के सानिध्य में भारत का एक राज्य मध्य प्रदेश की स्वच्छ नगरी इंदौर में 1 अप्रैल 2023 को **Principal Conclave** का सफलतम आयोजन किया। इसी फलस्वरूप 'इंदौर नगर निगम' के महापौर अधिवक्ता भार्गव जी ने घोषणा की है कि अब निगम में **INDIA** नहीं केवल 'भारत' नाम का ही उपयोग किया जाएगा, इसके लिए 'मैं भारत हूँ फाउंडेशन' परिवार ने निगम के महापौर भार्गव जी व सभी पार्षदों को शुभकामनाएं व धन्यवाद प्रेषित किया है।

जय भारत!

> **NBT नवभारत टाइम्स**
>
> दि. 23 सितंबर 2023 पेज 09
>
> **'इंडिया' की जगह 'भारत' का इस्तेमाल करेगा इंदौर नगर निगम**
>
> मध्य प्रदेश
>
> भाषा, इंदौरः देश के सबसे स्वच्छ शहर इंदौर के नगर निगम की महापौर परिषद ने इस निकाय के आधिकारिक कार्यक्रमों और पत्राचार में देश के नाम के रूप में 'इंडिया' के स्थान पर 'भारत' के इस्तेमाल के प्रस्ताव को शुक्रवार को मंजूरी दी। अधिकारियों ने बताया कि प्रस्ताव को अगले महीने संभावित परिषद बैठक में भी मंजूरी के लिए रखा जाएगा। इस बैठक में सभी 85 पार्षद हिस्सा लेंगे। महापौर ने कहा कि इंडिया के रूप में देश का नामकरण अंग्रेजों की देन है, जबकि भारत के संबोधन से देश की समृद्ध ऐतिहासिक और सांस्कृतिक विरासत का बोध होता है। संविधान के अनुसार भी हमारे देश का नाम भारत ही है। इंदौर नगर निगम पर BJP का कब्जा है।

निवेदक

राष्ट्रीय अध्यक्ष	राष्ट्रीय महामंत्री	राष्ट्रीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष	राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष
बिजय कुमार जैन, मुंबई	शोभा सादानी, कोलकाता	डॉ. गोविंद माहेश्वरी, कोटा	निशा लड्ढा, कोलकाता
मो. 9322307908	मो. 8910628944	मो. 9414183919	मो. 9830224300

व समस्त भारतवासी

राष्ट्रीय कार्यालय : बी-217, हिंद सौराष्ट्र इंडस्ट्रियल इस्टेट, मरोल, अंधेरी पूर्व, मुम्बई, महाराष्ट्र, भारत-400059
फोन : 022-28509999, ईमेल : mainbharathunfoundation@gmail.com,
वेबसाइट : www.mainbharathun.co.in

◆ दिल्ली कार्यालय ◆
मकान नंबर 186, जी एफ गली नंबर 8, ब्लॉक डी, मेट्रो गेट नंबर 5, लक्ष्मी नगर, दिल्ली, भारत -110092 फोन : 011-71571600

◆ कोलकाता कार्यालय ◆
ऑफिस नं. 77, सदासुख कटरा, दूसरा तल्ला, 201/बी, महात्मा गांधी रोड, कोलकाता, पश्चिम बंगाल, भारत-700007 फोन : 033-48039531

◆ इंदौर कार्यालय ◆
93, पद्मालय कॉलोनी, उमंग पार्क, श्री-जी इंटरनेशनल के पास स्कूल, छोटा बांगरदा रोड, इंदौर, मध्य प्रदेश, भारत- 452002 मो: 9098555482

करांटे योद्धाओं द्वारा 'जय भारत' के नारे से तालकटोरा स्टेडियम गुंजायमान हो उठा

- बिजय कुमार जैन, राष्ट्रीय अध्यक्ष मैं भारत हूँ फाउंडेशन

नई दिल्ली: 'मैं भारत हूँ फाउंडेशन' अंतरराष्ट्रीय संस्थान का एक अभियान 'भारत को केवल 'भारत' ही बोलें' इंडिया नहीं, दिल्ली में आयोजित भव्यातिभव्य कार्यक्रम में उपस्थित कराटे योद्धाओं ने 'जय भारत' के नारे से तालकटोरा स्टेडियम को गुंजायमान कर दिया, सभी ने कहा प्यार अब से हम अपने देश को 'भारत' के नाम से ही पुकारेंगे।

इंडिया (भारत) ओपन इंटरनेशनल कराटे चैंपियनशिप २०२३ जो की १७ और १८ जून २०२३ को तालकटोरा इनडोर स्टेडियम नई दिल्ली में आयोजित था, जिसके आयोजक सीको कई इंटरनेशनल व भारत कराटे अकैडमी थे। सहयोगी रहे वर्ल्ड कराटे फेडरेशन, एशियन कराटे फेडरेशन, कामनवेल्थ कराटे फेडरेशन, साउथ एशियन कराटे डू फेडरेशन, कराटे इंडिया ऑर्गेनाइजेशन, माय कराटे एंड क्रॉसफिट।

आर्थिक सहयोगी रहे पोर्टडाटा इवेंट टेक्नोलॉजी, हनाह, नो मेडिकेशन ओनली डेडीकेशन फिटनेस क्लब के साथ श्योर आईडीओ, एक्स्ट्रीम मार्शल आर्ट, टोकाइडो, एडीदास, पार्की, पुनोक, किहोन, हयाशी, रनबाज एथलीटस, एरावाजा, डाई टू इन्टरनेशनल, बेस्ट सर्पोट। कार्यक्रम की सफलता के भागीदार रहे ऑर्गेनाइजेशन चेयरमैन हांशी भरत शर्मा ब्लैक बेल्ट ८वां दान, चीफ इंस्ट्रक्टर को-टेक्निकल डायरेक्टर विक्की कुमार यादव ब्लैक बेल्ट ५वां दान, निर्देशक मार्शल आर्ट एसोसिएशन ऑफ इंडिया (भारत), श्री विनय तिवारी अध्यक्ष कराटे इंडिया एसोसिएशन, महामंत्री संजीव जांगड़ा।

जय भारत! इंडिया को संविधान से विलुप्त करवाना एक ही ध्येय

भव्यातिभव्य कार्यक्रम को भारतमय बना दिया

'मैं भारत हूँ फाउंडेशन' (अंतरराष्ट्रीय संस्थान) के राष्ट्रीय अध्यक्ष बिजय कुमार जैन मुंबई, राष्ट्रीय महामंत्री शोभा सादानी कोलकाता, राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष निशा लड्ढा कोलकाता के साथ दिल्ली निवासी मदन मोहन गुप्ता, रश्मि उत्तम नगर, युवा सुभाष लक्ष्मी नगर, सच्चिदानंद शांडलिया के साथ पूनम सिंह आदि आदि मंच पर उपस्थित होकर सभी से निवेदन किया कि आइए प्राचीन काल से चल रहे हमारे देश का नाम 'भारत' को अब हम भारतीय केवल 'भारत' ही बोलेंगे', इंडिया नहीं। कार्यक्रम की शुरुआत शंख ध्वनि से सुश्री शकुंतला जी ने किया। हजारों की संख्या में उपस्थित कराटे योद्धा (बच्चे व युवा) के साथ अभिभावकगणों ने दिल्ली स्थित तालकटोरा स्टेडियम को 'जय भारत' के नारे से खचाखच भरे सभागार को गुंजायमान कर दिया। **- मैंभाहूँ**

मुझे बहुत ही खुशी है कि 'मैं भारत हूँ फाउंडेशन' का मैं भी हिस्सा बना हूँ

-नरेश बंसल, राज्यसभा सांसद

नई दिल्लीः 'भारत को केवल 'भारत' ही बोला जाए' इंडिया नहीं अभियान की सफलता के लिए दिनांक १५ सितंबर २०२३ को दिल्ली के रोहिणी स्थित 'तेरापंथ भवन' में आयोजित भारत नाम सम्मान कार्यक्रम में भारतीय राज्यसभा के सांसद नरेश बंसल अपनी उपस्थिति दिखाते हुए बोले की मुझे बहुत ही खुशी है कि मैं आज 'मैं भारत हूं फाउंडेशन' का एक हिस्सा बना हूँ, जबकि 'मैं भारत हूं फाऊंडेशन' पिछले १४ सालों से लगातार प्रयास कर रहा है कि हमारे देश का नाम केवल 'भारत' ही रहना चाहिए। मैं आपलोगों को बता देना चाहता हूं कि विश्व के किसी भी राष्ट्र के नाम २ नहीं है, इंडिया और इंडियन गुलामी का प्रतीक है। मैंने २७ जुलाई २०२३ को संसद के मानसून सत्र के प्रश्नकाल में निवेदन किया की इंडिया हमें गुलामी की याद दिलाता है 'भारत को केवल भारत ही बोला जाना चाहिए'।

विश्वास दिलाता हूं की बहुत ही जल्द देश का नाम एक ही होगा केवल 'भारत' और भारत के पंतप्रधान नरेंद्र मोदी जी इस विषय पर संज्ञान भी लेगें।

मित्रों! आज इस सभागार में नारी शक्ति की उपस्थिति देखकर मुझे बड़ी ही खुशी हो रही है कि भारत का हर व्यक्ति चाहता है कि देश का नाम एक ही रहे 'भारत'।

मंच पर बैठे नरेश बंसल जी के अनुज भीम बंसल, रोहिणी तेरापंथ सभा के अध्यक्ष विजय कुमार जैन, पूर्व पार्षद कनिका जैन, सांसद नरेश बंसल, मैं भारत हूं फाउंडेशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष बिजय कुमार जैन, अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी सभा के उत्तरांचल संयुक्त मंत्री ओम प्रकाश तापड़िया, दिल्ली तेरापंथ सभा के उपाध्यक्ष प्रदीप संचेती ने अपने वक्तव्य में कहा कि हमारे देश का नाम केवल 'भारत' ही रहना चाहिए। बतादें कि कार्यक्रम की सफलता में रोहिणी तेरापंथ समाज व महेश्वरी सभा रोहिणी ने विशेष सहयोग दिया। उपस्थित भारतीयों ने जोरदार नारे के साथ 'जय भारत' का उद्घोष किया।

कार्यक्रम की शुरुआत मां भारती की आरती से की गई।

जब तक भारत को केवल BHARAT ही नहीं बोला जाएगा विश्व के मानचित्र GLOBE में जहां INDIA लिखा है वहां BHARAT नहीं लिखा जाएगा, हम भारतीय चैन से नहीं बैठेंगे, यह वक्तव्य आयोजित कार्यक्रम की शुरुआत में 'मैं भारत हूं फाउंडेशन' के राष्ट्रीय अध्यक्ष बिजय कुमार जैन ने अपनी बुलंद आवाज के साथ खचाखच भरे सभागार में बैठे भारतियों को १५ सितंबर २०२३ को गरिमामई मंच से कही।

बिजय कुमार जैन राष्ट्रीय अध्यक्ष मैं भारत फाऊंडेशन

राज्यसभा सांसद नरेश बंसल दिल्ली

भारत को केवल भारत ही बोला जाए

राष्ट्रीय अध्यक्ष बिजय कुमार जैन ने सांसद नरेश जी बंसल की भावनाओं का सम्मान करते हुए कि इंडिया हमें गुलामी की याद दिलाता है प्राचीनतम भारत को केवल भारत ही बोला जाना चाहिए

तेरापंथ सभा रोहिणी के अध्यक्ष विजय कुमार जैन, पूर्व पार्षद कनिका जैन के साथ सांसद नरेश बंसल

तेरापंथ सभा के उपाध्यक्ष प्रदीप संचेती

नहीं चाहिए दो नाम भारत और इंडिया का आर्तनाद करते हुए उपस्थित भारतीय सभी के बीच राज्य सभा सांसद नरेश बंसल

'मैं भारत हूं फाउंडेशन' द्वारा पिछले १४ सालों में किए गए कार्यों का वीडियो प्रसारण भी किया गया। वीडियो को देखते हुए तालियों से सभागार गूंजता रहा। कार्यक्रम का मंच संचालन ओजस्वीपूर्ण तरीके से 'मैं भारत हूं फाउंडेशन' की राष्ट्रीय कोषाध्यक्षा श्रीमती निशा संजय लड्ढा ने किया। मंच पर बैठे सभी गणमान्य अतिथियों का स्मृति चिन्ह से सम्मान किया गया, खचाखच भरे सभागार में उपस्थित सभी भारतीयों का 'मैं भारत हूँ' के दुपट्टे से सम्मान किया गया। धन्यवाद ज्ञापन 'मैं भारत हूं फाउंडेशन' के दिल्ली संयोजक जिनेश जैन ने किया। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ।

'मैं भारत हूं फाउंडेशन' की राष्ट्रीय महामंत्री कोलकाता निवासी श्रीमती शोभा सादानी व वरिष्ठ राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री गोविंद माहेश्वरी ने अपनी उपस्थिति दिखाते हुए मोबाइल पर शुभकामनाएं भेजी।

स्वामी वात्सल्य (भोजन) के साथ उपस्थित सभी अतिथियों ने आपस में संवाद करते हुए कहा कि आज के बाद हम सभी मिलने वालों से जब भी अभिवादन करेंगे 'जय भारत' के साथ ही करेंगे और इंडिया अब से नहीं बोलेंगे। जय भारत!

मैं भारत हूँ फाउंडेशन द्वारा ऐतिहासिक कार्यक्रम का आयोजन

हम सभी जानते हैं की किसी भी इंसान के संवैधानिक नाम २ नहीं हो सकते, तो हमारे देश के २ नाम क्यों?

रायपुरः लोग कहते हैं और हम सभी भारतीयों को बताया भी गया है कि इंडिया का मतलब 'भारत' होता है, 'भारत' का मतलब इंडिया होता है, क्या कभी नाम का अनुवाद हो सकता है, जब नाम का अनुवाद नहीं हो सकता तो इंडिया का मतलब भारत या भारत का मतलब इंडिया कैसे हो सकता है? हमारे देश का नाम भी एक ही रहना चाहिए केवल 'भारत'। क्योंकि हजारों सालों से हमारे देश का नाम भारत' ही रहा है, हमने लगभग ढाई सौ साल गुलामी की दास्ताँ सही और अपने आप को इंडियन कहने के लिए मजबूर रहे, पर आज हम स्वतंत्र हैं और हम चाहते हैं कि हम भारतीय बने रहें, क्योंकि पुराणों व वेदों में हमारे देश के नाम का उल्लेख 'भारत' ही मिलता है।

पिछले १५ सालों से लगातार हमारा प्रयास रहा है कि पूरी दुनिया अपने देश को एक ही नाम से पुकारें केवल 'भारत'। 'मैं भारत हूं फाउंडेशन' एक अंतरराष्ट्रीय संस्थान है, संस्थान ने विश्व के कोने-कोने में फैले भारतीयों को बताने का प्रयास किया है कि नाम का कभी अनुवाद नहीं होता, भारत को केवल 'भारत' ही बोला जाना चाहिए और इसमें आंशिक सफलता भी मिली है। संस्थान ने भारत का ही एक राज्य 'उत्तर प्रदेश' के हर गलियों में 'रथ यात्रा' निकाली। भारत की राजधानी 'दिल्ली' में जन-जन तक अभियान को पहुंचाने के लिए भारत मां के रथ के साथ लोगों से संपर्क किया। दिल्ली के सुप्रीम कोर्ट के प्रांगण में अधिवक्ताओं के बीच कार्यक्रम किया। दिल्ली में स्थापित जनपथ में बाबा साहेब अंबेडकर इंटरनेशनल सभागार में विशाल कार्यक्रम किया, जिसमें कई राजनीतिक दलों के शिरोधार्य उपस्थित हुए। भारत की जितनी भी सामाजिक संस्थाएं हैं उनसे संपर्क किया गया। देश के कोने-कोने में रहने वाले भारतीयों से सोशल मीडिया व युवा छात्र-छात्राओं से संबंध स्थापित कर पूछा गया कि देश का नाम एक ही कैसे हो केवल 'भारत', क्योंकि हजारों सालों से हमारे देश का नाम 'भारत' ही रहा है यह वैदिक पुराणों में भी हमें लिखा मिलता है।

'भारत' को केवल 'भारत' ही बोला जाए' अभियान को आंशिक सफलता भी मिली है लेकिन जब तक भारतीय संविधान के अनुच्छेद क्रमांक १ में, जहां 'इंडिया देट इज भारत' लिखा है वहां 'भारत ईज भारत' नहीं लिखा जाएगा तब तक हम भारतीय चैन से नहीं बैठेंगे।

'मैं भारत हूं फाउंडेशन' के पदाधिकारीयों ने भारत के केंद्रीय सरकार,सभी राज्यों के मुख्यमंत्री, राज्यपाल आदि से संपर्क कर निवेदन किया है। दिनांक ८ अक्टूबर २०२३ को 'मैं भारत हूं फाउंडेशन' के पदाधिकारी भारत का एक राज्य छत्तीसगढ की राजधानी 'रायपुर' में स्थापित वृंदावन सभागार में आप सबके समक्ष निवेदन लेकर आए हैं की छत्तीसगढ़ की राजधानी का हर बच्चा, युवा, बुजुर्ग, महिला-पुरुष जब भी किसी का अभिवादन करें 'जय भारत' से ही करें।

हमें पूरा विश्वास है कि आप सभी का साथ हमें मिलेगा और आप अपने क्षेत्र में इस अभियान का उल्लेख जरूर करेंगे और जन जन तक यह बात पहुंचाने में साथ देंगे, क्योंकि हम सभी भारतीय हैं, भारत के रहने वाले हैं और हमारे देश का नाम एक ही रहे केवल 'भारत'।

कार्यक्रम में उपस्थित राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष श्रीमती निशा लड्ढा ने अपने गरिमामयी उद्बोधन से सभागार में उपस्थित छत्तीसगढ वासियों को संबोधित किया। छत्तीसगढ के संयोजक कैलाश रारा ने सभी का परिचय कराया और कहा कि जब तक 'भारत को केवल भारत नहीं बोला जाएगा' मैं चावल ग्रहण नहीं करुंगा। मंच का संचालन चिर-परिचित मंच संचालिका 'मैं भारत हूँ फाउंडेशन' की राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष ने अपनी गरिमामयी वाणी से संचालित कर रही थीं। उपस्थित मंचासीन कैलाश रारा रायपुर- छत्तीसगढ संयोजक (मैं भारत हूँ फाउंडेशन), प्रो. रमेन्द्रनाथ मिश्रा रायपुर- अध्यक्ष इतिहास विभाग (RSV), गिरीश पंकज रायपुर- वरिष्ठ पत्रकार व साहित्यकार, बिजय कुमार जैन मुंबई- राष्ट्रीय अध्यक्ष (मैं भारत हूँ फाउंडेशन), प्रदीप जैन रायपुर- सम्पादक दैनिक विश्व परिवार, सुरेन्द्र पाटनी रायपुर- प्रदेश अध्यक्ष भाजपा (NGO प्रकोष्ठ), राजकुमार राठी रायपुर- महामंत्री अंतर्राष्ट्रीय वैश्य महासम्मेलन ने अपने उद्बोधन दिए। जय भारत!
-मैंभाहूँ

'मैं भारत हूँ फाउंडेशन' द्वारा भारत को 'भारत' ही कहने के लिए 'भारत' में अभियान चलाया जा रहा है- रायपुर प्रेस

मंच पर बैठे बाएं से वरिष्ठ पत्रकार प्रदीप जैन, छत्तीसगढ प्रवक्ता राजकुमार राठी, राष्ट्रीय अध्यक्ष बिजय कुमार जैन राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष श्रीमती निशा लड्ढा, छत्तीसगढ संयोजक कैलाश रारा

रायपुर: 'मैं भारत हूं फाउंडेशन' के राष्ट्रीय अध्यक्ष बिजय कुमार जैन, राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष निशा लड्ढा, छत्तीसगढ प्रदेश संयोजक कैलाश रारा, प्रदेश प्रवक्ता राजकुमार राठी ने आयोजित रायपुर प्रेस क्लब में ८ अक्टूबर २०२३ को 'पत्रकार संसद' में कहा कि किसी भी इंसान का दो संवैधानिक नाम नहीं हो सकता, इसलिए हमारे देश का नाम भी एक ही 'भारत' रहना चाहिए, पूरे विश्व में इंडिया के नाम से 'भारत' को जाना जाता है जो कि गलत है, इसके लिए सरकार को संविधान में संशोधन कर विश्व के मानचित्र में इंडिया की जगह 'भारत' लिखने हेतु निर्देशित करना चाहिए।

राष्ट्रीय अध्यक्ष बिजय कुमार जैन ने पत्रकारों को संबधित करते हुए बताया कि पिछले १५ वर्षो से 'मैं भारत हूं फाउंडेशन' लगातार प्रयास कर रहा है कि हमारे देश का एक ही नाम हो केवल 'भारत' इसके लिए संस्था द्वारा 'उत्तर प्रदेश' की हर गलियों में रथ यात्रा निकाली गई, साथ ही भारत की राजधानी दिल्ली में जज-जन तक अभियान को पहुंचाने के लिए लोगों से संपर्क किया गया, दिल्ली के सुप्रीम कोर्ट के प्रांगण में अधिवक्ताओं के बीच कार्यक्रम रखा गया। राजधानी रायपुर में हुयी पत्रकार संसद में कैलाश रारा ने कहा कि जब तक पूरे विश्व में भारत को केवल 'भारत' के नाम से नहीं जाना जाएगा, वह चावल नहीं ग्रहण करेंगे। कार्यक्रम को राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष निशा लड्ढा एवं प्रदेश प्रवक्ता राजकुमार राठी व वरिष्ठ पत्रकार प्रदीप जैन ने भी संबोधित किया। जय भारत!

नवभारत
छत्तीसगढ • ओडिशा
Rajdhani - 09 Oct 2023 - 09raj5
epaper.navabharat.news

हमारे देश का केवल एक ही नाम 'भारत' हो: विजय जैन

रायपुर। मैं भारत हूं फाउंडेशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष विजय जैन ने रविवार को पत्रकार वार्ता में कहा कि किसी भी इंसान के दो संवैधानिक नाम नहीं हो सकते, इसलिए हमारे देश का नाम भी 'भारत' ही होना चाहिए। पूरे विश्व में इंडिया के नाम से भारत को जाना जाना गलत है, इसके लिए सरकार को संविधान में संशोधन कर पूरे विश्व में 'इंडिया' की जगह 'भारत' लिखने हेतु निर्देशित करना होगा। उन्होंने बताया कि पिछले 14 वर्षों से 'मैं भारत हूं' फाउंडेशन लगातार प्रयासरत है कि हमारे देश का एक ही नाम हो वह केवल भारत हो। इसके लिए संस्था द्वारा उत्तरप्रदेश की गलियों में रथयात्रा निकाली गई। दिल्ली में जन-जन तक इस अभियान को पहुंचाने लोगों से संपर्क किया गया। साथ ही दिल्ली के सुप्रीम कोर्ट के आंगन में अधिवक्ताओं के बीच कार्यक्रम रखा गया।

वार्ता में फाउंडेशन के राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष निशा लड्ढा, प्रदेशाध्यक्ष कैलाश रारा, प्रदेश प्रवक्ता राजकुमार राठी भी उपस्थित थे। अध्यक्ष रारा ने कहा कि जब तक पूरे विश्व में भारत को इंडिया के बजाय भारत के नाम से नहीं जाना जाएगा, वे चावल नहीं ग्रहण करेंगे। वार्ता को राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष लड्ढा व प्रदेश प्रवक्ता राठी ने भी संबोधित किया।

जब नाम का अनुवाद नहीं हो सकता तो इंडिया का मतलब भारत या भारत का मतलब इंडिया कैसे हो सकता है: विजय

रायपुर। हम सभी जानते है कि को किसी भी इंसान के संवैधानिक नाम दो नहीं हो सकते तो हमारे देश के दो नाम क्यों? लोग कहते हैं और हम सभी को बताया भी गया है कि इंडिया का मतलब भारत होता है भारत का मतलब इंडिया होता है। क्या कभी नाम का अनुवाद हो सकता है, जब नाम का अनुवाद नहीं हो सकता तो इंडिया का मतलब भारत या भारत का मतलब इंडिया कैसे हो सकता है? हमारे देश का नाम भी एक ही रहना चाहिए केवल भारत, क्योंकि हजारों सालों से हमारे देश का नाम भारत ही रहा है हमने लगभग ढाई सौ साल गुलामी की दास्तान सही और अपने आप को इंडियन कहने के लिए मजबूर हुए, पर आज हम स्वतंत्र है और हम चाहते हैं कि हम भारतीय बने रहें, क्योंकि पुराणों व वेदों में हमारे देश के नाम का उल्लेख भारत ही मिलता है। उक्त बातें मैं भारत हूं फाउंडेशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष विजय कुमार जैन ने कहीं। इस अवसर पर कोषाध्यक्ष निशा लड्ढा, रायपुर संयोजक कैलाश रारा, समाजसेवी राजकुमार राठी उपस्थित थे।

हमारे देश का नाम भी एक ही रहना चाहिए केवल भारत

जैन ने कहा कि पिछले 14 सालों से लगातार हमारा प्रयास रहा है कि हम अपने देश को एक ही नाम से पुकारें केवल भारत। मैं भारत हूं फाउंडेशन, एक अंतरराष्ट्रीय संस्था है, संस्था ने विश्व के कोने-कोने में फैले भारतीयों को बताने का प्रयास किया है कि नाम का कभी अनुवाद नहीं होता, भारत को केवल भारत ही बोला जाना चाहिए और इसमें आंशिक सफलता भी मिली है।

में भारत हूं फाउंडेशन द्वार इंडिया की भारत कहने पुरे देश मे अभियान चलाया जा रहा

रायपुर। मैं भारत हूं फाउंडेशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष विजय जैन राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष निशा लड्ढा प्रदेश अध्यक्ष कैलाश रारा प्रदेश प्रवक्ता राजकुमार राठी ने पत्रकार वार्ता में बताया कि किसी भी इंसान का दो संवैधानिक नाम नहीं हो सकता इसलिए हमारे देश का नाम भी भारत ही होना चाहिए पूरे विश्व में इंडिया के नाम से भारत को जाना जाना गलत है इसके लिए सरकार को संविधान में संशोधन कर पूरे विश्व में इंडिया की जगह भारत लिखने हेतु निर्देशित करना होगा।

राष्ट्रीय अध्यक्ष विजय जैन ने बताया कि पिछले 14 वर्षों से मैं भारत हूं फाउंडेशन लगातार प्रयास कर रहा है कि हमारे देश का एक ही नाम हो वह केवल भारत हो इसके लिए संस्था द्वारा उत्तर प्रदेश के हर गलियों में रथ यात्रा निकाली गई साथ ही भारत की राजधानी दिल्ली में जन जन तक अभियान को पहुंचाने के लिए लोगों से संपर्क किया गया साथ ही दिल्ली के सुप्रीम कोर्ट के आंगन में अधिवक्ताओं के बीच कार्यक्रम रखा गया अध्यक्ष कैलाश रारा ने कहा कि जब तक पूरे विश्व में भारत को इंडिया के बजाय भारत के नाम से नहीं जाना जाएगा वह चावल नहीं ग्रहण करेंगे कार्यक्रम को राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष निशा लड्ढा एवं प्रदेश प्रवक्ता राजकुमार राठी ने भी संबोधित किया।

बिजय कुमार!
भारत का ज्योतिष निकालो इंडिया क्यों बैठा है भारत में
-परमाचार्य श्री विद्यासागर जी

डोंगरगढ़: ९ अक्टूबर २०२३ की चिलचिलाती धूप, भारत का एक राज्य छत्तीसगढ़ की पावन भूमि 'डोंगरगढ़' में हो रहे परम आचार्य श्री विद्यासागर जी के चातुर्मास के समय जब मैं सुबह सबेरे अपनी धर्मपत्नी संतोष के साथ 'मैं भारत हूँ फाउंडेशन' अंतर्राष्ट्रीय संस्थान की कोषाध्यक्ष श्रीमती निशा संजय लड्ढा कोलकाता निवासी के साथ आचार्य श्री विद्यासागर जी के दर्शनार्थ पहुंचा तो काफी भीड़ के मध्य आचार्यश्री के संत निवास में 'भारत को केवल 'भारत' ही बोला जाए' अभियान की आंशिक सफलता के बारे में विस्तारपूर्वक बताया तो आशीर्वाद देते हुए आचार्य श्री ने कहा, अच्छा कर रहे हो, सफलता जरूर मिलेगी, साथ ही भारत का ज्योतिष निकालो, इंडिया क्यों बैठा है 'भारत' पर, वह अध्ययन करो। मैंने कहा! आचार्यश्री आपका आशीर्वाद व स्नेह निर्देश आज मुझे प्राप्त हुआ है, इस विषय पर भी कार्य करते हुए वापस आपके समक्ष दर्शनार्थ जल्द ही उपस्थित होऊंगा। जय भारत!

"भारत को भारत कहें, इंडिया नहीं" विषयक संकल्प संगोष्ठी सम्पन्न

वृंदावन हॉल सिविल लाइन रायपुर में 'मैं भारत हूँ' फाउंडेशन के तत्वावधान में 'भारत नाम सम्मान' संगोष्ठी का आयोजन किया गया

रायपुर (विश्व परिवार)। संगोष्ठी को सम्बोधित करते हुये फाउंडेशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष बिजय कुमार जैन ने भारत के सांस्कृतिक नाम भारत को पुनर्प्रतिष्ठित करने के आव्हान के साथ 'भारत जोड़ो, इंडिया छोड़ो' का नारा दिया, वहीं प्रांतीय संयोजक कैलाश रारा ने बतलाया कि ऋषभ पुत्र भरत के नाम से विख्यात हमारा भारतवर्ष एक प्रातीतिक नाम है इसलिए देश के संविधान से 'इंडिया दैट इज भारत' को हटाकर 'भारत मीन्स भारत' किया जाना चाहिये। एक सम्प्रभु राष्ट्र के दो नाम नहीं हो सकते। मुख्य वक्ता गिरीश पंकज ने कहा कि भारत को मात्र भारत नाम से पुकारने से ही काम नहीं चलेगा। एक अनैतिकता एवं भ्रष्टाचार मुक्त भारत के निर्माण से ही भारत दुनिया के सम्मुख पुनः जगद्गुरु के रूप में पुनर्प्रतिष्ठित हो सकेगा। इतिहासविद रमेन्द्रनाथ मिश्रा ने अपने उद्बोधन में कहा कि जब बात राष्ट्रवाद की आये तो हमें अपने संकीर्ण स्वार्थों का परित्याग कर एकता के सूत्र का परिचय देना चाहिये।

पाटनी फाउंडेशन के अध्यक्ष सुरेन्द्र पाटनी ने कहा कि हमारे पूज्य गुरुदेव आचार्य विद्यासागर महाराज देश के तमाम राजनेताओं एवं राष्ट्रवासियों से विदेशियों के द्वारा निरूपित 'इंडिया' शब्द का परित्याग कर भारत को केवल 'भारत' ही बोलने का आह्वान करते हैं।

दैनिक विश्व परिवार रायपुर के संपादक प्रदीप जैन ने कहा कि 'जब जागो तब ही सवेरा', अच्छे कार्य की शुरुआत कभी भी करें वह सदैव सुखद ही होती है। अन्तर्राष्ट्रीय वैश्य सम्मेलन के महामंत्री राजकुमार राठी ने कहा कि जिस प्रकार जी-20 के सम्मेलन में भारत के प्रधानमंत्री एवं राष्ट्रपति जी ने इंडिया के स्थान पर 'भारत' शब्द का उपयोग किया, वह हमारे इस अभियान की सफलता की दिशा में एक सकारात्मक संकेत है।

संगोष्ठी में एम. राजीव सर ने युवा पीढ़ी में राष्ट्रवाद के संस्कारों को गम्भीरता से विकसित करने का संकल्प दोहराया, वहीं कवियत्रि पूजा अग्रवाल ने भारत नाम गौरव पर अपनी एक प्रेरणात्मक कविता का पठन किया।

सर्व समाज के प्रतिनिधियों की उपस्थिति में सम्पन्न इस संगोष्ठी का संचालन फाउंडेशन की राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष निशा लड्ढा कोलकाता के द्वारा किया गया एवं आभार प्रदर्शन भारतीय जैन संगठना की प्रांतीय उपाध्यक्ष श्रीमति ममता जैन के द्वारा किया गया।

मध्यान: 12.30 बजे फाउंडेशन के द्वारा कार्यक्रम के सम्बंध में प्रेस क्लब में पत्रकार वार्ता भी आयोजित की गई। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से लक्ष्मीनारायण लाहोटी, अंकिता नथानी, उर्मिला उर्मि, अनिल खंडेलवाल, विनोद सांखला, अनिल काला, महेन्द्र सेठी, राजेन्द्र उमाठे, अजय काले, संजीव जैन, पंकज चोपड़ा, ऋषि गुप्ता, अशोक वैश्य, लखनलाल शर्मा, दिलीप चाणिग्रही, कमलनारायण वेदाचार्य, लोकेश्वर आर्य, राहुल चौबे, प्रेमशंकर गोटिया, मनमोहन सेलानी भरत जैन, यशवंत जैन, शिरीन जैन एवं सरिता साहू आदि की उपस्थिति उल्लेखनीय रही। -कैलाश रारा

दैनिक भास्कर रायपुर 11-10-2023

भ्रष्टाचार मुक्त होकर भारत बनेगा जगतगुरु : गिरीश

रायपुर| मैं भारत हूं फाउंडेशन ने मंगलवार को 'भारत नाम सम्मान' संगोष्ठी का आयोजन किया। इसमें साहित्यकार गिरीश पंकज ने कहा कि भ्रष्टाचारमुक्त होने पर ही भारत फिर से जगतगुरु बन सकेगा। इतिहासकार रमेंद्रनाथ मिश्र ने कहा कि संकीर्णता और स्वार्थ का त्याग कर एकता का परिचय देना चाहिए। फाउंडेशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष विजय कुमार जैन ने भारत जोड़ो, इंडिया छोड़ो अभियान चलाने की आवश्यकता जताई। प्रांतीय संयोजक कैलाश रारा ने कहा कि संविधान से इंडिया दैट इज भारत को हटाकर वहां सिर्फ भारत लिखा जाना चाहिए। पाटनी फाउंडेशन के अध्यक्ष सुरेंद्र पाटनी ने कहा कि विदेशियों द्वारा दिए गए नाम इंडिया का परित्याग होना चाहिए।

भारत को भारत कहें, इंडिया नहीं विषयक संकल्प संगोष्ठी सम्पन्न

जोहार छत्तीसगढ़

वरिष्ठ पत्रकार व संपादक बिजय कुमार जैन ने किया असम का दौरा

सम्मानित किया गया भारत माँ के लाडले स्वरूप असम राज्य विधानसभा के सभापति बिस्वजीत दैमारी को

गुवाहाटी: १७ अक्टूबर २०२३ भारत का ही एक राज्य असम के लिए एक ऐतिहासिक दिन निर्धारित हो गया, जब 'मैं भारत हूँ फाउंडेशन' के राष्ट्रीय अध्यक्ष बिजय कुमार जैन व राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष श्रीमती निशा लड्ढा ने गुवाहाटी का दौरा किया गया।

असम राज्य के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा के निर्देशन पर असम राज्य के विधानसभा के सभापति बिस्वजीत दैमारी जी ने अपने कार्यालय में सदीक्षा भेंट दी, सभा में उपस्थित रहे विभिन्न असम संस्कृति के विद्वान विधानसभा के अध्यक्ष विश्वजीत जी ने कहा कि भारत को तो 'भारत' ही कहना चाहिए, बोला भी जाना चाहिए, इसमें कोई दो राय नहीं है और दो राय हो भी नहीं सकती। वर्तमान में भारत के महामहिम राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू जी ने भी अपने पत्रक में 'भारत' का ही उल्लेख किया है। वर्तमान के यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी 'भारत मां की जय' ही बोलते हैं और असम तो भारत का ही एक राज्य है।

मैं सर्वप्रथम आप सभी मुंबई, कोलकाता, गुवाहाटी से पधारे सभी भारत मां के लाडलों का स्वागत व सम्मान करता हूं, आप सभी एक ऐसे विषय को लेकर आए हैं मेरे समक्ष, जो की सर्वांगीण राष्ट्रीय मुद्दा है और जरूरी भी है। आप सभी उपस्थित सुधिजनों को बता देना चाहता हूं कि महाभारत काल से भी पुराना हमारे असम राज्य पौराणिक इतिहास रहा है।

मैं तो आप सभी से निवेदन करता हूं कि भारत का ही एक राज्य 'असम' के इतिहास का नाट्य मंचन व वीडियो फिल्म का निर्माण किया जाना चाहिए, क्योंकि असम राज्य का इतिहास अति प्राचीन है, इतिहास तो इतिहास ही होता है, जिसकी जानकारी यदि आप लोगों को चाहिए तो मैं भी उपलब्ध करवाऊंगा, क्योंकि असम मेरी मातृभूमि है, कर्मठ भूमि है, पवित्र व ऐतिहासिक भूमि है साथ ही कहूंगा कि भारत राष्ट्र का दिल भी है 'असम', मेरे पास जो कुछ है वह आपको बता रहा हूं और उपलब्ध भी करवाऊंगा। अनंतोगत्वा इतना ही कहूंगा कि आप लोगों की सोच व कार्य 'भारत' केवल 'भारत' ही रहे' ऐतिहासिक है और एक दिन इतिहास में भी लिखा जाएगा।

भारत की स्वतंत्रता के ७५ सालों के बाद आप लोगों ने बताया कि मां भारती विश्व को बताए कि 'मैं भारत हूँ' जो कि एक दिन जरूर होगा। करीब १ घंटे चली सभा में उपस्थित सभी सुधिजनों ने असम राज्य के विधानसभा के अध्यक्ष विश्वजीत जी को धन्यवाद दिया और दुपट्टे पहना कर और उनके द्वारा बताए गए असम राज्य के पुराने इतिहास की जानकारी उपलब्ध कराने हेतु करतल ध्वनि से 'जय भारत' के नारे से सम्मान किया। सभा में उपस्थित 'मैं भारत हूँ फाउंडेशन' के सहयोगी बिजय कुमार जैन, श्रीमती निशा लड्ढा, शंकर लाल बिड़ला, कमलेश गोयल, श्रीमती पुष्पा सोनी, श्रीमती ममता दुगर, विमल काकड़ा, श्रीमती मंजू दायमा, कैलाश काबरा, श्रीमती सारिका अग्रवाल, श्रीमती पूजा शर्मा, संपत मिश्रा, मोतीलाल पंड्या जैन, संतोष बैद, विनोद लोहिया, श्रीमती रंजना बरारिया, श्रीमती सविता सराफ, श्रीमती सविता अग्रवाल आदि।

'मैं भारत हूँ फाउंडेशन' द्वारा घोषित असम राज्य के संयोजक कैलाश काबरा ने कहा कि जल्द ही असम राज्य के इतिहास का नाट्यमंचन व वीडियो का निर्माण किया जाएगा ताकि पूरे विश्व को पता चले कि 'असम' राज्य का इतिहास पुरातन व महाभारत कालीन है। निर्धारित सभा के आयोजन में विशेष भूमिका श्री निकुंज तालुकदार की रही। जय भारत!

भारत को केवल भारत ही बोलें तो अच्छा लगता है

- गुलाबचंद कटारिया, राज्यपाल, असम राज्य

गुवाहाटी: 'भारत को केवल 'भारत' ही बोला जाए' इंडिया नहीं अभियान की सफलता के लिए दिनांक १७ अक्टूबर २०२३ को भारत का एक राज्य असम के राज्यपाल माननीय श्री गुलाबचंद जी कटारिया से सदिक्षा भेंट हुयी। निवेदन किया गया कि अब देश का नाम एक ही हो, केवल 'भारत', माननीय कटारिया जी ने कहा कि हम तो भारत ही बोलते हैं और अपने देश को 'भारत' ही बोलना चाहिए। उपस्थित थे 'मैं भारत हूँ फाउंडेशन' के राष्ट्रीय अध्यक्ष बिजय कुमार जैन, राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष निशा लड्ढा व पूर्वोत्तर के संयोजक कैलाश काबरा। जय भारत!

'मैं भारत हूं फाउंडेशन' पूर्वोत्तर के संयोजक बने कैलाश काबरा

गुवाहाटी: १७ अक्टूबर २०२३ पूर्वोत्तर मारवाड़ी सम्मेलन का सभागार, अपराह्व ३:०० बजे गुवाहाटी में भारत मां के लाडलों के साथ चर्चा सभा हुई, जिसमें मोतीलाल जैन, सुशील कुमार सराफ, संपत मिश्रा, विनोद कुमार लोहिया, संतोष बैद, अशोक अग्रवाल, कैलाश काबरा के साथ मैं भारत हूँ फाउंडेशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष बिजय कुमार जैन, राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष निशा लड्ढा, सरला काबरा, सीता देवी झंवर, मीना पोद्दार, पुष्पा सोनी आदि उपस्थित रहे।

सभा में निर्णय लिया गया कि हम सभी अभिवादन के समय 'जय भारत' ही बोलेंगे, साथ ही जल्द असम के इतिहास का नाट्य मंचन व वीडियो बनाया जाएगा, क्योंकि भारत का ही एक राज्य है असम, यहां से 'भारत केवल भारत' की उठी आवाज विश्वस्तर पर जाएगी। सभा में उपस्थित भारत मां के लाडलों की अनुमति से प्रसिद्ध समाजसेवी कैलाश काबरा को 'मैं भारत हूं फाउंडेशन' के पूर्वोत्तर क्षेत्र का संयोजक घोषित किया गया, जिसका स्वागत करतल ध्वनि से सभी ने किया, जल्द ही कैलाश जी के निर्देशन में जम्बो कार्यकारिणी की घोषणा भी की जाएगी, जिनके द्वारा पूर्वोत्तर के सभी राज्यों में 'भारत नाम सम्मान' अभियान पहुंचाया जाएगा। जय भारत!

No. 19/11/2021- Public
Government of India
Ministry of Home Affairs
(Public Section)
*****

North Block, New Delhi
Dated 29th November, 2021

OFFICE MEMORANDUM
******

Subject: Removal of the word Índia' from the Constitution of India.

The undersigned is directed to forward herewith a copy of letter dated 11.08.2021 from Shri Bijay Kumar Jain in original on the subject cited above, for appropriate action as the subject matter pertains to Legislative Department, Ministry of Law & Justice.

Encl.: as above

(Prem Parkash)
Under Secretary to the Government of India
☎: 2309 2421
E-mail Id.: sopub@nic.in.

To

Legislative Department,
Ministry of Law & Justice,
[Kind Attn.: Dr. Reeta Vasishta, Secretary]
Room No. 405-A, Shashtri Bhawan,
New Delhi-01.

Copy for information to:
Shri Bijay Kumar Jain, B-217, Hind Saurashtra Industrial Estate, Marol, Andheri East, Mumbai, Maharashtra-400059.

F. No. 11(1)2021-L.I
Government of India
Ministry of Law and Justice
Legislative Department
Legislative I Section
****

Shastri Bhawan, New Delhi
the 3rd December, 2021

Subject:- Request to amend the Constitution in order to insert the word 'Bharat' in place of 'India' in the Constitution of India.

The undersigned is directed to forward herewith a representation dated 29.11.2021 received from Sh. Bijay Kumar Jain, B-217, Hind Saurashtra Industrial Estate, Marol, Andheri East, Mumbai, Maharashtra-400059 regarding the subject cited above and to state that as per the Allocation of the Articles of the Constitution of India, the subject matter relating to Article 1 with respect to name and territory of the Union falls under the administrative ambit of the Ministry of Home Affairs. Hence, all policy decisions in this regard would be taken by the concerned administrative Ministry.

2. In this regard, it is further to state that Legislative Department is concerned only with drafting of legislations on the basis of the policy decisions of the administrative Ministry/Department in the Government of India.

3. Therefore, the above mentioned representation dated 29.11.2021 is herewith returned to the Ministry of Home Affairs for taking necessary action in the matter at their end.

Encl: As above.

(R.K Pattanayak)
Additional Legislative Counsel
Tel. No. 23381588

PS to Secretary,
Ministry of Home Affairs (Public Section),
(Kind Attn:- Sh. Prem Prakash, Under Secretary),
North Block, New Delhi.

Copy for information to:

Sh. Bijay Kumar Jain, B-217, Hind Saurashtra Industrial Estate, Marol, Andheri East, Mumbai, Maharashtra-400059 with request to make further correspondence if any, with the above mentioned administrative Ministry.

आपको राष्ट्रोत्थान कार्यों के लिए सम्मानित किया जाता है

मैं भारत हूँ

मैं भारत हूँ फाउंडेशन

भारत को 'भारत' ही बोला जाए

www.mainbharathun.co.in

मैं भारत हूँ

राष्ट्रीय अध्यक्ष	राष्ट्रीय महामंत्री	राष्ट्रीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष	राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष
बिजय कुमार जैन, मुंबई	शोभा सादानी, कोलकाता	डॉ. गोविंद माहेश्वरी, कोटा	निशा लड्ढा, कोलकाता
मो. 9322307908	मो. 8910628944	मो. 9414183919	मो. 9830224300

इंडिया से भारत की ओर लौट चलो

भारत का नाम अत्यन्त प्राचीन है।

भारत नाम हमारी भारतीय संस्कृति और राष्ट्रीय अस्मिता का प्रतीक है

भारत के लिए 'इंडिया' नाम यूरोपियनों/अंग्रेजों की देन है तथा इंडिया शब्द का प्रयोग लगभग ५०० वर्षों से अधिक पुराना नहीं है जबकि हमारे देश को 'भारत' के नाम से अत्यन्त प्राचीन काल में भी पुकारा जाता था जिसके प्रमाण वैदिक साहित्य में उपलब्ध है यथा विष्णु पुराण २.३.१ में लिखा मिलता है-

दक्षिणम्।

वर्षं तद् भारतं नाम भारती यत्र सन्ततिः।।

उत्तर यत् समुद्रस्य हिमाद्रेश्चैव दक्षिणम्।

वर्षं तद् भारतं नाम भारती यत्र सन्ततिः।।

अर्थात् समुद्र के उत्तर में और हिमालय के दक्षिण में जो देश है उसे भारत कहते हैं तथा उसकी संतानों (नागरिकों) को भारती कहते हैं।

मार्कण्डेय पुराण में भी हमारे देश का नाम 'भारत' लिखा मिलता है।

आगमों में सतरहवें तीर्थंकर भगवान शांतिनाथ की स्तुति करते हुए गाया गया है कि-

चइता भारहवांसं चक्कवटी महिढिओ, संति संति करे लोए, पत्तो गई मणुत्तरं। अर्थात् महान समृद्धिशाली चक्रवर्ती सम्राट शांतिनाथ जी ने भारतवर्ष का राज्य त्याग कर मोक्ष का अनुत्तर मार्ग ग्रहण किया।

'भारत ऋग्वेद जितना ही प्राचीन है। ऋग्वेद के सातवें मंडल में ७:१८,७.३३ और ७:८३:४.८ में दशराज्ञ युद्ध (दस राजाओं का युद्ध) का वर्णन मिलता है जिसमें एक तरफ कबीला और उनका मित्रपक्ष समुदाय था, जिनके सलाहकार ऋषि विश्वामित्र थे। दूसरी ओर भारत नामक समुदाय था, जिसका नेतृत्व तृत्सु नामक कबीले के राजा सुदास कर रहे थे और जिनके प्रेरक ऋषि वशिष्ठ थे। इस युद्ध में सुदास के भारतों की विजय हुई और उत्तर भारतीय उपमहाद्वीप पर उन्होंने आधिपत्य स्थापित कर इस प्रदेश का नाम 'भारत' रखा। तत्पश्चात अनेक विदेशी आक्रमणकारियों ने भारत पर आक्रमण कर अपनी सत्ता कायम की, किन्तु इस देश का नाम 'भारत' ही रहा, उसे बदला नहीं गया।

जैन कलिंग सम्राट खारवेल द्वारा उड़ीसा राज्य की प्रसिद्ध हाथीगुंफा में ईसा से २०० वर्ष पूर्व उल्लेखित शिलालेख की दसवीं पंक्ति में ब्रह्मी लिपि और प्राकृत भाषा में 'भरदवस्स' लिखा है जिसका अर्थ 'भारतवर्ष' है।

ज्ञातव्य है कि 'मैं भारत हूँ फाउंडेशन' के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री बिजय कुमार जैन और उनकी टीम राष्ट्रीय स्तर पर विगत १५ वर्षों से इस मुहिम को चला रहे हैं कि भारत को 'भारत' ही बोला जाए। उनके इन पुनीत यज्ञ को अखिल भारतीय दिगम्बर जैनाचार्य विद्यासागर जी का पूर्ण आशीर्वाद प्राप्त है। वे भी चाहते हैं कि भारत को भारत ही बोला जाना चाहिए। नि:संदेह वह दिन दूर नहीं जब सभी भारतीयों का सपना साकार होगा और हम गर्व से कह सकेगें कि 'हम भारतीय हैं।'

आओ हम सभी देशवासी सहर्ष कहें- 'इंडिया से भारत की ओर लौट चलो।'

-प्रो. मिश्रीलाल मांडोत

लेखक परिचय

मिश्रीलाल मांडोत

शिक्षाविद् प्रो. मिश्रीलाल मांडोत ने लगभग २७ वर्ष तक राजस्थान प्रदेश के विभिन्न महाविद्यालयों में प्राचार्य/शिक्षा-निदेशक/मुख्य कार्यकारी अधिकारी आदि पदों को सुशोभित किया है।

आपने लगभग ३७ वर्ष तक इतिहास और राजनीति विज्ञान के स्नातकोत्तर स्तर के छात्रों के हितार्थ अध्यापन कार्य किया। आप रोजगारोन्मुखी पाठ्यक्रमों के संस्थान श्री महावीर अध्ययन केन्द्र, अजमेर के १० वर्ष तक निदेशक रहे हैं तथा लगभग ३५०० युवकों को रोजगार दिलाने में सहायक रहे हैं। उच्च शिक्षा के विकास में महत्वपूर्ण योगदान के लिए आपको विभिन्न स्तरों पर कई बार सम्मानित करते हुए 'बेस्ट एजुकेशनिस्ट', 'एमीनेन्ट एजुकेशनिस्ट', 'भारत-ज्योति' आदि अनेक सम्मानों से नवाजा गया है।

प्रो. मांडोत १९६७ से अनवरत लेखन कार्य कर रहे हैं। अब तक आपकी अन्तर्राष्ट्रीय सम्बन्ध, दो विश्व युद्धों के बीच अंतर्राष्ट्रीय राजनीति, अन्तर्राष्ट्रीय संगठन, मध्यकालीन और राजस्थानी इतिहास के प्रमुख इतिहासकार, मुगल सम्राट शाहजहाँ, प्राचीन भारत, मध्यकालीन भारत, आधुनिक भारत, स्वतंत्रता सेनानी कप्ताना दुर्गाप्रसाद चौधरी, वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप, प्रवाह आदि ३१ पुस्तकें तथा ३०० से अधिक लेख विभिन्न पत्र-पत्रिकाओं में प्रकाशित हो चुके हैं। आपने लगभग एक दशक तक समाचार-पत्र 'दैनिक नवज्योति' के सम्पादकीय विभाग में भी सेवाएं दी हैं। आप एक अच्छे लेखक, कुशल वक्ता और कर्मठ समाजसेवी हैं। इन क्षेत्रों में भी आपको कई बार पुरस्कार प्राप्त हुए हैं।

- प्रकाशक